श्री श्वे स्थानकवासी जैन कोन्फरन्स

स्थापना—ई सन १९०६

कोन्फरन्स अधिवेशनोनी नोंध

	ई स	स्थळ	अधिवेशन प्रमुख
१	१९०६	मोरबी	रायशेठ चांदमलजी सा (अजमेर)
२	१९०८	रतलाम	शेठ केवलदास त्रिभुवनदास (अमदावाद
३	१९०९	अजमेर.	शेठ बालमुकुन्दजी मुथा (सतारा)
४	१९१०	जालंधर.	उमेदमलजी लोढा (अजमेर)
५	१९१३	सीकन्द्राबाद	„ लक्ष्मणदासजी मुल्तानमलजी (जलगाव
६	१९१५	मलकापुर	„ मेघजीभाई थोभण जे पी (मुम्बई
७	१९२६	मुम्बई.	भेरोंदानजी सेठीया (बीकानेर)
८	१९२७	बीकानेर.	वाडीलाल मोतीलाल शाह (घाटकोपर

कोन्फरन्सना चालु ट्रस्टीओ

१ शेठ वर्धमानजी पीतलीया रतलाम
२ भेरोंदानजी सेठीया बीकानेर
३ „ लाला गोकुलचंदजी नाहर दिल्ही
४ वीरचन्द भाई मेघजी मुम्बई
५ दुर्लभ जी त्रिभुवन झवेरी जैपुर
६ सांकलचन्दजी मुथा सतारा
७ वेलजी लखमशी नपु, मुम्बई

कोन्फरन्सना चालु आनरेरी सेक्रेटरीओ

१ लाला गोकुलचन्दजी नाहर, दिल्ही
२ शेठ लक्ष्मणदासजी मुल्तानमलजी जलगांव
३ वर्धमानजी पीतलीया रतलाम
४ „ लाला ज्वालाप्रसादजी महेन्द्रगढ
५ मोतीलालजी कोठेचा मलकापुर
६ भेरोंदानजी सेठीया बीकानेर
७ „ चमनलाल चीमनचंद शाह, मुम्बई
८ „ मोतीलालजी मुथा सतारा
९ „ वेलजी लखमशी नपु, मुम्बई

श्री

अखिल भारतवर्षीय

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन

कॉन्फरन्स

नो

सत्तरमो अहेवाल

(सं. १९८२ थी सं. १९८८ सुधी)

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

प्राक्कथन

श्री श्वे. स्था जैन कॉन्फरन्सने मोरबी मुकामे स्थपायाने लगभग २७ वर्ष थवा आव्या छे। कॉन्फरन्सना आ जीवनमा समाजोन्नतिना जे जे शुभ कार्यो साधी शकाया छे अने कॉन्फरन्सने हस्ते बीजारोपण थया बाद पोषाय रहेल छे तेनो विचार करवानुं कार्य अमे समाजना विचार शील, विद्वान्, अने धर्मप्रेमी बन्धुओने सोंपीए छीए। अत्रे मात्र एटलुंज लखवुं उचित लागे छे के कॉन्फरन्स जेवी समाजमा सार्वदेशिक प्रगति तेमज प्राण पूरती जीवंत संस्थानी जरुरीयात माटे आजना आ प्रगति प्रेरक युगमा बेमत होइज न शके। शिष्ट समाज–जीवन घडतरमा पूर्णताने प्होंचेल वृद्धो, समजु अने सहकारी प्रौढवर्ग, चेतनवंता उछलता लोहिया नवयुवको, अने नवयुगने जन्मावनारी प्रेरक स्त्री शक्ति आ चारेनो समन्वय साधती कॉन्फरन्स ज जीवंत कॉन्फरन्सना बिरुदने प्राप्त करी शके। दुर्भाग्ये आपणी कॉन्फरन्सने आज सुधीमां अनेक तडका अने छायडा वेठवा पडेल छे, ते उपरात उपरोक्त चारेना समन्वय साधी जीवंत संस्था तरीके जीववाना कोड समाजनी कंईक

प्रगति प्रति बेदरकारी, क्लिष्टतापेक्ष शक्तिओ, वर्तमान युगमंदीनो प्रभाव तेमज कंइ साध्य श्रीमन्तनी जरुरीयातने लीधे पूर्ण न बनी शक्या होय ए संभव छे। छतां पण समाजना प्रत्येक वर्गनो एकठा करी कॉन्फरन्सने एक उपयोगी अने जीवंत संस्था बनाववानो हरेक धर्म हितैषी, समाज हितैषी अने प्रगति इच्छु जनो सौथी प्रथम फरज छे।

आज सुधी कॉन्फरन्से शुं कर्युं छे? आ प्रश्नना जवाबमां जणाव के अभिलाषाए प्रश्न पूछायेल छे तेओ संतोष न पाम्या छतां पण के कर्युं छे—समाजनो बेटका प्रमाणमां साथ मल्यो तेटला प्रमाणमां जरूर सभाजनी घणी सेवा करी छे। ए नि संकोच पणे कही शकाय। कॉन्फरन्स पहेलानी अने पछीनी स्थिति सरखावतां स्पष्ट प्रतीति थशे के पूरता साथ के साधनो विना पण जे कार्य थई शक्युं छे ते संतोष जनक थयुं छे। अने जो पूरतो साथ मल्यो होत तो संभव छे सर्वेनी अभिलाषा संतोषी शकात। आम छतां कॉन्फरन्सना उपयोगीपणा विषे हजी केटलाक माणसो शंका राखे छे। तेओ तरफथी एम दलील थाय छे कान्फरन्सना अंगे पैसा अने शक्तिनो व्यर्थ व्यय करवामां आवे छे फायदो कंइ नथी थतो। परंतु तेओने एटलुंज जणाववानुं के कॉन्फरन्स ए एकज साधन छे, जेनी द्वारा पजाबी, मारवाडी, मालवी, मेवाडी, गुजराती, कच्छी दक्षिणी माइओ वगेरे तेमज श्रीमन्तो अने विद्वानो यथेच्छ सामान्य सहकारिता कार्यमां एकठा मली विचार विनिमय करे छे जेथी भ्रातृभाव—स्वधर्मी भावनी लागणी वधे छे ए जेवो तेवो फायदो नथी। आ साधनद्वारा एकत्र थई उच्च विचारोनी आपले करी शकीए छीए। चतुर्विध संघना दर्शनथी आपणा मन प्रफुल्लित थई शके छे। भेगा मेसी, भेगा जमी, एक बीजाना रीति रिवाजो जाणी —ति निकटता सबन्धमा आवी शकीए छीए। ज्ञाति सुधारा, व्यवहारिक तेमज धार्मिक केळवणी अने संघ तेमज धर्म हितना कार्यो करी शकीए छीए।

लोकमत केळववानुं सौथी अगत्यनुं तेमज शीघ्र लाभप्रद साधन छे। भिन्न भिन्न शक्तिशालीओना एकत्र वळे कोई अपूर्व नवीनता जन्मावी शकीए छीए। आजसुधीना कॉन्फरन्सना जीवनथी ए तो तद्दन स्पष्ट छे के आपणा समाजमा व्यवहारिक अने धार्मिक उन्नति माटे खूब जागृति थयेली दृष्टिगोचर थाय छे। उत्तरे काश्मीरथी दक्षिणे कन्याकुमारी अने पूर्वमा कलकत्ता थी पश्चिमे कराची सुधीमा सर्वत्र आपणा स्वधर्मी वसे छे। तेमा केटलाक मोटा धनाढ्यो छे। आ बधा कोन्फरन्स द्वाराज एक बीजाना गाढा परिचयमा आव्या छे। एक बीजानी व्यवहारिक धार्मिक तेमज नैतिक छाप एक बीजा पर पडी छे। आ उपरात ऐक्य वळे कॉन्फरन्स द्वारा अरजीओ करता घणा राजा महाराजाओए दशेरा अने एवा बीजा तहेवारोमा थतो पशुवध सदंतर बन्ध करी करोडो मूक पशुओना आशीर्वाद मेळवी शकाया छे। घणा हानिकारक रिवाजो कॉन्फरन्सना सतत प्रयासे बन्ध थया छे अने रूढी पोषक खर्चोनो सदुपयोग करवानी प्रेरणा सर्वत्र जागृत करवामा आवी छे। आ उपरात चारे तीर्थमा सर्वत्र एकता वधारवा शुभ प्रवासो करवामा आव्या छे अने तेमा सर्वत्र सफळता स्पष्ट देखाय छे। अंतमा एटलुं जणाववुं बस थशे के स्थानकवासी संप्रदायमा दरेक वर्गमा प्राण रेडी, पोतपोताना कर्तव्योनुं भान करावी समाजने उन्नति पथ पर लइ जवानो कंई नानो सुनो लाभ नथी। अने तेमाटे जे पैसा अने शक्तिनो व्यय करवामा आव्यो छे ते सार्थक थयो छे।

दरेक शहेर अने गामना श्री संघो, तेमज समाजनी एकेएक व्यक्तिने विनंति छे के कॉन्फरन्सने मजबुत करवामा आपणुं श्रेय छे एम समजी भिन्न भिन्न दिशामां प्रयासो चालु राखशो तो आपणो समाज अन्य समाजो करता उच्च स्थिति प्राप्त करवाने शक्तिमान थशे। अहिं एकज प्रश्न छे के आ बधुं क्यारे शक्य बने? बधा—मोटा के नाना कोईपण कार्यमा कार्यकर्ता तेमज

पैसानी सौथी प्रथम आवश्यकता छे। आ अने आवश्यकताओनी पूर्ति अर्थे अनेक योजनाओ अत्यार सुधी विचाराई गई छे अने अमल्मां पण मूकवा प्रयत्न थयेला परंतु पूर्ण सफळता प्राप्त नथी मळी। कार्यकर्ताओनी आवश्यकता पूर्ति माटे बहुज विचार कर्या बाद छेवटे 'वीरसंघ' 'महावीर मीसम' वगेरे योजना घडी परंतु ते योजना कार्य रूपे न ज परिणमी। ए अने योजना उपर फरी विचारकरी तेने अमल्मां मूकी एक मोटी आवश्यकतानी पूर्ति करवा खास लक्ष आपवु जरुरी छे। बीजी आवश्यकता पैसानी छे। ते माटे पण पहेलेथ घणी योजना विचाराइ छे ते अहिं रजु करीए छीए। सौथी प्रथम अधिवेशन वखते फंडो थाय छे ते। ते योजना मात्र कार्य अनुसार समाज पासेथी अमुक प्रसंगे ज मळे छे। त्यारबाद कॉन्फरन्सना वंधारणना सभ्य के जेओ एकत्म वखते अमुक रकम आपी सभ्य बने छे। त्यारबाद वार्षिक रु १० आपी जनरल कमीटीना सभ्य बनवानुं छे। परंतु ते पण बहुज परिमित बनी गयुं छे कारण के वार्षिक रु १० ए सामान्य व्यक्तिओ माटे घणी मारे रकम गणाय एटले ए योजना पण व्यवहारु बनी न शकी। ए उपरांत एक सहायक मंडळ उभुं करवुं के जेओ पोत पोतानी इच्छानुसार दरवर्षे अमुक रकम कॉन्फरन्सने आपे ज। परंतु ए तो त्यारेज संभवी शके के ज्यारे कॉन्फरन्स अमताना हृदयमां घर करी छे। अने तेथी पता कार्यनी कदर समाज मुझी शके। त्यारबाद एके एक स्थानकवासीना घरदीठ रुपीआ फंड तेमज चार आना फंडनी योजना पण जो व्यवस्थित बनी शके तो बहुज लाभप्रद बनी शके। परंतु तेमां पण जनताने तेमज आखिल भारत वर्षमा सर्व गाम तथा शहेरोना श्री संघोनो साथ होवो जोईए। वार्षिक चार आना के रुपीओ ए कोईने पण मारी न ज पडे। परंतु ते दरेक गाममा व्यवस्थित संघो स्थपाई जाय, अने तेओ बीजी व्यवस्थानी साथे साथे आ पण फरजीयात दरवर्षे उघरावी कॉन्फरन्सने

मोकली आपे तोज थई शके अन्यथा पहेला एक बे वर्ष प्रयत्न करवा छतां निष्फलता मली अने ए योजना पडती मूकाई तेवुंज परिणाम आवे । चार आना के रुपिया फंडना अमुक नियम बनाववा जोइए अने जे एटलापण न आपी शके एम होय जेवाके अशक्त, अपंग, रोगी, विधवा वगेरेने बाद करी ए फंड उघराववानी व्यवस्था करवी अने ए अशक्त लोकोने पण उपयोगी थाय तेमज सर्व प्रांतोने तेनो लाभ मले तेवी योजना घडवी । ए फंडमाथी एवी योजना विचाराय के जेथी बीजा कोई लागा भले महाजन के संघने न दे पण आ रुपीया फंड के चार आना फंड तो जरूर दे । ज्या सुधी आवी जातनी उंडी छाप न पडे त्यासुधी आ फंड उघराववापा घणी मुश्केली पडे । आ फंड उघराववाथी सर्व श्री संघ पण व्यवस्थित बनी जशे अने साथे समाजनी मोटीमा मोटी आवश्यकता पूराशे । आ फंडमाथी प्रान्तिक गुरुकुलो बॉर्डिंग हुन्नरशालाओ, विधवाश्रमो, अनाथालयो वगेरेने जे जे प्रातमा होय ते ने प्रातमा ज नभाववानी व्यवस्था करवा उपरात दरवर्षे प्रान्टो आपवी तेमज बीजी एवी औद्योगिक संस्थाओ उभी करवी के जेमा जैनोज काम करे अने तेमा कार्यप्रमाणे पगार आपवा । आथी हुन्नर उद्योग अने जात महेनत वधशे । ए संस्थाओ पोताने निभाववा उपरात बीजी केटलीक संस्थाओने पण निभावशे मात्र ते बधी संस्थामा स्थापन (Establishment) माटे रोकाण (Investment) करवुं जोईए । आजना आ युगमा आवी संस्थाओ समाजने बहुज उपयोगी थई पडशे । उद्योगी जीवन साथे नवी नवी दिशाओ, नवा नवा हुन्नरो खीलशे । आजना शिक्षित समाज थी उद्योग—जातमहेनत प्रतिनो तिरस्कार तेमज बेदरकारी दूर थतान एक सुंदर युग स्थपाशे । आजनो शिक्षित वर्ग एटले मात्र नोकरी माटे फांफां मारतो अने स्वतंत्र धंधो तेमज उद्योगने अणस्पर्शतो वर्ग । ए

मुश्केली दूर थतांज समाजमां नवयुग आरंभाशे। आ बाबतमां पण योग्य विचार करी व्यवहारु योजनाओ घडी अमलमां मूकवा माटे भरसक प्रयत्न करवानी जरूर छे। अंतमां कॉन्फरन्सना उद्देशनी सिद्धि अने समाजमां पूर्ण जागृति थाओ एज अभ्यर्थना ॥

सात वर्षने अंते गाळे आ सत्रमो अहेवाल साथे रजु करीए छीए। मुंबईमां ऑफिस आव्या बाद जे जे कार्यो थया छे तेनी अति संक्षेपमां ज रूपरेखा दोरी छे। आम तुर्तनुं ऑफिसनुं काम एकज व्यक्तिने हाथे थयेल न होई घणी माहितीओ रही जवा पामी हशे, घणी त्रुटीओ रहेवा पामी हशे अने जेटलो जोइए तेटलो आ अहेवाल पूर्ण बनवा पण न पाम्यो होय तो ते माटे दरगुजर करशोजी। आ अहेवाल अजमेर अधिवेशन उपर ज तैयार करवानो होई उतावळे तैयार थवा पाम्यो छे अने वळी पण भाषा तेमज टाइप के शरत चूकथी बीजी पण भूल रहेवा पामी होय तो ते सर्व दरगुजर करशोजी।

अखिल भारतवर्षीय श्री. श्वे. स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्सनो अहेवाल.

[सं. १९८२ थी संवत १९८८ सुधीनो]

मोरवी निवासी स्व सेठ अंबावीदास डोसाणीनी प्रेरणा अने उत्साहथी आ कोन्फरन्सनो जन्म थवा बाद कोन्फरन्स तरफथी समाज सुधारणा अने धर्मप्रचारनु कार्य थतु रह्युं हतु । अने तेना अधिवेशनो पण भराया हता । सीकंद्राबाद अधिवेशन पछी कोन्फरन्सनी प्रवृत्तिओमा शिथिलता आवी हती । अने परिणामे बार वर्षना लांबा गाळा दरमीयान अधिवेशन भरी शकायु नहोतुं । त्यारबाद मलकापुरमा सेठ मोतीलालजी सा मुथाना सतत परिश्रम अने उत्साहने लइने कोन्फरन्समा नवजीवननो संचार थयो हतो । अने तेना ठराव मुजब सने १९२५, सवत १९८१ ना भादरवा सुद ४ ना दिवसे कोन्फरन्स ऑफीस सताराथी मुम्बई आवी हती । ऑफीस सताराथी मुम्बई आवी ते वखते कोन्फरन्स पासे नीचे प्रमाणे फंडनी स्थिति हती ।

७,५००) मोरारजी गोकुलदास मिल्सनी रसीद ।
१०,०००) मदरास युनाइटेड मिल्सनी रसीद ।
१२,६३८)≡||| मुम्बई म्युनिसिपल लोन ।
२,७४१) मलकापुर अधिवेशनमा थयेला फंडमा त्या भरायेली रोकड रकम.

३२,८७९≡|||

त्यारबाद रीपोर्टवाळा सात वर्षो दरमीयान ऑफीस मुम्बईमांज रहेवा पामी छे अने ते वर्षो दरमीयान ऑफीस तरफथी थयेली प्रवृत्तिओनी संक्षिप्त अहेवाल आ नीचे सहर्ष रजू करीए छीए।

जैन प्रकाश—लोकमत जागृत करवा अने संस्थाना उद्देशनो प्रचार करवामां 'समाचार पत्र' ए आजना युगनुं सर्वोत्तम साधन गणाय छे। कोन्फरन्स तरफथी प्रगट थतुं "जैन प्रकाश" पत्र समाजमां जागृति लावनार एक सरस साधन अने प्रवृत्ति थई पडी हती। "प्रकाश" मुम्बईमां आवतांज तेनी गुजराती तेमज हिन्दी एम बे आवृत्तिओ प्रकट करवानी शरुआत थई हती अने मगुनारूपे तेमज बीजा योग्य मार्गोए समस्त समाजना खुणे खुणे तेनो प्रचार करवानुं कार्य हाथ धरवामां आव्युं हतुं।

कोन्फरन्सना त्यारना उत्साही रे० ज० सेक्रेटरी, सेठ सूरजमल लल्लुभाईए 'प्रकाश' नुं तंत्री पद आनरीज स्वीकारीने 'प्रकाश' द्वारा बोधक अने मननीय विचारोनो फेलावो करवानुं कार्य हाथमां लीधुं हतुं। निन्दात्मक लखाणो अने साधु समाजना कळही प्रश्नोने दूर राखवानी नीति तेओश्रीए अखत्यार करी हती। केटलाक महीनाओ बाद कार्यनो सविशेष बोजो थई पडवाने कारणे तेओश्रीए 'प्रकाश' नुं तंत्री पद त्यारना ऑफीस मेनेजर, श्री हमीरचंद आणंदजी कामदारने सोंप्युं। हतुं 'प्रकाश' नी ते वखते १५०० जेटली नकलोनो फेलावो थतो हतो। अने कोई कोई उत्साही गृहस्थो तरफथी पोताने खर्चे 'प्रकाश' विना मूल्य समाजमां पहोंचाडवा माटे मदद पण मळती रहेती हती। मुम्बई अधिवेशनथी बिकानेर अधिवेशन दरमीयानना समयमां कोन्फरन्सनी प्रवृत्तिओनो प्रचार 'प्रकाश' द्वारा खूब सधायो हतो। बिकानेर अधिवेशन पहेलांज 'प्रकाश' नुं तंत्रीपद श्री. त्रि० वी०

हेमाणीने सोंपायु हतु । अने ते वखते विकानेर अधिवेशनना प्रमुख अने प्रसिद्ध तत्वज्ञ स्व. श्रीयुत वाडीलाल मोतीलाल शाह 'प्रकाश'ना मुख्य लेखक हता । तेमनी लेखिनीना केटलाक सुदर लखाणोए 'प्रकाश' नो काया पलटो कर्यो हतो । विकानेर अधिवेशन पछी कोन्फरन्स अंगे केटलीक अनीच्छवा योग्य घटनाओ जन्मवाथी 'प्रकाश' अनियमित प्रगट थवा पाम्युं हतुं । त्यारबाद ऑफीस वगेरेनी नवेसरथी गोठवण थवाथी 'प्रकाश' नु तत्रीपद कोन्फरन्सना ते वखतना ऑफीस मेनेजर श्री डाह्यालाल मेहताने सोंपवामा आव्युं हतुं अने प्रकाश' नी हिन्दी गुजराती आवृति साथे राखीने एकज आवृत्ति प्रगट थवी शरु थई हती । त्यारथी ते आज सुधी 'प्रकाश' नु नियमित प्रकाशन चालु छे । विकानेर अधिवेशन बाद कोन्फरन्सना कार्यमा केटलीक अगवडो जन्मवाने परिणामे त्यार पछीनी कोन्फरन्सनी प्रवृत्तिओमा 'प्रकाश' ज कोन्फरन्सनी मुख्य प्रवृत्तिरूप बनी गयु हतुं । विकानेर अधिवेशन पछीना ए पाच वर्षो दरमीयान 'प्रकाश' मारफत 'एक सवत्सरी' अने 'साधु सम्मेलन' नी सफल प्रवृत्तिओनु सचालन थवा पाम्यु हतुं अने 'प्रकाश' नो 'एक सवत्सरी' खास अक ए आखीए सफल योजनाना पायारूप बन्यो हतो ए नि सन्देह छे । आ वर्षो दरमीयान प्रथम स्वातंत्र्य युद्ध देशभरमा शुरु थयुं हतुं अने ते टाकणे राष्ट्रीय जुस्सो घडनार लेखो प्रकाशमा प्रगट थवाने साथे ते कार्यना कीर्तिस्तम्भ जेवो प्रकाशनो 'खास राष्ट्रीय अंक' प्रसिद्ध करवामा आव्यो हतो । जेमा कशापण फिरका भेद विना जैनना त्रणे फिरकाओनी आगेवान व्यक्तिओना लेखो तेमज स्वातंत्र्य युद्धमा भाग लेनार खास खास जन भाई व्हेनोना चित्रो तेमज परिचयो विगेरे आपवामा आव्या हता ।

आ खास अङ्क जैन तेमज जैनेतरोनी मुक्तकण्ठनी प्रशंसा पाम्यो हतो अने जैन पत्रोना आज सुधीना विशेष अंकोमा अजोड अंक

तरीके पूरवार थयो हतो । ते उपरांत 'पर्युषण' अङ्को अने ट्रेनींग कोलेज खास अंक पण प्रसिध्ध करवामां आव्या हता । भावनगरथी प्रसिध्ध थता मूर्तिपूजक जैन कोमना 'धार्मिन्द्र' जैन पत्रमां दक्षिणमां विचरता स्था साधुओनी एकान्त निन्दा करती एक गंदी हाम्मोआ प्रकाशन पामी हती, ते विषे तेनो 'सवाद जवाब' 'प्रकाश' द्वारा आपवामां आव्यो हतो ते उपरांत ग्राहको अने शुभेच्छकोना अत्यंत आग्रहने वश थई वच्चे त्रण मास हिन्दी गुजराती जुदी जुदी आवृतिओ काढवानो प्रयास कर्यो हतो । परंतु आ रीते करवाथी हिन्दी तेमज गुज राती भाषानो अरसपरस मळतो भाषानो अभ्यास मन्द थवाथी फरी सर्वेनी मांग अनुसार हिन्दी गुजराती साथेज प्रगट करवामां आवे छे । त्यारबाद आफिस मेनेजर अने तंत्रीपदनुं राजीनामुं आपी मर्हुमश्री वल्लभ-दास म मेहता व्यापारिक प्रवृत्तिमां जोडामां ऑफीस मेनेजर तरीके अने प्रकाशना तंत्री तरीके आपणी ट्रेनींग कोलेजना विद्यार्थी भाई श्री हर्षचन्द्र कपूरचन्द दोशीनी नीमणुकां थयेल छे । समाज उपयोगी राष्ट्रविषयक, अने धार्मिक चर्चाना अनेक प्रश्नो 'प्रकाश' द्वारा चर्चाता रहे छे । अधिवेशन न भरवाने कारणे तेमज ग्राहक संख्या वधारवानी प्रान्तिक प्रचारनी प्रवृत्तिने अभावे प्रकाशनी ग्राहक संख्या आ वर्षो दरमीयान सहेज घटवा पामी हती । अने तेनो प्रचार ९०० थी १००० नकलो सुधी रहेवा पाम्यो हतो ।

श्री सुखदेव सहाय जैन प्रेस अने इन्दोर कोप खातानो हिसाब

अर्धमागधी कोषनुं अधुरुं कामकाज आगळ चलाववा माटे प्रेसने अजमेरथी इन्दोर लई जवा श्रीयुत सरदारमलजी भंडारी ने वारंवार लखवामां आव्युं हतुं । अने तेओ १९२६ ना डीसम्बर मासमां प्रेसने अजमेरथी इन्दोर लई आव्या हता त्यारथी कोषनुं छपावानुं कामकाज

तेमण आगल चलाव्यु हतु । इन्दोरमा तेमना हस्तक अर्धमागधी कोषनो
बीजो भाग तथा त्रीजा भागना ६१ फोर्म छपाया हता
ता. ३-४-५ एप्रील ना दिनोमा मुम्बईमा मलेली जनरल
कमीटिमा तेमना हस्तकना थयेला कामकाजनो अहेवाल तेमणे
रजू कर्यो हतो जे ऊपरथी ठरावबामां आव्युं हतुं के प्रेसनो कबजो
श्रीयुत् सरदारमलजी पासेथी लई लेवो । अने कोषनी छपाई इन्दोरमा
मोंघी पडती होवाने कारणे कोषनु बाकी रहेलुं कामकाज लींबडी श्री
जशवन्तसिंहजी प्रेसने छापवा मोकलवुं । आ मुजब श्रीयुत सरदार-
मलजी भंडारीने कोषनुं मूल मेटर लींबडी मोकलवा वारंवार सूचना
आपवामा आवी हती । परन्तु तेओ ते लींबडी न मोकली शक्या
होवाथी बिकानेर अधिवेशन पहेलाज ऑफीस मेनेजर श्री जवेरचंदभाईने
इन्दोर मोकलवामा आवनार हता । परन्तु श्री सरदारमलजीए नादुरस्त
तबीयत दर्शावी हमणा न आववानुं लखवाथी श्री जवेरचद भाईने इन्दोर
मोकलवानुं बंध राखवुं पडयुं हतु । बिकानेर अधिवेशन पछी पण श्री
सरदारमलजीने ते मेटर ऑफिसने सोंपवा तथा प्रेसनो कबजो आपवा
अंगे पत्रव्यवहारथी जणाववामा आव्यु हतु । ते तेमज ऑफिस मेनेजर
इन्दोर क्यारे आवे तो तेओ चार्ज आपी शकशे ते पण पुछवामा आव्यु
हतु । आखरे तेमनी सम्मति मळता ऑफीस मेनेजर श्री डाह्यालालने
१९२८ सप्टेम्बर महीनामा इन्दोर मोकलवामा आव्या हता । परन्तु श्री
सरदारमलजी बहार गाम चाली गयेल होवाथी निष्फल फेरो पडयो
हतो । त्यारबाद श्री भंडारी साथे फरी पत्रव्यवहार करी श्री डाह्यालालने
इन्दोर मोकलवामा आव्या हता । अने ता० १५-१२-२८ ने दिने
प्रेस तथा कोषनो तेमणे कबजो मेळव्यो हतो । परन्तु हिसाबनी चोख-
वट ते वखते थवा पामी नहोती अने प्रेसनी केटलीक चीजो
पण ओछी मळवा पामी हती तथा प्रेसना वजनदार यन्त्रो श्रीयुत्

मंदारीमी पासे रास्त्वामां आव्या हता। आ परिस्थिति उपर विचार करीने ता० २९–३० मून १९२९ ना दिवसे मुम्बईमां मळेली जनरल कमेटीए ठराव कर्यो हतो के प्रेसने इन्दोरमांज वेंची नाखवुं अने ऑफीसे श्री सरदारमलजी पासेथी हिसाब मेळवी लई तपासवो अने जे तफावत रहे ते संबंधी श्री शेठ वर्धमानजी पीतलिया तपासी ये छेवटनो निकाल करे ते प्रमाणे नोंध लेवी। प्रेसने इन्दोरमां वेंचवानी गोठवण करवानी तजवीज शुरु थई। तेवामां लाला ज्वालाप्रसादजी साहेब तरफथी तार तथा पत्र मळ्या पाम्या हता, जेमां लाला ज्वाला प्रसादजीए जणाव्युं हतुं के "प्रेसने वेंचशो नही, मारा पिताजीए फरी तेना वेचाणनी आशा राखी नहोती। ऑफीस न तथा शेठ वर्धमाणजीने आ प्रकारनो तार तथा पत्र मळवाथी प्रेस वेचवानुं कार्य मुल्तवी राखवामां आव्युं हतुं अने ते बाबत फरी जनरल कमीटीमां रजू करवानुं जनरल सेक्रेटरीओनी सलाहथी नक्की करवामां आव्युं हतुं। आ बाबत फरी ता २०–२१ दीसम्बर १९३० मा दिनेए मळेली जनरल कमीटीमां रजू करवामां आवी हती अने ते उपरथी ठराव करवामां आव्यो हतो के प्रेसना मशीन टाइप वगेरे जुना होवाथी तथा तेने इन्दोरमां चलाववानुं के मुम्बईमां लाववानुं सगवडता भर्युं न होवाथी प्रेस वेंची नाखवुं अने जे रकम उपजे ते श्री सुखदेव सहाय जैन प्रीन्टींग प्रेसना नामथी कोन्फरन्स ना चोपडामां जमा करवी। कोन्फ अने प्रेस ना हिसाबोनी चोखवट करो श्री वासुलालजी जैन ने इन्दोरमां मे, अढी मास रोकवामां आव्या हता, परन्तु तेनो निकाल न आववाथी तेनी संपूर्ण चोखवट करवा तेमज प्रेस वेंची नाखवा ऑफीस मेनेजर श्री टाइपालने, शेठ वर्धमानजी पीतलियाने इन्दोरमां देखरेखमाम रहेवानुं थता ते तफनो काम लईने इन्दोर मोकलवामां आव्या हता। अने इन्दोर सवा मास रोकाईने,

सेठ वर्धमानजी पीतलिया नी सलाह, देखरेख अने समति हेठल श्री. डाह्यालाले प्रेस वेंचवानुं तथा कोपना हिसाबोनी श्रीयुत् भंडारी पासे चोखवट करवानु कार्य कर्यु हतुं । प्रेस माटे खानगी ओफरो मेलववानी पूरती कोशीष करवा छता सतोषकारक ओफरो न आववाथी रु. १७२५) मा जाहेर लीलाम थी प्रेसने इन्दोरमा वेंची नाखवामा आव्युं हतु । अने प्रेस तथा कोपना हिसाबनी चोखवट करी ते प्रमाणे कॉन्फरन्सनी चोपडाओमा जमा उधार करवानी सेठ वर्धमानजी साहेबनी परवानगी मेलवी हती । आ बाबत सेठ वर्धमानजी नो ऑफीस ऊपर पत्र पण आव्यो हतो । सेठ वर्धमानजी साहेबे अत्यत परिश्रम अने प्रेमथी आ कार्य सरस रीते सफेली आपी कोन्फरन्सनी सेवा बजावी छे ।

जनरल कमीटीना सभासदोनी संख्या.

ऑफीस मुम्बई आवी ते वखते त्रणे प्रकारना मळी जनरल कमीटी ना ७७ जेटला सभासदो हता । आ संख्या वधता वधता मुम्बईमा ४८१ सुधी पहोंची हती । बिकानेर अधिवेशन पछी अधिवेशन न थवाने कारणे मुम्बई अधिवेशनमा जेमणे कोई पण फंडमा १० थी वधु रुपीया भर्या हता तेमने एक वर्षना जनरल कमीटीना सभासद गणवामा आव्या हता तेओ फरी सभ्य तरीके चालु रह्या न हता अने तेने परिणामे जनरल कमीटीना सभासदोनी संख्या देखीती रीते घटीने १३३ सुधी अत्यारे आवी छे ।

प्रान्तिक प्रचार कार्य

मलकापुर अधिवेशन मा भारतवर्षने २५ प्रान्तोमा विभक्त करी प्रत्येक प्रातमा प्रान्तिक सेक्रेटरी नीमवानुं ठराववामा आव्युं हतुं । आ प्रस्ताव अनुसार ९ प्रान्तना प्रान्तिक सेक्रेटरीओनी नीमणूक तो मलकापुर अधिवेशनमाज करवामा आवी

हती । अने बाकीना प्रान्तिक सेक्रेटरीओ नीमी प्रचारकार्य आगळ धपावबानुं ऑफिसने शिरे सोंपवामां आव्युं हतुं । तदनुसार ऑफिस तरफथी ते ते प्रान्तना आगेवानो साथे पत्र व्यवहार करवामां आव्या हतो अने प्रान्तिक सेक्रेटरीओ तरीकेना सुयोग्य नामो मेळवी तेओने प्रान्तिक मन्त्रीओ नीमवामां आव्या हता । जे प्रान्तोना प्रान्तिक सेक्रेटरीओ नीमी नथी शकाया ते प्रान्तो नीचे मुजब छे ।

(१) मध्यभारत, (२) बंगाल (३) निजाम

(४) कच्छ (५) माळवा

आ प्रान्तोना आगेवानो अने कार्यकर्ताओ साथे पत्र व्यवहार करवामां आव्यो हतो, परन्तु जवाबदारी स्वीकारनार व्यक्तिओ न मळवाथी प्रान्तिक मन्त्रीओ ते प्रान्तोना नीमी शकाया न होता मलकापुर अधिवेशनथी अने बिकानेर अधिवेशन सुधीमां प्रान्तिक मन्त्री महाशयो तरफथी जे जे प्रवृत्तिओ करवामां आवी छे तेना अहेवाल "जैन प्रकाश" ना ते ते वखतना अंकोमां प्रसिद्ध थता रह्या छे । आ अहेवालो वांचवाथी खबर पडशे के नीचे जणावेल प्रान्तिक सेक्रेटरीओए सारुं संतोष जनक प्रचार कार्य कर्युं हतुं अने तेओमांना केटलाक महाशयोए तो मुंबई अधिवेशन ना ठराव मुजब पगारदार क्लार्क राखी कई तेनी मारफत प्रचार, संगठन, वस्तीगणना आदिनुं पण बराबर काम लीधुं हतुं । अने कॉन्फरन्समा ठरावो ने कार्यरूप मां परिणत करवा उपरांत जनरल कमीटीना सभ्यो तेमज प्रकाशना ग्राहको वधारवामां अने रूपीया फंड वसुल करवामां पण पोतानो साथ आप्यो हतो । प्रान्तिक सेक्रेटरीओमां थी नीचेना मुख्य कार्यकर्ताओए उल्लेखनीय प्रयास सेव्यो हता

(१) श्रीयुत मगनमलजी कोचेटा मदुरान्तकम् (मद्रास प्रान्त) एमणे पोताने खर्चे मद्रास प्रान्त अने मारवाडमां महीनाओ सुधी प्रवास

करीने सामाजिक, धार्मिक सुधारनी प्रवृत्तिओ आदरी हती अने मद्रासनी दूरदूरनी जनतामा कोन्फरन्स प्रति रस, प्रेम, और उत्साह रेड्या हता। आ सिवाय आजीवन तथा वार्षिक मेम्बरो बनावीने पण सक्रिय साथ आप्यो हतो। तेओश्रीना आ कार्यमा मद्रास प्रान्तना बीजा प्रान्तिक सेक्रेटरी श्रीयुत् मोहनमळजी साहब चोरडीया तेमज मद्रासना अन्य आगेवान बंधुओए पण पुष्कळ साथ आप्यो हतो।

(२) श्रीयुत् चंदुलाल छगनलाल शाह अमदावाद (दक्षिण गुजरात) एमणे श्रीमान् मंगलदास जेशींगभाईनी सम्मति तथा सहकारथी पोताना प्रान्तमा प्रशंसनीय प्रचारकार्य कर्युं हतुं तथा भाई जीवनलाल छगनलाल संघवी जेवा उत्साही भाईने आसिस्टन्ट प्रा. सेक्रेटरी तरीके नीमीने आ प्रान्तना तमाम स्थानोर्ना वस्तीगणातुं कार्य सम्पूर्ण कर्युं हतुं। ते सिवाय रुपीया फंड वसूल करीने तेमज वार्षिक सभासदो बनावीने कोन्फरन्स नी सारी सेवा बजावी हती।

(३) श्रीयुत् छोटालाल हेमुभाई मेहता पालनपुर (उत्तर गुजरात) एमणे श्री. केशरीमल मळुकचंद ने आसिस्टन्ट प्रान्तिक सेक्रेटरी राखी ने तेनी मारफत वस्तीगणना, रुपीया फंड वसूल वगेरे कार्यो कराव्या हता।

(४) श्रीयुत् पुरुषोत्तम जेवरचंद पारेख—जूनागढ (सोरठ) एओश्रीए जाते प्रवास करीने तेमज प्रसंगोपात हेन्डबिलो वगेरे द्वारा प्रचार कार्य करीने आ प्रान्तने कोन्फरेन्सना कार्यमा रस लेतो कर्यो हतो। वस्तीगणनानु कार्य पूर्ण कराव्युं हतुं अने रुपीया फंड वसूल तथा वार्षिक सभ्यो बनावीने घणी सेवा करी हती।

(५) श्रीयुत् जीवण धनजी सरैया भावनगर गोहिलवाडना आ समाज प्रेमी कार्यकर्ताए पत्रिकाओ तथा खुदना प्रवासथी प्रचार

कार्य कर्युं हतुं। अने रुपीया फंड वसूल करवानी साथे 'प्रकाश' नां ग्राहक बनाववामां पण सारी मदद करी हती।

(६) श्रीयुत् जाम्बजी मगनलाल वकील (वढवान केम्प) झालावाडना प्रान्तिक सेक्रेटरी तरीके तेओश्रीनी टुंक मुद्त पहेलांज नीमणूंक करवामां आवी हती, परन्तु थोडा वखतमां तेओश्रीए पुष्कळ प्रचार कार्य कर्युं हतुं अने वगशपूर्वकनी जागृति आणी हती।

(७) श्रीयुत् मोहनलाल हरकचंद शाह (आकोला) मूळ-निवासी काठीयावाडना परन्तु व्यापारार्थे आकोलामां जइ वसेल आ उत्साही बंधुए प्रसंगोपात्त वीरार प्रान्तमां प्रवास करीने जागृति आणी हती। कोई सुयोग्य आसिस्टन्ट नहीं मळवाने कारणे वस्तीगणनानुं कार्य करी शकायुं न होतुं।

(८) श्रीयुत् सेठ वाघवसिंहजी जैन, आग्रा यु पी प्रान्तना सुशिक्षित, धर्मप्रेमी अने राष्ट्रसेवक आगेवान प्रान्तिक सेक्रेटरी तरीके स्तुत्य अनुकरणीय परिश्रम उठाव्यो हतो। एक पगारदार आसिस्टेन्ट राखीने यु पी ना उत्तर विभागमां ६० जेटला गामोनी वस्तीगणना कराबी हती। अने रुपीया फंड वसूल करायुं हतुं। तेमज आसि-स्टन्टनी साथे प्रवास करीने प्रान्तिक कोन्फरन्स संगठित करवा माटे तथा आग्रामां एक बोर्डिंग हाउसनी स्थापना करवा माटे तेमणे पण परिश्रम उठाव्यो हतो।

( ) श्रीयुत आनन्दराजजी सुराणा (जोधपुर) मारवाड प्रान्तना आ प्रान्तिक सेक्रेटरी महाशय श्री विजयमलजी कुंभटना साथे [illegible] आ प्रान्तना गामोमां वस्तीगणना करावी हती। तदुपरान्त [illegible] ओफिसनी [illegible] थयेल पहेला कोन्फरन्स ओफीस तरफथी [illegible] [illegible] प्रचारकार्य करवामां तेओश्रीए

खूब सहायता आपी हती । अने रुपीया फंड मम्बर वगेरे सारी सख्यामा बनावी आप्या हता । अने ते प्रान्तमा खूब जागृति आणी हती ।

आ प्रान्तिक सेक्रेटरी महाशयो उपरात श्रीयुत् कुन्दनमलजी फीरोदिया (पूर्व दक्षिण महाराष्ट्र) श्रीयुत् मोतीलालजी साहब मुथा (प. द. महाराष्ट्र) श्रीयुत् राजमलजी ललवानी, श्री रतनचंदजी दोलतचंदजी (खानदेश) श्री. सिरेमलजी लालचंदजी मुथा (गुलेदगढ) कर्नाटक, श्री शान्तिलाल लखमीचद (बर्मा, रंगून), श्री. रतनलालजी मेहेता (मेवाड), श्री. मुन्नीलालजी सकलेचा तथा श्री. केशरीमलजी चोरडीया (राजपूताना दे. रा.), श्री दर्लाचद सोभाचद शाह [सिंध] वगेरे महाशयोए पण प्रान्तिक सेक्रेटरीओ तरीके प्रचार कार्यमा खूब सहायता आपी हती । सुयोग्य आसिस्टेन्ट न मळवाने कारणे वस्ती-गणना अदिनु कार्य कराववु बाकी रहेवा पाम्युं हतु । पजाब, सी. पी राजपूताना (श्री. रा.) वगेरे प्रान्तोनी कंइ पण उल्लेख-नीय प्रवृत्तिओना खबर मळी शक्या नथी ।

श्रीयुत् जगजीवन दयाल एमणे मुंबई प्रान्तना सेक्रेटरी तरीके श्री. चंदुलाल बृजलाल नामना एक युवकने पगारदार आसिस्टेन्ट तरीके राखी, मुम्बई तथा आजुबाजुना गामोमा वस्ती-गणना तेमज रूपीया फंड वसूलनुं कार्य कराव्युं हतु । मुम्बईना स्वधर्मी स्वयसेवक बधुओए श्री. अंबालाल तलकचंद शाह अने श्री गिरधरलाल दामोदरदास दफतरीए आ कार्यमा सुंदर सहकार आप्यो हतो ।

बिकानेर अधिवेशन पछी प्रान्तिक प्रचारना कार्यमा शिथिलता आवी हती । अने त्यारपछीना वर्षोमा ते प्रवृत्ति नामशेष रही-

जमा पामी हती। आ दिशामां पुन प्रवृत्ति शुरु करवामां आवे अने प्रान्तिक सेक्रेटरी महाशयो ते कार्य उपाडी ले ए खूबज जरूरनुं छे।

नियमावलि

कोन्फरेन्सना धाराधोरणमां सुधारा वधारा करवा माटे एक कमीटी बिकानेर अधिवेशनमां नीमवामां आवी हती एवी सत्ता साथे के ते कमीटीए पसंद करेला सुधारा वधारा जनरल कमीटीना सभ्योने मोकली तेमनी सलाह पूछवा बाद कमीटीने योग्य लागे तेवो निर्णय पोते करी ले अने ते मुजब नवेसरथी धाराधोरण छपावी बहार पाडे। ओफीस तरफथी कमीटीना सभ्योने कोन्फरेन्सनी अमदावाद तथा मुम्बईनी नियमावलिओ मोकलवामां आवी हती। परन्तु कमीटी मळी न शकवाने कारणे धाराधोरण नक्की थई शक्या न होता। आ परिस्थिति ता २९ ३० मे १९२९ ना दिवसोए मुम्बईमां मळेली जनरल कमीटी समक्ष रजू करवामां आवी हती। ते मुजब ठरावमां आव्युं हतुं के मुम्बई अने अमदावादनी बन्ने नियमावलीओ शेठ वर्धमानजी पीतलियाने मोकली अने तेओ तरफथी जे सुधारा वधारा वाळो खरडो सूचवाय ते शेठ कुन्दनमलजी फिरोदियाने मोकली आपवो। तदनुसार सेठ वर्धमानजी सहित सूचवेलो खरडो सेठ कुन्दनमलजी फिरोदिया B A LL B ने मोकली आपवामां आव्यो हतो। अने तेओ बन्नेनी सूचनाओ साथनो खरडो नियमावली कमीटीना सभ्योने मोकलवामां आव्यो हतो। कमीटीना सभ्यो तरफथी जे सुधारा वधारा सूचववामां आव्या हता ते उपरथी आखरी निर्णय करी छेवटे ओफीसे नियमावलीनो खरडो जनरल कमीटीना सभ्योने पाछो मोकली आप्यो हतो जनरल

कमीटीना सभ्योनी सम्मति मळवाथी त्यारबाद ओफीसे आ खरडो कोन्फरेन्सनी नियमावली तरीके प्रसिद्ध करी दीधो हतो।

अर्धमागधी.

इंदोरथी कोपना मेटरनो चार्ज मल्या पछी, कोपनुं मेटर लींबडी प्रेसने मोकलवामा आव्युं हतुं अने कोपना त्रीजा भागना बाकी रहेला फर्मीओ त्या छपावी ता. १५-८-३० ना दिने त्रीजो भाग प्रसिद्ध करवामा आव्यो हतो। त्यार बाद चोथो भाग पण प्रेसमा छापवा आपी देवामा आव्यो हतो। चारे भागनु शुद्धि पत्रक आ चोथा भाग साथे सामेल करवानुं होईने ते तैयार करी छपाववामाज सहेज मोडुं थयुं हतुं। जनरल कमीटीना ठराव अनुसार कोपना त्रणे भागनी नकलो हिन्दुस्ताननी १९ युनीवर्सीटीओने भेट तरीके मोकलवामा आवेल छे। अने स्वीकारना तेमज प्रशंसाना तेओ तरफथी प्रत्युत्तरो पण मलवा पाम्या छे।

भाग चोथो ता. १-६-३२ ने रोज प्रसिद्ध करवामा आव्यो हतो। रही गयेला प्राकृत शब्दो तेमज दैशिक प्राकृत १०००० शब्दोनो पण संग्रह करवामा आव्यो छे अने तेने अर्धमागधी कोपना पाचमा भाग तरीके प्रसिद्ध करी पडतर किंमते वेचवामा आवशे। श्री अर्धमागधी कोपनु कार्य आरीते पंदर वर्षे पूर्ण थयुं छे अने कोपनी पूर्ति रूपे भाग ५ मो तैयार थये साहित्यमा एक अजोड कृति बनी चिरस्मरणीय बनी रहेशे।

श्री जैन शिक्षण सुधारणा परिषद्.

मलकापुर अधिवेशनमा जैन पाठशाळाओनी परिक्षा लेवामाटे तेमज सामान्य देखरेख राखवा सारुं एक इन्सपेक्टर राखी लेवानी

कोन्फरेंस ओफीसने सत्ता आपवामां आवी हती। तदनुसार ओफीस तरफथी इन्स्पेक्टर मेळववा माटे 'प्रकाश' तेमज अन्य जाहेरपत्रोमां जाहेर खबर छपाववामां आवी हती। परन्तु धर्मानुरागी योग्य इन्स्पेक्टर न मळवाथी ओफीस मेनेजर श्री जोरावरमल जी कामदारने थोडा समय माटे सौथी प्रथम गुजरात काठीयावाड ना प्रवासे मोकलवामां आव्या हता। तेमणे काठियावाडमां प्रवास करीने जैन पाठशाळाओनी परीक्षा लेवानी साथे साथे तेमना संगठन, एकज सामान्य पाठयक्रम, तेमज उत्तम प्रकारनां पाठ्य पुस्तको तैयार करवानी योजना, अध्यापक परीक्षा द्वारा शिक्षक तैयार करवा, वगेरे उद्देशथी राजकोटमां "जैन शिक्षण सुधारणा परिषद" भरवानुं आंदोलन शुरु कर्युं। अने राजकोटना श्री संघे खूबज उत्साह अने उदारताथी पोताने त्यां परिषद भरवानुं स्वीकार्युं। परिणामे संवत १९९२ नां चैत्र सुद १३,१४,१५ मा दिवसो ए वढवाण निवासी श्रीमान् फूलचंदभाई नागरदास शाह, एम ए ना प्रमुखपणा हेठळ राजकोटमां परिषदनुं प्रथम अधिवेशन भरायुं जेमां गुजरात, कच्छ, काठीयावाडनी लगभग तमाम पाठ शाळाओना प्रतिनिधिओ, नेताओ, तेमज शिक्षकोनी मोटी उपस्थिति थई। आ प्रसंगे कोन्फरन्सना रे० ज० सेक्रेटरी शेठ सुरजमल लल्लुभाई पण राजकोटमां पधार्या हता। आ परिषदे घणा उपयोगी ठरावो पसार कर्यां। जैन सीरीज प्रतियोगितानी जैन शिक्षण परीक्षा, अध्यापक परीक्षा वगेरेने माटे सरस प्रबन्ध कर्यो अने सर्व पाठशाळाओ माटे एक खास सामान्य पाठयक्रम बनाव्यो। अने आ कार्य चालु रहे ते निमित्ते जैन ज्ञान प्रचारक मंडल" कायम कर्युं। तेमज जुदा जुदा विभागोमाटे योग्य सज्जनोनी नियुक्तिओ करी। मण्डळना मन्त्री तरीके त देशना अनुभवी अने कार्यकुशळ श्रीयुत् पुनमचंद नागजी

बोराने नीमवामा आव्या । आ मण्डेलनी एक बेठक बीकानेरमा मली हती । कोन्फरेन्सनी जनरल कमीटीए आ कार्यनी उत्तमता जोइने प्रथम रु. ७५०) अने बीजी वार रु. १२००) मलीने कुल रु. १९५०] नी आ मण्डलने मदद करी हती । आ मण्डल तरफथी अध्यापक परीक्षा लेवाने माटे नियम वगेरेपण प्रगट थया हता । तेमज अन्य धार्मिक शिक्षण विषे प्रबंध थई रह्यो छे । आ परिषदे गुजरात, काठीयावाडना धार्मिक शिक्षण प्रचारना क्षेत्रमा खूबज उपयोगी कार्य बनाव्यु हतुं ।

हितेच्छु मण्डल अने हिन्दी धार्मिक शिक्षण विभाग.

आवीज रीते हिन्दी धार्मिक शिक्षण शालाओनुं एक बद्ध तेमज सर्वमान्य सामान्य कोर्स बधी शालाओमा कायम करवानी जरूरत कोन्फ-रेन्सने लाग्या करती हती । अने ते माटे जनरल कमीटीए तेवुं कार्य उपाडी लेनाराओने रु. ७५०] नी मदद करवा मंजूरी पण आपी हती परंतु ते दिशामा केटलोक वखत कशो खास प्रयत्न करी शकायो नहीं । आखिर पूज्यश्री हुक्मीचन्द्रजी महाराजनी सम्प्रदायना हितेच्छु मण्डल तरफथी धार्मिक संस्थाओ माटे एक कोर्स नक्की करवामा आव्यो अने परीक्षाओ आदि सुयोग्य प्रकारे लेवानो प्रबंध करवामा आव्यो आम आ दिशानी उणप हितेच्छु मण्डल दूर करी अने अत्यन्त स्तुत्य एवी प्रवृत्ति उपाडी लीधी । जेमना सरस कार्यथी खूबज संतोष अने उत्तमता अनुभवीने कोन्फरेन्सनी जनरल कमीटीए प्रथम १००) अने बीजीवार २५०) नी हितेच्छु मण्डलने मदद करी छे ।

मुम्बई बोर्डिंगनी सीलक तथा हिसाब

मुम्बईमां कोन्फरेन्स तरफथी जे बोर्डिंग चालती हती तेना हिसाब सीलक, फर्नीचर वगेरे ते संस्थाना प्रमुख अने मन्त्रीओ साथे पत्रव्यवहार करी ओफिसे संभाळी लेवो, एवो प्रस्ताव मुम्बईमां स १९८२ नी सालमां मळेली जनरल कमीटीमां पसार थयो हतो। आ ठराव अनुसार ओफीस तरफथी पत्रव्यवहार करवामां आव्यो हतो। तेज प्रमाणे अमदावाद कमीटीना ठराव अनुसार बोर्डींग बील्डींग फंडना रुपीया के जे ते समयना सेक्रेटरी सेठ हीराचंद बनेचंद देशाईने त्यां जमा हता ते विषे तेओश्री साथ पण पत्र व्यवहार करवामां आव्या हता, परन्तु तेओ तरफथी एवी मतलबना जवाब मळ्या हता के —

"अमारी पासे ते वखतना कागळ पत्रो नथी, परन्तु ओफिसमां जो कंई साधन होय तो बतावशो, तेथी ते ऊपर विचार करवामां आवे"

आ संबंधमां ए वस्तु तो स्पष्ट हती के आ रकमोनी वसूलात परभारी थयल होवाने कारणे ओफिसना रेकोर्डमां तेनो उल्लेख होवो संभवित नहीं। अने बोर्डिंगनु रेकोर्ड ओफिसना हस्तक हतुंज नहीं के ओफिस ते अंगे कशुं पण साधन बतावी शके।

पंजाब प्रान्तिक कोन्फरन्स अधिवेशन

श्री स्थानकवासी जैन पंजाब प्रान्तिक कोन्फरन्सनु अधिवेशन बाबु परमानन्द जैन, B A LL B ना प्रमुखपणा हठळ १० ना डिसेम्बर मासमां अम्बालामां भरावा पाम्यु हतुं। ते प्रसंगे आमंत्रण मळता श्री हंसराजजी कोन्फरन्सने हाजरी आपवा ओफीस तरफथी मोकलवामां आव्या हता अने कोन्फरन्स तरफनो सन्देश मुनि मयक मेलमा नमनी द्वारा पाठवामां आव्यो हतो।

वीर संघ.

मुम्बई अधिवेशनमा स्वार्थत्यागी सज्जनोथी बनेला एक वीरसंघनी स्थापना करवानो ठराव करवामा आव्यो हतो । अने वीर संघनी योजना तेमज तेना सभ्योनी योग्यता वगेरे सबंधमा निर्णय करी एक खरडो तैयार करवा सात गृहस्थोनी कमीटी पण नीमवामा आवी हती । कमीटीना सभ्योए विचार विनिमय करी एक योजना तैयार करी हती अने ' ' द्वारा जाहेरात आपवामा आवी हती अने वीर संघना सभ्यो मेळववा प्रयत्न पण थयो हतो । परन्तु तेवा उमेदवारो न मळवाथी कार्यरूपमा आ योजना त्यारे सफल थई शकी नही । त्यारबाद दिल्लीमा मळेली कोन्फरन्सनी छेल्ली कमीटीमा पण्डित श्रीकृष्णचन्द्रजीए त्यागी वर्गनी एक योजना रजू करी हती, जे 'प्रकाश'मा प्रगट करवामा आवी छे अने ते ऊपर चर्चा करवा तेमज पोताना अभिप्राय प्रदर्शित करवा जाहेर विनान्ति पण करवामा आवी छे । समाजना तेमज धर्मना उद्धार अने प्रचार माटे आवा एक संघ के वर्गनी अनिवार्य आवश्यकता छे अने लायक उमेदवार जोडाईने आवी योजनाने अमलमा मुके ए खूब जरूरनुं छे ।

जैन ट्रेनिंग कोलेज.

मलकापुर अधिवेशनना ठराव मुजब ट्रेनिंग कोलेज बिकानेरमा शुरु करवामा आवी हती अने तेनो संपूर्ण अहेवाल आ साथे परिशिष्ट मा सामेल करवामा आव्यो छे, ते ऊपरथी आ संस्थानो जन्म, तेनी अने वर्तमान संजोगानुसार सुप्रवृत्तिनो परिचय थवा पामशे ।

पूना बोर्डिंग.

आ बोर्डिंग हाउस मुंबई अधिवेशनना ठराव मुजब शुरु करवामा आव्यु हतु अने तेनो लाभ लेवाई रह्यो छे । बोर्डिंगनो ता० १९३२ ना

एप्रील महीना सुधीनो अहेवाल आ साथे परिशिष्टमां सामेल करवामां आव्यो छे ।

स्वधर्मी सहायक फंड

मुंबई अधिवेशनमां आ नामनुं एक नवुं फंड शुरु करवामां आव्युं अने तेमां रु १५८०। जमा थया हता। आ फंडमांथी धंधेरोजगार करवा माटे स्थानकवासी जैन भाइओने लोन आपवानी सगवड करवामां आवी हती। ते मुजब वखतो वखत स्वधर्मी बंधुओने मदद करवामां आवी छे। आ फंडमांथी लोन लेवा इच्छनारनी अरजीओ मंजुर करवा माटे पांच गृहस्थोनी एक कमीटी नीमवामां आवी हती, जेमनी भलामणथी अर्जी करनार व्यक्तिओने लोन आपवामां आवी छे। कमीटीमां सभ्यो तरीके नीचेना गृहस्थोए कार्य बजाव्युं छे।

(१) शेठ जगजीवन उजमशी तलसाणीया
(२) शेठ अमृतलाल रायचंद झवेरी
(३) शेठ चीमनलाल पोपटलाल शाह
(४) शेठ रतीलाल मोतीचंद महेता
(५) शेठ जेठालाल रामजी महेता

श्राविकाश्रम

मुंबईमां एक श्राविकाश्रम स्थापन निमित्ते ठराव मुंबई अधिवेशनमां करवामां आव्यो हतो। अने ते अंगेनी देखरेख तेमज व्यवस्थानुं कार्य श्रीमती केशर बहेन अमृतलाल झवेरीने सोंपवामां आव्युं हतुं। परन्तु त्यां सुधी आश्रममां रहेनार श्राविका बहेनो पूरती संख्यामां न मळे त्यां-सुधी श्रीमती रतन बहेन रुस्तमपुरवेन आदि श्राविकाश्रम (तारदेव, मुंबई) मां स्वधर्मी बहेनो माटे खावा, पीवा, रहेवा तेमज अभ्यास वगेरेनी अनुकूल व्यवस्था करी आपवामां आवी छे। आ गोठवणथी स्वधर्मी बहेनो

सारी संख्यामा लाभ ले ते माटे वर्तमान पत्रोमा जाहेर खबर आपीने तेमज हेण्डबिलो छपावीने जूदा जूदा गामोमा वहेंचावी सारो प्रयास करवामा आव्यो हतो। तेम छता आवी सस्थाओनो लाभ लेवानो अभ्यास न होवाने कारणे वहेनो सस्थामा जोडाता संकोच पामे छे। परिणामे ऊपरनी गोठवणनो थोडी बहेनोथी लाभ लेवायो छे।

प्रचारकोनो प्रवास·

मुम्बई अधिवेशनमा एवो ठराव करवामा आव्यो हतो के कोन्फरन्सनु प्रचार कार्य करवा प्रान्तप्रान्तमा वैतानिक उपदेशको राखवामा आवे। आ ठराव अनुसार थोडा प्रान्तना मन्त्रिओए पगारदार प्रचारको राखी तेमनी द्वारा कोन्फरन्स विषे प्रचार कार्य कराव्यु। बाकीना घणा प्रान्तो माटे योग्य उपदेशको न मलवाथी ते ते प्रान्तोना मन्त्रीओए कोन्फरन्स पासे उपदेशको मोकलवानी मागणी करी। आ ऊपरथी कोन्फरन्स ओफीसे विचार करीने ओफीस स्टाफमा नवा नवा वधु माणसोनी भरती करी, एवा आशयथी के तेमने योग्य माहिति तेमज अनुभव आपी तैयार करवा अने प्रान्तिक प्रचार माटे जूदा जूदा प्रान्तिक मन्त्रिओना हाथ नीचे प्रचार कार्य कराव्यु। सौथी प्रथम, ओफीस मेनेजर श्री. झवेरचंद भाईने मद्रास, मारवाड, वगेरे प्रान्तोमा भ्रमण करवा मोकल्या हता। त्यारबाद बाबू सुरेन्द्रनाथजी जैनने मारवाड प्रान्तमा, श्री वेलजी देवराज शाहने कच्छमा अने श्री रतीलाल जगन्नाथ सघाणीने काठीयावाडमा प्रवासे मोकल्या हता। अने तेओ द्वारा प्रचार कार्य बीकानेर अधिवेशन पहेला करावबामा आव्यु हतुं।

सादडीनो प्रश्न

सादडीमां वसता आपणा स्वधर्मी बन्धुओ प्रत्ये त्यांना श्री मूर्तिपूजक भाईओ तरफथी जे अन्यायी वर्तन चलाववामां आवे छे, ते माटे मुम्बाई अधिवेशनमां एक ठराव करवामां आव्यो हतो। आ ठराव श्री मूर्तिपूजक कोन्फरन्स उपर मोकली आपवामां आव्यो हतो अने तेनी साथे वस्तुस्थितिनुं वर्णन करता एक लांबो पत्र पण मोकलवामां आव्यो हतो जेना जवाबमां सहयोगी कोन्फरन्से जणाव्युं हतुं के "आ प्रस्ताव अमारी स्टेन्डिंग कमीटीनी बेठकमां रजू करीशुं, अने पछी आपने ते विषे जणावीशुं" केटला महीनाओ सुधी तेओ तरफथी आ बाबतना कशा जवाब न मळवाथी फरी पत्र लखी याद अपावी हती जेनी पहोंच मळी हती अने प्रत्युत्तर माटे राह देखवानुं सूचन थयुं हतुं। त्यारबाद पण ते विषे तओ तरफथी कशी प्रवृत्ति थयानुं जणाववामां आव्युं नथी तेमज प्रत्युत्तर पण मळवा पाम्यो नहि। त्यारपछी सहयोगी कोन्फरन्सना जुन्नेर अधिवेशन वखते ओनररी मनेजर श्री डाह्या-भाईने जुन्नेर मोकलवामां आव्या हता अने अधिवेशनना प्रमुख शेठ रवजी सोजपालने सादडी प्रश्ननी विगतो आपी। आ विषे चर्चा करवा आग्रह करवामां आव्यो हतो। परन्तु तेनुं परिणाम पण शून्यमांज आव्युं हतुं।

सादडी प्रश्न अंगे बीजुं रचनात्मक कार्य ए हतुं के मारवाड, मेवाड, तथा माळवामां स्थानकवासी भाईओने, सादडीना स्वधर्म रक्षा अर्थे मुशकेलीमां मुकायेला भाइयो साथे छूटथी कन्या व्यव हार करवानी उत्तेजना आपवी। आ कार्यनी अमल थाय ते हेतुथी श्री हरेरचन्द कामदारने मारवाड मोकलवामां आव्या हता आ प्रसंगे

पण्डित मुनिश्री चोथमलजी महाराज त्या बिराजमान हता । अने तेओ श्री पासे बे दीक्षाओ लेवानी हती । आ कारणने लईने मेवाड, मारवाडना सेंकडो बन्धुओनी त्या उपस्थिति थवा पामी हती । आ बधा बन्धुओनी हाजरीमा सादडी प्रश्न रजू करवामा आव्यो। अने प्रसिद्धवक्ता मुनिश्री चोथमलजी महाराज साहेबे सुन्दर रीते तेनु समर्थन करी ते तरफ सौनुं ध्यान खेंचवानो सफळ प्रयत्न कर्यो । परिणामे त्याने त्याज सौना हाथ उंचा करावी ए मतलबनो ठराव पसार करवामा आव्यो के सादडीना स्वधर्मी बन्धुओ साथे कन्या व्यवहार करवा निमित्त कोन्फरन्से जे भलामण करी छे ते तेओ सर्वने प्रसन्नता पूर्वक मंजूर छे। त्यारपछी ब्यावर, अजमेर वगेरे स्थलोए जई त्याना बन्धुओने सादडीना प्रश्न विषे रस लेता करवा, श्री झवेरचंद जादवजीए प्रवास कर्यो अने सौए साद-डीना स्वधर्मी बन्धुओप्रत्ये सहानुभूति प्रगट करी हती

पक्खी संवत्सरीनी एकता.

मुबई अधिवेशन पहेला मळेली जनरल कमीटीमा पक्खी सवत्सरी एकज दिने समस्त समाजमा पळाय तेवो प्रयत्न करवा कोन्फरन्स ओफी-सने सूचना करवामा आवी हती । अने श्रीमान् शेठ चन्दनमलजी मुथा (सतारा) ना मन्त्रीत्व नीचे जूदा जूदा प्रान्तोना नीचे अनुभवी दश आगेवानोनी एक कमीटी नीमवामा आवी हती । ओफीस तरफथी "जैन प्रकाश" द्वारा सवत्सरी पक्खीनी एकता माटेना लेखो प्रसिद्ध करी सतत आन्दोलन करवामा आव्युं हतुं । जुदा जुदा सप्रदायोनी टीपो मंगावी, मतभेद दूर करवाना आशयथी ते अंगे अग्रेसर व्यक्तिओ साथे पत्रव्य-वहार पण करवामा आव्यो हतो । एटलुज नहीं, परन्तु जूदा जूदा सप्र-दायोना आचार्यो तेमज आगेवान महाराजोनी सेवामा भाई झवेरचंद जाद-

सादडीनो प्रश्न

सादडीमां वसता आपणा स्वधर्मी बन्धुओ प्रत्ये त्यांना श्री मूर्तिपूजक भाईओ तरफथी जे अन्यायी वर्तन चलाववामां आवे छे, ते माटे मुम्बई अधिवेशनमां एक ठराव करवामां आव्यो हतो। आ ठराव श्री मूर्तिपूजक कोन्फरन्स उपर मोकली आपवामां आव्यो हतो अने तेनी साथे वस्तुस्थितिनुं वर्णन करता एक लांबो पत्र पण मोकलवामां आव्यो हतो जेना जवाबमां सहयोगी कोन्फरन्से जणाव्युं हतुं के "आ प्रस्ताव अमारी स्टेन्डिंग कमीटीनी बेठकमां रजू करीशुं, अने पछी आपने ते विषे जणावीशुं" केटला महिनाओ सुधी तेओ तरफथी आ बाबतना कशो जवाब न मळवाथी फरी पत्र लखी याद अपावी हती जेनी पहोंच मळी हती अने प्रत्युत्तर माटे राह देखवानुं सूचन थयुं हतुं। त्यारबाद पण ते विषे तेओ तरफथी कशी प्रवृत्ति थयानुं जणाववामां आव्युं नथी तेमज प्रत्युत्तर पण मळवा पाम्यो नहि। त्यारपछी सहयोगी कोन्फरन्सना जुन्नेर अधिवेशन वखते ओफीस मेनेजर श्री बाबालालने जुन्नेर मोकलवामां आव्या हता अने अधिवेशनना प्रमुख शेठ रवजी सोजपालने मारवाडी प्रश्ननी विगतो आपी। आ विषे घटतुं करवा आग्रह करवामां आव्यो हतो। परन्तु तेनुं परिणाम पण शून्यमांज आव्युं हतुं।

मारवाडी प्रश्न अंगे बीजुं रचनात्मक कार्य ए हतुं के मारवाड, मेवाड तथा मालवाना स्थानकवासी भाईओने, सादडीना स्वधर्म रक्षा अंगे मुशीबतोमां मुकायेला भाईओ साथे छुटथी कन्या व्यवहार करवानी उत्तेजना आपवी। आ कार्यमां अमल थाय ते हेतुथी श्री हरकचंद मारवाडी मोकलवामां आव्या हता आ प्रसंगे

पण्डित मुनिश्री चोथमलजी महाराज त्या बिराजमान हता । अने तेओ श्री पासे बे दीक्षाओ लेवानी हती । आ कारणने लईने मेवाड, मारवाडना सेकडो बन्धुओनी त्या उपस्थिति थवा पामी हती । आ बधा बन्धुओनी हाजरीमा सादडी प्रश्न रजू करवामा आव्यो। अने प्रसिद्धवक्ता मुनिश्री चोथमलजी महाराज साहेबे सुन्दर रीते तेनु समर्थन करी ते तरफ सौनुं ध्यान खेंचवानो सफळ प्रयत्न कर्यो । परिणामे त्याने त्याज सौना हाथ उचा करावी ए मतलबनो ठराव पसार करवामा आव्यो के सादडीना स्वधर्मी बन्धुओ साथे कन्या व्यवहार करवा निमित्त कोन्फरन्से जे भलामण करी छे ते नेओ सर्वने प्रसन्नता पूर्वक मंजूर छे । त्यारपछी ब्यावर, अजमेर वगेरे स्थलोए जई त्याना बन्धुओने सादडीना प्रश्न विषे रस लेता करवा, श्री झवेरचंद जादवजीए प्रवास कर्यो अने सौए साद-डीना स्वधर्मी बन्धुओप्रत्ये सहानुभूति प्रगट करी हती.

पक्खी संवत्सरीनी एकता.

मुंबई अधिवेशन पहेला मळेली जनरल कमीटीमा पक्खी सवत्सरी एकज दिने समस्त समाजमा पळाय तेवो प्रयत्न करवा कोन्फरन्स ओफी-सने सूचना करवामा आवी हती । अने श्रीमान् शेठ चन्दनमलजी मुथा (सतारा) ना मन्त्रीत्व नीचे जूदा जूदा प्रान्तोना नीचे अनुभवी दश आगेवानोनी एक कमीटी नीमवामा आवी हती । ओफीस तरफथी " जैन प्रकाश " द्वारा सवत्सरी पक्खीनी एकता माटेना लेखो प्रसिद्ध करी सतत आन्दोलन करवामा आव्युं हतु । जुदा जुदा सम्प्रदायोनी टीपो मंगावी, मतभेद दूर करवाना आशयथी ते अंगे अग्रेसर व्यक्तिओ साथे पत्रव्य-वहार पण करवामा आव्यो हतो । एटलुज नही, परन्तु जूदा जूदा संप्र-दायेना आचार्यो तेमज आगेवान महाराजोनी सेवामां भाई झवेरचंद जाद-

कर्मीने मेळवीने, एकता करवाना कोशिश करवामां आवी हती। लगभग घणा खरा मुनिराजोए तो उदारता बतावी हती। परंतु ज्यां सुधी पंचांग बनाववानी कोई योग्य पद्धतिनो निर्णय करवामां न आवे अने अनेक मतना प्रचलित लौकिक पंचांगमांथी कोने आधारमूल मानवुं ए विषे चोक्कस निश्चय करवामां न आवे त्यां सुधी सदाने माटे आ प्रश्नो उकेल लावी शकाय नहीं। आ कारणने कॉन्फरन्स ओफीस तरफथी मात्र १९८२-८३ वर्षनी सालनुं जैन पंचांग एक सरखुं बनाववानो यत्न करवामां आव्यो अने लोंकागच्छना स्व. पूज्य श्री सूरजचंदजी महाराज द्वारा तैयार थयेल टीपनी एक एक नकल संवत्सरी कमीटीना सभ्योने मोकलावी तेमनी सलाह मागवामां आवी हती। अने "जैन प्रकाश"मां ते प्रसिद्ध करी ते ऊपर चर्चापत्रो मागवामां आव्यां हतां। आ 'जैन प्रकाश' मां घणा चर्चापत्रो तथा लेखो प्रसिद्ध थया छे। परिणाम ए आव्युं के एक अपवाद बाद करतां समस्त गुजरात, कच्छ अने काठीयावाडमां एक सरखी टीप बनावी शकाई। पंजाब अने मारवाडमां तो जूदी जूदी तरेहनी सात टीपो प्रचलित हती। ए सर्वने एक सरखी बनाववानी कोशीश करी परन्तु तेमां सफळता मळी नहीं अने 'प्रकाश'मां जूदी जूदी सात टीपो प्रगट करवानी फरज पडी आ पछी मुंबई अधिवेशनमां आ विषे चर्चा करवामां आवी अने समस्त स्वधर्मी समाजमां संवत्सरीनो दिवस एक साथे उजवाय तेवो दिवस निष्पक्षपणे अने विचारपूर्वक नक्की करी प्रगट करवानी सत्ता सोंपी नीचेना चार सभ्योनी एक कमीटी नीमवामां आवी।

कमीटीना सभ्यो—

रा. चंदनमलजी मुथा सतारा

किशनलालजी मुथा अहमदनगर

शेठ ताराचंद वारीया, जामनगर.

,, देवीदास लक्ष्मीचंद वेवरीया, पोरबन्दर.

आ ठराव अनुसार संवत्सरी संबंधमा योग्य निर्णय करीने प्रगट करवा माटे समितिना सभ्यो साथे पत्रव्यवहार करवामा आव्यो हतो । अन्तमा समितिना चार सभ्योए एक मत थई निर्णय प्रसिद्ध कर्यो हतो जे आ नीचे आपवामा आवे छे ।

तिथि निर्णायक समितिका निर्णय.

गत अधिवेशन में समस्त स्थानकवासी समाजमें सवत्सरी पर्व एकही दिवस मनानेका प्रस्ताव पास हुआ था । उसको कोन्फरन्स के प्रेमी महानुभाव भूले न होंगे । उस प्रस्ताव का प्रचार एवं अमल करने के लिये निम्न लिखित हम चार महानुभावों की एक कमीटीभी नियतकी गई थी । इस कमीटीको इस सबन्धी रिपोर्ट इससे पहिले ही प्रकाशित कर देनी चाहियेथी. परन्तु चातुर्मास के व्यतीत हो जाने के कारण प्रसिद्ध २ मुनिमहाराजोंके साथ इस प्रश्न के विषय में कुछभी विचार नहीं हो सका और कमीटीके चारों सभ्य किसी एक स्थानपर न मिलने के कारण, यह कमीटी कुछभी निर्णय नहीं कर सकी ।

प्रस्तुत तिथी निर्णायक सरीखे जटिल एवं विवादास्पद प्रश्नका एकदम निराकरण करदेना बडा कठिन है और हम अपने स्वकीय अनुभवसे कह सकते हैं कि जब तक मुनिमहाराज इस विषय में संपूर्ण सहकार नहीं करेंगे तबतक इस प्रश्नका किसीभी प्रकारका निर्णय होना अशक्य ही है । इस लिये इस प्रश्नको इस वर्ष स्थगित रखकर आगामी चार्तुमास में ही विद्वान मुनिवरों के साथ चर्चा एवं उहापोह करने के बाद ही इस प्रश्नका निर्णय करना

हम लोग उचित समझते हैं। आगामी वर्ष के लिये इस प्रश्नको स्थगीत रखने का दूसरा कारण यह भी है कि इस वर्ष प्रायःसभी सम्प्रदायों की टीपें प्रकाशित हो चुकी हैं। तीसरा कारण यह है कि इस वर्ष गुजरात एवं काठीयावाड में बुधवार की संवत्सरी है और मारवाड में गुरुवारकी। इस प्रकार तमाम मारवाड एवं गुजरात काठीयावाड की संवत्सरीमें एक दिन का फेर पडेगा। इस परिस्थितिमें यदि कान्फरन्स अपना एक तीसरा मत और प्रगट करे तो लाभकी अपेक्षा हानि हो जानेकी विशेष सम्भावना है। इस लिये इस प्रश्नको आगामी चातुर्मास तक स्थगीत रखनेका यह कमीटी निर्णय करती है।

१ चन्दनमल मुथा २ तासचंद रायचंद
३ किसनदास माणकचंद मुथा
४ देवीदास लक्ष्मीचंद घेवरीया
(तिथि निर्णायक समिति के सभ्य.)

आथी श्रावकनी शाकजनक अवसाने मद्रत खेद प्रदर्शीत करवा मुंबईनी जे जाहेर संस्थाओ तरफथी एक जाहेर सभा भरवामां आवी हती तेमां कोन्फरन्सनी सभेलगीरि करवामां आवी हती। ब्रह्मचारी शीतल-प्रसादनुं एक जाहेर भाषण हीराबागना होलमां ता० १९–१२–२८ ना दिने गोठववामां आव्युं हतुं।

कोन्फरन्स अधिवेशन

बीकानेर अधिवेशन पछी त्रण वर्ष सुधी कोन्फरन्स अधिवेशन माटे क्यांयथी निमन्त्रण न मळवाथी त्रीजुं वर्ष पूरुं थवाने टांकणे बिकानेर अधिवेशनना ठराव अनुसार कोन्फरन्सना मर्चे अधिवेशन भरवानी चर्चा प्रकरणमां शरु थई हती। अने प्रमुख श्रीमान छगन

गोकलचदजी साहेबे पण अधिवेशन भरवानोज विचार दर्शाव्यो हतो जे उपरथी अधिवेशन भरवा बाबत जनरल सेक्रेटरीओनी सलाह लेवामा आवी हती । जनरल सेक्रेटरीओ तरफथी एवी सलाह मलवा पामी हती के आम तुरत तत्कालिन सजोगो जोता जडपी अधिवेशन भरी नाखवा करता प्रथम जनरल कमीटी बोलावी विचार करवो घटे छे । अने ते पहला एक संवत्सरी माटे पजाब डेप्युटेशन मोकली तेनो निर्णय करावी लेवो घटे छे ।

त्यारबाद डेप्युटेशन मोकलवा प्रयत्न थयो हतो, पण केटलाक कारणोने लईने डेप्युटेशन पंजाब जई शक्युं नही एटले जनरल कमिटी बोलाववामा आवी हती ।

आ जनरल कमीटीना ठराव अनुसार एक डेप्युटेशन १९३१ ना एप्रील मासमा पजाबना वयोवृद्ध पूज्यश्री सोहनलालजी महाराज पासे कोन्फरन्सनी टीपनी मजुरी माटे विनंति करवा गयेल । पूज्यश्रीए डेप्युटेशननी मागणीने ध्यानमा लई टीपनी मंजूरी आपी समग्र हिंदुस्थानना स्थानकवासी जैनोमा आनद आनंद वर्ताव्यो ।

डेप्युटेशननी अरजना जवाबमा पूज्यश्रीए दर्शावेल संमति अने विचारो तेमज कोन्फरन्स टीप उपर अमल करी पजाबना पत्री झगडानु अत्यन्त उदारतापूर्वक तेओश्रीए लावेलु छेवट ए सर्व परिस्थितिनुं डेप्युटेशने कोन्फरन्सना सेक्रेटरीने लखी जणावेल नीचेना पत्रमा विवरण करवामा आव्यु छे ।

श्रीमान् रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरी

श्री श्वे० स्थानकवासी जैन कोन्फरन्स ऑफिस बंबई

जय जिनेन्द्र !

निवेदन है कि कोन्फरन्सकी जनरल कमिटीके प्रस्ताव नंबर ११ ता० २९-६-१९२९ के अनुसार हम डेप्युटेशनके निम्नलिखित समासद ता० ७-८-९ अप्रैल १९३१ को अमृतसरमें कोन्फरन्स द्वारा प्रकाशित टीपको स्वीकार करानेके अभिप्रायसे श्री श्री श्री १ ०८ श्री पूज्य सोहनलालजी महाराजकी सेवामें उपस्थित हुए और स्थानीय सद्गृहस्थो और अन्य स्थानोंके उपस्थित गृहस्थोंकी उपस्थितिमें श्रीजीकी सेवामें यथायोग्य नम्रतापूर्वक विनंति की कि प्राय दूसरी सब सम्प्रदायोंने समाज ऐक्यता और हितके विचारसे प्रेरित होकर कोन्फरन्सकी टीपको स्वीकार कर लिया है। एवम् आप भी स्वीकार कर संघको कृतार्थ करें जिससे सर्व भारतवर्षके श्री संघमें ऐक्यता होकर श्री जैनधर्मका प्रभाव बढे।

उत्तरमें श्रीमान्जीने अत्यन्त दीर्घदर्शी और उदारतासे फरमाया कि यदि कोन्फरेन्स द्वारा प्रकाशित टीपमें शास्त्रानुसार कईएक बातें विचारणीय और संशोधणीय हैं तोभी श्रीसंघकी ऐक्यताके विचारसे हम अपनी संप्रदायको इस टीपके अनुसार कार्य करनेकी आज्ञा देते हैं। लेकिन कोन्फरन्सका यह फर्ज होगा कि अपने ठहराव नम्बर १० के अनुसार टीपको शास्त्रानुसार बनानेके लिये और श्रद्धा प्ररूपणा साधु समाचारी विगैरह के सम्बन्धमें विचार करनेके लिये साधु सम्मेलन किसी ऐसे स्थानपर जहां पंजाबके साधु भी सुगमतासे पहुंच सकें शीघ्र करनेका प्रबंध करें। ताकि इन विषयोंके बारेमें शास्त्रानुसार निर्णय

हो जावे और कोन्फरन्सकी मौजूदा टीपकी अवधि समात होनेसे पहिले भाविष्यके लिये नई टीप बन सके। उस समेलनमें हमारी तैयार की हुई जैन ज्योतिष तिथि पत्रिका, कोन्फरेन्सकी टीप, और दूसरी भी किसी तिथि पत्रिका पर, जो वहा पेश की जाय विचार होकर जो टीप आवश्यक सशोधन उपरान्त सम्मेलनकी सम्मतिमें उचित प्रतीत हो उसपर और अन्य स्वीकृत विपयोंपर सर्व सम्प्रदायोंसे कान्फरेन्स अमल दरामह करावे लेकिन अगर एक सालके अन्दर कोन्फरेन्सकी ओरसे समेलन सम्बन्धी प्रयत्न न किया जाय तो हम एक सालके वाद टीपको पालन करनेके पाबद नहीं होंगे।"

हम डेप्युटेशनके सभासदोंकी सम्मतिमें पूज्यश्रीका यह फरमान अति उत्तम है और हमने पुज्यश्रीको विश्वास दिलाया है कि इस सम्बन्धमें हम आपसे सहमत हैं।

अब हम कोन्फरेन्स आग्रह पूर्वक अनुरोध करते हैं कि इस कार्यकी पूर्ति करनेके लिये पूर्ण प्रयत्नसे कार्य आरंभ किया जाय ताकि मौजूदा टीपकी अवधि समान होनेके पहिले ही प्रत्येक बातका निर्णय होजावे।

तारीख ९-४-१९३१।

मेम्बर डेप्युटेशन।

दा०	गोकलचंदजी	(दिल्ली)
,,	वर्धमाणजी	(रतलाम)
,,	अचलसिंहजी	(आगरा)
,,	केशरीमल चोरडीया	(जैपुर)
,,	भंडारी धुलचंदजी	(रतलाम)

दा० लाला टेकचंदजी (जंडीयाला)
,, हीरालाल लाचरोदवाला

अमृतसर श्रीसंघके सदस्योंकी सही।

रतनचदजी	जैन	अमृतसर
हरजसरायजी	,,	,,
वसन्तामलजी	,,	,,
मुन्नीलालजी	,,	,,
हंसराजजी	,,	,,
दीवानचंदजी	,,	सीआलकोट
श्रीमोहननाथजी	,,	कपुरथला
प्यारेलालजी	,,	मजीठा
पन्नालालजी	पट्टी	लाहोर
मुन्शीरामजी	जैन	,,
मुल्खरामजी	,,	गुजरानवाला
बीशनदासजी	,,	अमृतसर
नथुमलजी	,,	,,
भगवानदासजी	जैन	अमृतसर
मल्लीरामजी	,,	,,
रुल्हारामजी	,,	,,
मुन्नालालजी	,,	,,
हंसराजजी	गाडीया	,,
बनारसीदासजी	जैन	,,
मुन्नीलालजी	,,	,,
लाला संतरामजी	,,	,,
,, मस्तरामजी	,,	,,

उपर मुजब डेप्युटेशनना एक सवत्सरी–(टीप) ना प्रयत्नमा सफलता मल्या वाद समाजनी नाडने पूर्ण रीते तपासी पजाबना वयोवृद्ध पूज्यश्रीए साधुसमेलन भरवानो सिंहनाद कर्यो । आथी कॉन्फरन्सना कार्यकर्ताओनी जोखमदारी घणी वधी गई । श्रीसाधुसमेलन भरवानी वातो करवी ए एक सरल वात छे परतु ए अमलमा मूकाववी कंई सरल नथी । पजाबना डेप्युटेशनमा गयेला सभ्योना पत्र अनुसार साधुसमेलन भरवा माटे भरसक प्रयत्नो शुरु थया । आपणा बधा सप्रदायोना पूज्य मुनिवरो, प्रवर्तको मुख्य मुख्य मुनिराजोने रुबरु मली तमज पत्र द्वारा साधुसमेलन उपरना तेमना मननीय विचारो जाहेरमा मूक्या । साधुसमेलन भरवानो सौए खुब आग्रह तेमज उत्साह प्रेर्यो । आटली भूमिका तैयार थया बाद दिल्ही मुकामे भरायेल जनरल कमीटीए साधुसमेलन समिति निमी समेलननी दिशा मर्यादा तथा कार्य नक्की कर्या । आज कमीटीमा कॉन्फरन्सनुं अधिवेशन पण तुरतमा ज भरवा नक्की कर्युं । त्यारथी कॉन्फरन्स अधिवेशन अने श्रीसाधुसम्मेलन बाबत सर्वत्र प्रचार करवानुं कार्य शरु कर्युं । एटले के सम्मेलन अने अधिवेशन बन्नेनो विचार रचनात्मक कार्यमा परिणम्यो । प्रथम, अधिवेशन भरवु अत्यत जरुरी होई तुरतमाज अधिवेशन भरी लेवानो निश्चय कर्यो । अने ए अधिवेशनमा ज साधुसमेलननो सपूर्ण विचार करी स्थळ समय तेमज कार्यक्रम नक्की करवो । आ मुजब मत्रणा चालती हती । परतु भारत स्वातंत्र्यनुं युद्ध फरी शरु थयु । हजारो देशबाधवो जेलम्हेलमा सिधाव्या । देशभरमा दमननो राक्षसी कोरडो चोमेर फरी वल्यो । आवी परिस्थितिमा कोन्फरन्स अधिवेशन भरवु मुश्केल थई पडे ए स्वाभाविक हतुं परतु कदाच अधिवेशन भरवामा आवे तो पण परिणाम शून्यज आवे आटला माटे आ अरसामा अधिवेशन मुल्तवी राखवुं. पड्युं । कॉन्फरन्स अधिवेशन

प्रचार समितिना उत्साही संचालक देशभक्त श्री अचलसिंहजी सा बेरुमेल सिवाय्या तो पण प्रचारकार्य चालु रहयुं। लोकोमां जागृति कायम राखवा माटे पूर्ण प्रयत्न करावा गामेडे गामेडे प्रचारक मोकलवामां आव्या। आरीते अधिवेशन समितिना कार्य साथे साधुसम्मेलन समितिनुं कार्य पण पूर जोशमां अने उत्साहमां शरु कर्युं। सर्वे पूज्य महाराजो तथा प्रवर्तक मुख्य मुख्य मुनिवरोनी संमति मळी गया बाद प्रांतिक अने सांप्रदायिक संमेलनो द्वारा प्रांतिक सांप्रदायिक संगठनो साधवा माटे नक्की कर्युं। साधुसंमेलनना मंत्री श्रीदुर्लभजीभाईए मादुरस्त सर्वांपत छतां शासन सेवाना उत्कृष्ट मंगळकार्यमां लगभग दरेक प्रांतिक तेमज सांप्रदायिक सम्मेलनोमां हाजरी आपी। हती। तेओश्रीना ते ते प्रसंगना प्रेरणा प्ररता भाषणो मुनिश्रीओने आत्महित अने शासनहितना महामार्गे परस्परना वैयक्तिक विरोधन भस्मीभूत करी ऐक्यनी सौनेरी सांकळे जोड्या हता। मात्मना छुट्रा पडेला मणकाने एकताना मंगळमय सूत्रे फरी जोड्या हता। अने अद्भूत प्रेरणा भर्यो वातावरण सर्जी साधु संमेलननी सफलतानी आगाही आपी। प्रथम पालनपुर मुकामे ता० १ २ ३२ ना दिने गुजरात काठि यावाडना ६ संघाडाना लगभग २१ मुनिराजो मल्या हता अने तेमां सर्व संघाडानी प्रतिनिधिरूप, गुजरे साधु समिति रचायी तेमज दीक्षा शिक्षा साहित्य प्रकाशन एक संवत्सरी, साधुसमाचारी वगेरे अगत्यना महत्वना २६ ठरावो थया। त्यारबाद पालीमां ता० १० ३ ३२ ने रोज मारवाड प्रांतिक साधु संमेलन थयुं। मारवाडना जुदा जुदा ६ संप्रदायना ११ मुनिवरो हाजर हता। परस्पर भूतकाळनो यथा भेदभाव भूली कांई अनेरा उत्साहे प्रान्तिक संगठननुं कार्य शरु थयुं। मारवाड प्रान्त साधु समितिनी स्थापना करी ज्ञानदर्शन चारित्र विषेय ३० प्रस्तावो थया। गुजरात अने मारवाड प्रांतना संमेलनोनी पूर्ण सफलता थवाथी समाजमां खूब जागृति थई।

अने हौंशियारपुर मुकामे पंजाब प्रान्तिक साधु समेलन ता. २८-३-३२ ने रोज भरवामां आव्यु । आ संमेलनमा पजाबना १५ मुनिराजो पधार्या हता । अने राजकोट अने पालीथी पण आगल वधी बहुज सुदर प्रस्तावो कर्या । आखा हिंदुस्थानमा जुदा जुदा सम्प्रदायगच्छ वगेरेने बदले समग्र साधुमार्गी समाजना साधुओने 'श्री सुधर्मगच्छ' नों एकत्र झंडा हेठळ ऐक्य साधवानी हाकल करी । आ उपरात लींबडीमा ता. २७-५-३२ ने रोज लींबडी मोटा सप्रदायना साधुओनुं सम्मेलन थयुं हतु अने दीक्षा शिक्षा, तेमज समाचारीने लगता २६ प्रस्तावो साथे लींबडी मोटा सप्रदायना साधुओने लगता जे जे शास्त्र भडारो छे ते त्यारथी सघने सुपुर्द करी हरकोई साधु मुनिराज तेनो उपयोग करी शके ए जाहेर करी समाजमा एक नूतनबल प्रेर्युं । उत्तरोत्तर श्री साधु सम्मेलनना कार्यने वेग मलतो गयो । अने जरापण दबाण के प्रेरणा सिवाय सर्वे प्रातिक सम्मेलनोमा समयानुकुल जोइए तेवा अने समाजने प्रगतिमान बनावनारा प्रस्तावो थया । एज बतावी आपे छे के साधुमार्गी समाजना साधुओए खरेखरा आत्मधर्मने ओलखी साधुचर्यामा रहेता थका आत्मधर्म, शासन समाजनी उन्नतिनी नाड पारखी ते मुजब यथाशक्य कार्य करी यत्किंचित प्रभु महावीरना नामने उजालवानो निश्चय कर्यो छे । समय धर्म एटले सगवडीयो धर्म नहि पण सत्य मूल स्वरूपे धर्म ! अने ते माटे भुलेली दिशाने तिलाजली आपी ए सत्य मूलस्वरूप धर्मने प्राप्त करवानी शुभ भावना अने प्रयास आपणा साधुओमा प्रगट्या छे ते खरेखर साधुमार्गी समाजनी नजीकना भविष्यमाज उन्नति सूचवे छे । आज अरसामा एटले के ता ५-६-३२ ने रोज इन्दोरमा श्री ऋषि संप्रदायनुं सम्मेलन थयु हतु । श्री ऋषि संप्रदाय आज घणा वर्षथी अव्यवस्थित हतो । श्री साधु सम्मेलननी शुभ प्रवृतिए ए संप्रदायना विखरायला

साधुओमां एकतानी तमन्ना उत्पन्न करी अने मारवाडमां शास्त्रोद्धारक मुनिश्री अमोलख ऋषिजी महाराजने पूज्य पदवी आपी थी ऋषि संप्रदायनुं संगठन साध्युं । सर्व मान्य समाचारी उपरांत अनेक सुंदर प्रस्तावो कर्या ।

आ रीते भिन्न भिन्न संप्रदायोना प्रांतिक समेलन थई जवाथी श्री बृहत्साधु सम्मेलननी पूर्व पीठिकानी सुंदर रचना थई गई अने लोकोना हृदयमां ऊंडे ऊंडे पण जे कंई शंका हती ते नीकळी गई ।

आ सर्व प्रसंगो साथे साथे पंजाबी पूज्यश्री सोहनलालजी महाराजश्रीनी इच्छा अनुसार सं १९८९ मी सालमांज श्री बृहत्साधु संमेलन भरवानो निश्चय करवामां आव्यो होवाथी घणाने कंइक उतावळ जणाई अने आम उतावळे श्री बृहत्साधु संमेलन करवाथी संमेलननो पूर्ण उपयोग आपणे नहिं मेळवी शकीए एवो अभिप्राय व्यक्त कर्यो । आथी तुरतज भिन्न भिन्न मुनिवरोना अभिप्रायो मंगावता प्राय आ वर्षेज श्री बृहत्साधु संमेलन भरवानुं जाहेर थयुं । कारण के जे विहारना तेमज विचार एकताना कष्टो नडवानी कल्पना करायेल ते तो आ वर्षनी माफक आवते वर्ष पण नडेच । उपरांत पंजाबी मुनिवरोए आ वर्ष संमेलन परोक्ष ए भाराए चातुर्मासनी गोठवणी संमेलनमां पहोंचवा अनुसार करी हती । तेमज चालु पंचवर्षीय कॉन्फरन्स टीप पूर्ण थयां पहलों सर्व मान्य टीप श्री बृहत्साधु संमेलनमां थई जाय तो कायमी एकता जळवाई रहे । आ बधा कारणोने अनुलक्षी बृहत्साधु संमेलन आगामी सं १९८९ नी सालमांज भरवानो निश्चय कायम राखी श्री साधुसंमेलन समितिनी बेठके दिल्हीनी जनरल कमीटीमां अजमेर संघना श्री साधुसंमेलनना आमंत्रणने लक्ष्यमां लई तेमज सर्व प्रांतोने मध्यस्थ पडतुं होवाथी सर्वने अनुकूळ एवा अजमेर शहेरनी पसंदगी करी । साथे समय पण लगभग फाल्गुन वदीनो नक्की कर्यो ।

भारत भरना श्री संघोए श्री बृहत्साधु संमेलनना स्थल तथा समयने पोतानी संमति आपी। चातुर्मास बाद सर्व मुनिवरोना विहारो अजर अमर पूरी प्रति थवाना छे विचारे समाजमा नूतन बल उत्पन्न थयुं। बीजी तरफ श्री साधु संमेलन समितिमा सर्व संप्रदायोनुं प्रतिनिधित्व रहे एटलो माटे सर्व संप्रदायना श्रावकोनी चूंटणी करी। श्री बृहत्साधु संमेलनमा पास थयेला प्रस्तावोने पीठबल आपवा अने बीकानेर अधिवेशन बादनी समाजनी सुषुप्त दशाने दूर करवा नवमुं अधिवेशन पण अजमेर के तेनी आसपास कॉन्फरन्सने खर्चेज भरवानो निश्चय कर्यो। आ रीते बीकानेर अधिवेशन बाद जणाती सुषुप्तिए समाजने उत्थानप्रति बहुज तीव्रवेगे प्रेर्यो अने सर्वत्र उत्साह अने आनदना पूर उभराया।

श्री बृहत्साधु समेलन तथा अधिवेशन केम सफल थाय। समेलन तथा अधिवेशनमा शुं शु कार्य कई रीते करवाना छे वगेरे बाबतोथी 'जैन प्रकाश' नी कटारो उभराई रही छे। आटला विचार मथने तेमज समग्र समाजनी शुभाशा अने आशीर्वाद पूर्वक शरु थनारा आपणा संमेलनो विजयवरो एज अन्तर्भावना ?

श्री श्वे स्था जैन कॉन्फरन्सना

वंशपरंपरा, आजीवन मेम्बर जनरल कमीटीना सभ्योनुं लीस्ट

वंशपरंपरा

श्री जेशींगभाई उजमशी	अहमदाबाद
कचलदास त्रीभुवनदास	,,
,, उत्तमचंद दयचंद झवेरी	,,
, भगवानदास त्रीभुवनदास	,,
,, नाथालाल मोतीलाल	,,
माणकलाल अमृतलाल	,,
,, मंगलदास जेशींगभाई	
, अमृतलाल रायचंद झवेरी	मुंबई
,, गोपालजी लाडका	,,
, जगमोहन उजमसी	,,
,, नगीनदास माणकलाल पं ह थो	,,
,, धीरजलाल मगनभाई	,
, रतनशी तलकशी झवेरी	,
,, रतनचंद गगलभाई झवेरी	,
,, मनजी मगनमसी	,,
, प्रेमचंद खीमचंद	,,
,, मठालाल भगमी	,,
, गुरजमल लल्लुभाई	,,
, शामचंद माठाभाई	,,
अमृतलाल मरचीचंद खांगवाणी	,,
टायाभाई मकनजी झवेरी	,,

श्री श्रीमती केशर व्हेन अमृतलाल झवेरी,,
,, श्री रतीलाल मोतीचंद ओघवजी. ,,
,, मेघजीभाई देवचद भुज
,, धनजी देवशी मुंवई
,, कोठारी मणीलाल चुनीलाल. ,,
,, जमनादास खुशाल वोरा ,,
,, मनमोहनदास नेमीदास. ,,
,, देवशी कचराभाई. छारा
,, माणेकलाल अ मेहता घाटकोपर
,, कालीदास नारणदास. ईटोला
,, सामलजी खोडाभाई. जेतपुर
, अमृतलाल वर्धमान मोरवी
,, वनेचंद राजपाळ देसाई ,,
,, भीमजीभाइ मोरारजी राजकोट
,, करसनजी मुलचद ,,
,, जीवीवाई मेघजी थोभण. जे पी. मांडवी
,, जैचंदभाइ नथुभाई प्रान्तीज
,, अमीलाल जीवन आनंदजी पोरवंदर
, उजमभाइ माणेकचंद कोठारी पालनपुर
, छोटालाल हेमुभाई मेहता. ,,
, सुरजमल लल्लुभाई ज्वेलर ,,
,, मणलिाल लल्लुभाई मुंवई
,, हीरालाल हेमराज झवेरी रंगुन
,, भगवानदासजी चंदनमलजी अहमदनगर
,, प्यारेलालजी साहेव अजमेर

श्री	बीरधमलमी साहेब	अजमेर
,,	गधमलजी ,,	,,
,	नवरतनमलजी ,,	,,
,,	नथुमलजी ,	अमृतसर
,,	कनीरामजी बांठीआ	मीनासर
,,	भैरोंदानजी जेठमलजी	बीकानेर
,,	बालमुकुंदजी चंदनमलजी	मुंबई
,,	बहादुरमलजी बांठीया	मीनासर
,,	दामोदरदास एन पटनी	बीआवर
,,	मेघजी गीरधारीलालजी	मुंबई
,,	छगनमलजी गोखरु	छोटीसादरी
,,	गोकलचंदजी नाहर	दिल्ही
,,	गोपीचंदजी साहेब	किशनगढ
,,	लालचंदजी सीरेमलजी	गुलेदगड
,	गीरधारीलालजी भनराजजी	गन्दुरब
,,	जमनालालजी रामलालजी	हैद्राबाद
,	श्यामप्रसादजी माणेकचंदजी	महेंद्रगढ
,,	राममलजी सा ललवानी	जामनेर
,,	बीधनदासजी	जम्मु
,,	मिश्रीपचंदजी महेता	झांसी
,	अमरचंदजी चांदमलजी	जावरा
,,	छोगमलजी चुनिमलजी	जयपुर सीटी
,	फतीजी भीमोकचंदजी	मंदसार
,,	मोतीलालजी कांकरा	भीमासर
,,	अगरचंदजी मानमलजी	मद्रास

श्री ओछराजजी रुपचंदजी	पाचोरा
,, वर्धभानजी पीतलीया	रतलाम
,, वालमुकुंदजी चंदनमलजी	सतारा
,, चांदमलजी भगवानदासजी	,,
श्रीमती वक्तावर वाई	,,
श्री मोतीलालजी मुथा	,,
श्री न्यालचंद गभीरमलजी	सीकंदरावाद
,, शिवराजजी रघुनाथदासजी	,,
,, सागरमलजी गीरधारीलालजी	,,

आजीवन सभ्यः—

श्री गफुरभाई चुनिलाल	मुंबई
,, चंदुलाल मणीलाल एन्ड को	,,
,, मनसुखलाल गुलावचंद	,,
,, मगनलाल चिमनलाल पोपटलाल	,,
,, हिरालाल वाडीलाल झवेरी	,,
,, रवजी नेणसी एन्ड को.	,,
,, रतनजी वीरपाल	,,
,, वरजीवन लीलाधर	घाटकोपर
,, मदनजी सोमचंद	मुंबई.
,, अमृतलाल	वेरावल
,, चंदुलाल मोहनलाल	मद्रास
,, दुर्लभजी त्रीभोवन झवेरी	जयपुर
,, सुरजमल लल्लुभाई ,,	रंगुन
,, रतीलाल लक्ष्मीचंद खोरवानी	मोरवी
,, चंदुलाल मोहनलाल	मुंबई

श्री पीशनदासजी माणकचंदजी	अहमदनगर
,, कुंदनमलजी शोभाचंदजी	,,
,, नागमलजी रुपचन्दजी	,,
, कस्तूरीचंदजी लक्ष्मीचन्दजी	बीकानेर
,, रीखबदासजी तम्बाया	छाटीसादरी
,, लक्ष्मणदासजी सा	जलगाव
, रावतमलजी सुरजमलजी बैद	मद्रास
,, पुनमचंदजी ताराचदजी	,,
, अमोलखचदजी इन्द्रचंदजी	मद्रास
,, कस्तुरामजी चमसिंहजी	पुना
, भंरोबक्सजी सुरमालाभजी	मद्रास
फाजमलजी मोतीदासजी	,,
, मादनलालजी नाहर	उदेपुर
श्रीमती प्रताप कुवरबाई	रतलाम
श्री सागरमलजी गणेशमलजी	तोरुचलुर
, मनुमलजी कपुरचंदजी जोहरी	दिल्ही
, कुन्दनलालजी सा	

वार्षिक सभासद —

श्री चीमनलाल आत्माराम	अमदावाद
, देवसी कानजी	अंजार
दामोदर करमचंद मदानी	मुबई
, लक्ष्मीचंद वालाभाइ पन्द को	,,
, मासीचंद मकनजी	रंगुन
, अभयचंद कालीदास	जेतपुर
, चुनिलाल नागजी वोरा	राजकोट

श्री अचलसिंगजी जैन	आग्रा
,, त्रीलोकचंदजी मोतीलालजी,	सोलापुर
,, हझारीमलजी रायचंदजी	पुना
,, घोन्डुरामजी दलीचंदजी	पुना
,, हस्तीमलजी देवडा,	औरंगाबाद
आनंदराजजी सुराणा	दिल्ही
,, शोभागमलजी महेता	जावरा
,, हरजसरायजी जैन	अमृतसर
,, रतनचंदजी जैन	,,
,, टेकचंदजी ,,	अन्डीआलागुरु
,, मस्तरामजी जैन	अमृतसर
,, सगनचंदजी सा.	अजमेर
,, शोभागमलजी अमोलखचंदजी	बगडी

पुना बॉर्डिंग कमीटी.

(१) शेठ वेलजीभाई लखमशी नपु
(२) ,, ब्रजलाल खी शाह सोलीसीटर
(३) ,, मोतीलालजी मुथा
(४) ,, कुन्दनमलजी फिरोदीया
(५) ,, कीर्तीलाल मणीलाल महेता
(६) ,, अमृतलाल रायचंद झवेरी
(७) ,, वीरचंदभाई मेघजीभाई
(८) ,, मनमोहनदास नेमीदास
(९) ,, रेवाशकर दुर्लभजी पारेख

(स्थानिक मंत्री)
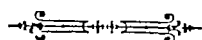
परिशिष्ट १.

विक्रम संवत १९८२ भादरवा शुद १ थी विक्रम संवत १९८८ आसो वद ०)) सुधीना वर्षों दरम्यान भरायेली जनरल कमीटीओ अने अधिवेशनोना संक्षिप्त हेवाल तथा प्रस्तावो परिशिष्ट नं. १ मां आपवामां आवे छे

क

जनरल कमेटी ।
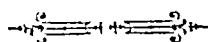
स्थान मुंबई

द्वितीय चैत्र वदी ५-६-७ शनि, रवि, सोम,
ता० ३-४-५ एप्रिल १९२६

शनिवार ता० ३ अप्रैल को ११॥ बजे से कांदावाडी-स्थानक की दूसरी मंजिल वाले बडे हॉल में कमेटी की प्रथम बैठक प्रारंभ हुई। मेंबरों के अतिरिक्त दर्शकों की खासी सख्या थी। निम्न लिखित मेंबर्स उपस्थित थे।

१ सेठ मोतीलालजी मूथा-सतारा
२ ,, वरधभाणजी पीतलिया-रतलाम
३ ,, सूरजमल लल्लुभाई जौहरी
४ ,, वेलजी लखमशी नपु B A L L B
५ ला० गोकलचन्दजी सा०-दिल्ली
६ सेठ मोतीलालजी कोटेचा-मलकापुर
७ ,, दुर्लभजी त्रिभुवन जौहरी जयपुर
८ ,, सिरेमलजी लालचन्दजी-गुलेदगढ
९ ,, आनन्दराजजी सुराना-जोधपुर

१ „ वरजीवनदास मंगलभाई–मुंबई
११ मेघजी थोभण द –सेठ वरिचंदभाई
१२ „ गोकुलदास प्रेमजी
१३ पानाचन्द झवेरचन्द द०–सेठ उत्तमचंद देवचंद
१४ धनजी नागजी मुंबई
१५ कोठारी जीवराज बेचर
१६ मूलचन्द कालीदास
१७ फतेचन्द गोपालजी
१८ जगजीवन दोसाभाई
१९ अमृतलाल तुलसीदास
२ नगीनदास माणेकलाल
२१ जगजीवन दयाल
२२ जमनादास खुशालदास
२३ चिमनलाल पोपटलाल शाह
२४ तुलसीदास मोनजी

अनुपस्थित मेंबरों की तरफ से प्राप्त वोट.—

१ मूथा किसनदासजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
२ गुलेछा रूपचंदजी खेमचन्दजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
३ चंदनमलजी भगवानदासजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
४ सेठ [illegible] मुलतानमलजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
५ अमरचन्दजी चान्दमलजी की तरफ से सेठ वरधभाणजी पीतलिया को

सर्व सम्मतिसे बाबू गोकुलचंदजी सा नाहरने प्रमुख स्थान ग्रहण किया।

प्रस्ताव नं १

कान्फरन्स के जनरल सेक्रेटरी श्रीमान् सेठ मगनमलजी सा अजमेर निवासी के असामयिक स्वर्गवास पर यह कमेटी हार्दिक शोक प्रकट करती है और उनके कुटुम्बी जनों के साथ सहानुभूति प्रदर्शित करती है।

प्रस्ताव नं. २

मलकापुर अधिवेशन के प्रस्ताव न ४ द्वारा नियत की गई सब-कमेटी (Sub-Committee) की रिपोर्ट के अनुसार रुपये १६०००) जैन ट्रेनिंग कालेज से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियो को वेतन देने के लिये व्याजपर अलग रखना चाहिये-तदनुसार रुपये ६०००) का जमा-खर्च आफिस की वही मे हो चुका है, शेप र १००००) रतलाम कालेज की वही में "श्री शोलापुर मिल" में व्याज पर रक्खे हे उसका जमा खर्च कान्फरस की वही मे होना चाहिये-अर्थात्, रुपये १००००) **ट्रे० का० विद्यार्थी पगार फड खाते** जमा करके "शोलापुर मील" के नामें लिखना चाहिये और इसकी मुदत समाप्त होने पर जुमले रु० १६०००) किसी स्वतत्र सिक्युरिटी में रखना चाहिये और इस रकम को कायम रखकर अन्य किसी भी खाते में लगानी न चाहिये किंतु आवश्यकता पडने पर उक्त कान्फरेस के प्रस्तावानुसार इस रकम के केवल व्याज को कालेज खर्च में लगाया जा सकेगा।

(ख) जैन ट्रेनिंग कालेज फड में रुपया १५६२२।≈)। जमा है, जिसमें मलकापुर अधिवेशन के पहिले की रकमें भी शामिल रक्खी हे, किंतु उसमें से रु० २६८५≈)। **श्री जैन ट्रे० कालेज पुराना फड खाते जमा** रखना चाहिये।

प्रस्ताव नं. ३

हिसाव का आकडा देखा गया उस परसे ठहराने में आता है कि निम्न प्रकार जमा खर्च करके खाते उठा देने चाहिये।

(क) वार्षिक मेंवर फीस और चार आना फड की रकमों को कानून अनुसार पृथक् २ खातों में विभक्त कर देना चाहिये और फिर वादमें **लाभ शुभ** (वटाव) नामक एक नया खाता खोलकर उसमें निम्न खातों को नामे-जमा डालकर खाते उठा देने चाहिये —

श्री अनामत खाता	पगार खर्च
,, सहायक मडल	पोष्ट खर्च
,, फर्नीचर खाते	आफिस खर्च
,, व्याज खाते	उपदेशक खर्च

" तुलसीदास कल्याणभाई — [illegible]
" शेख समसुद्दीन — [illegible]
" पंच परंपरा की मेंबर फीस मगनलाल जी मोदी
" जीवन पत्र की मेंबर फीस
" [illegible] फर्क

(ख) ज्ञान प्रचारक पुस्तक बेचाण खातों की रकमें का धार्मिक केलवणी खाते में और शिक्षोत्तेजक फंड की रकम को व्यवहारिक केलवणी खाते में जमा कर उक्त तीनों खातों को उठा देना चाहिये।

प्रस्ताव नं ४

श्रीयुत् मार्तंडराव माणिकलाल एन्ड को ऑफिस का हिसाब ऑडिट करने के लिये ऑडीटर नियत किये जाते हैं।

प्रस्ताव नं ५

श्रीयुत् माणिकलाल अमृतलाल के रुपये प्राप्त करने का कार्य श्रीयुत् माणिकलाल मनोहरदास अहमदाबाद को सुपुर्द किया जाता है।

प्रस्ताव न ६

प्रेस एवं ऑफिस के हिसाबों की जाँच कर ब्योरेवार रिपोर्ट तैयार करने के लिये सेठ करमचंदजी साहब प्रेस एवं हिसाबके एक अनुभवी सज्जन को वेतन पर रख लेवे और उसके द्वारा ब्योरेवार रिपोर्ट तैयार कराके अपनी सम्मति के साथ उस रिपोर्ट को कान्फरेंस दफ्तर में भेजे—

प्रस्ताव नं ७

कॉन्फरन्सकी सीक्युरीटीज निम्न लिखित महानुभावों के नामों पर रखना चाहिये।

ट्रस्टियों के नाम—

१—बाबू गोकुलचन्दजी नाहर—दिल्ली
२—सेठ मेघजी सोजपाल जे पी—बंबई

३—,, वरधभाणजी पीतलिया—रतलाम
४—,, मोतीलालजी मूथा—सतारा
५—,, ज्वालाप्रसादजी जौहरी – हैद्रावाद दक्षिण
६—,, दुर्लभजी जवेरी—जयपुर
७—,, सूरजमल लल्लूभाई जवेरी—ववई

उक्त ट्रस्टियोंमेंसे सेठ सूरजमल लल्लुभाई जवेरी मेनेजिंग ट्रस्टी नियत किये जाते है।

प्रस्ताव नं. ८

जैन शिक्षक सुधारणा परिषद्–राजकोट ने जैन ज्ञान प्रचारक मडल स्थापित करने के लिये जो प्रस्ताव भेजा है उसको यह कमेटी पसद करती है और जैन शिक्षण के प्रचारार्थ "**जैन ज्ञान प्रचारक मडळ**" नामक एक नवीन विभाग स्थापित करती है और उसको हिन्दी और गुजराती इन दो विभागों में विभक्त करती है। गुजराती विभागमें उसके प्रस्ताव में उल्लिखित महानुभाव कार्य करेंगे और उसकी उद्देश्य—पूर्ति के लिये **जैन ज्ञान प्रचारक मडल** (गुजराती विभाग) फड खोला जाता है इस फड के कार्यारभ में यह कान्फरेंस रु० ७५१) देने की स्वीकृति देती है। इस मडल की देख रेख में **जैन शिक्षण परीक्षा, अध्यापक-परीक्षा,** और **सीरीज** ये तीन कार्य होंगे। साथ ही साथ यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि कान्फरेंस आफिस की तरफ से ऐसा ही एक हिन्दी विभाग खोला जाय और उसके कार्यारभ में भी कान्फरेंस ७५१) रु० देवे।

प्रस्ताव नं. ९.

रतलाम की अपेक्षा वीकानेर में कालेज खोलने से खर्चे आदि में कमी, और पडित, मकान, प्रवध आदि की विशेष सुभीता हो सकेगी अत यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि ट्रेनिंग कालेज रतलाम के वजाय ३ वर्ष के लिये वीकानेर में खोला जाय।

इस कालेज की प्रवधकारिणी समितिमें निम्न लिखित—महोदय चुने जाते है —

१— सेठ मेघजीभाई थोभण जे पी ववई
२— ,, वेलजी लखमशी नपु B A L L B ,,

३— ,, सूरजमल लल्लूभाई जौहरी
४— ,, वरधमानजी पीतलिया — रतलाम
५— ,, मोतीलालजी मूथा — सतारा
६— ,, दुर्लभजी भाई जौहरी — जयपुर
७— भैरोंदानजी सेठियाजी — बीकानेर
८— ,, कन्हैयालालजी बांठिया — भीनासर
९— ,, सरदारमलजी भंडारी. — इन्दौर
१०— आनन्दराजजी सुराना. — जोधपुर
११— ,, सुगनचंदजी बैद — बीकानेर

इस कमेटी का कोरम ५ का होगा और प्रबंधकारिणी समिति के प्रस्तावानुसार अमल कराने का कार्य सेठ भैरोंदानजी सा को सुपुर्द किया जाता है और वे ही स्थानिक कमेटी नियत कर लेवें। अब कालेज का कार्य कमसी कम १ विद्यार्थियों के मिलजाने पर शीघ्र ही प्रारंभ किया जाय। कान्फरन्स की तरफ से यह प्रस्ताव लेकर श्रीमान् दुर्लभजी जौहरी और सेठ आनन्दराजजी सुराणा सेठियाजी के पास जावें और उनकी स्वीकृति लेकर कान्फरन्स ऑफिस में भेजें।

यदि बीकानेरवाले की स्वीकृति न मिले तो इस संस्था को सेठ मोतीलालजी मूथाके मंत्रित्व में पूना में खोल दिया जाय और उसकी प्र का समिति में मेम्बर निम्न प्रकार हों—

१ सेठ मेघजी थोभण जे पी
२ ,, वेलजी लखमसी B A. L L B
३ ,, सूरजमल लल्लूभाई जौहरी
४ वरधमानजी पीतलिया
५ ,, मोतीलालजी मूथा
६ ,, दुर्लभजी जौहरी
७ भैरोंदानजी सेठियाजी
८ कुंदनमलजी फीरोदिया — अहमदनगर
९ ,, किशनदासजी मूथा ।

अवशिष्ट दो सदस्यों का चुनाव करने का अधिकार मोतीलालजी मुथाको दिया जाता है । कालेज के प्रारंभिक खर्च के लिये ५००) रु० की स्वीकृति दी जाती है ।

प्रस्ताव नं. १०

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि प्रति घर चार आना फंड वसूल करने के लिये पूर्ण आन्दोलन किया जाय और प्राप्त हुए चन्दे मेंसे २५ प्रतिशत रखकर कान्फरेन्स शेष रुपयों को जरूरत पड़नेपर उस प्रान्त की प्रान्तिक परिषद् को सौंप दे—यदि उस प्रान्त में कोई प्रान्तिक परिषद् या प्रा० कमेटी न हो तो वह रुपया उस प्रान्त के नामसे कान्फरेन्स की वही में जमा हो और उसी प्रान्त के हित में खर्च किया जाय। जिस घर से १।) रु० एक मुश्त का० ऑफिस में आ जावेगा—उसको पुन: चार आना फंड देना न पड़ेगा ।

प्रस्ताव नं. ११

"जैन प्रकाश" अंक नं. ३३ में प्रकाशित लेख के अनुसार स्वयंसेवक मंडल स्थापित किया जाय और उसके सेनाध्यक्ष सेठ मोतीलाल जी मूथा—(सतारा) नियत किये जावें ।

प्रस्ताव नं. १२

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि जैन साहित्य की जितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई है और भविष्य में हो, उनमेंसे अपने सिद्धान्त से अविरुद्ध योग्य पुस्तकों को यह कान्फरंस पास करके उनपर अपनी मुहर अंकित करे । इस कार्य को सुसपन्न बनाने के लिये निम्न लिखित महाशयो की एक कमेटी नियम की जाती है । यही कमेटी कान्फरेन्स ऑफिसमें प्राप्त पुस्तकों की समालोचना करे। निम्न महाशय इस कमेटी के सदस्य हों ।

१—श्रीयुत् सेठ दुर्लभजी जवेरी—मंत्री
२ ,, किसनदासजी मूथा अहमदनगर
३ ,, भैरोंदानजी जेठमलजी बीकानेर
४ ,, जवेरचंदजी जादवजी कामदार

अवशिष्ट दो मेंबरों का चुनाव करने का अधिकार मोतीलालजी मुथाको दिया जाताहै । कालज के प्रारंभिक खर्च के लिये ५००) रु० कि स्वीकृति दी जाती है ।

प्रस्ताव नं. १०

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि प्रति घर चार आना फंड वसूल करने के लिये पूर्ण आन्दोलन किया जाय और प्राप्त हुए चन्दे मेंसे २५ प्रतिशत काटकर कान्फरेन्स शेष रुपयों को जरुरत पडनपर उस प्रान्त की प्रान्तिक परिषद् को सोप देवे—यदि उस प्रान्त में कोइ प्रान्तिक परिषद् या प्रा कमेटी न हो तो वह रुपया उस प्रान्त के नाममे कान्फरेंस की वही में जमा हो और उसी प्रान्त के हित में खर्च किया जाय। जिस घर से ६।) रु० एक मुश्त का० आफिस में आ जावेगा—उसको पुन चार आना फंड देना न पडेगा ।

प्रस्ताव नं. ११

" जैन प्रकाश " अक न ३३ में प्रकाशित लेख के अनुसार स्वयसेवक मडल स्थापित किया जाय और इसके सेनाध्यक्ष सेठ मोतीलाल जी मूथा—(सतारा) नियत किये जावें ।

प्रस्ताव नं. १२

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि जैन साहित्य की जितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं और भविष्य में हो, उनमेंसे अपने सिद्धान्त से अविरुद्ध योग्य पुस्तकों को यह कान्फरन्स पास करके उनपर अपनी मुहर अंकित करे । इस कार्य को सुसपन्न वनाने के लिये निम्न लिखित महाशयों की एक कमेटी नियम की जाती है । यही कमेटी कान्फरेन्स ऑफिसमे प्राप्त पुस्तकों की समालोचना करे। निम्न महाशय इस कमेटी के सदस्य हों ।

१—श्रीयुत्	सेठ दुर्लभजी जवेरी—मत्री		
२	,,	किसनदासजी मूथा	अहमदनगर
३	,,	भैरोंदानजी जेठमलजी	वीकानेर
४	,,	जवेरचंदजी जादवजी कामदार	

प्रस्ताव नं. १७

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि आजसे दो मास तक यदि कहीं से कान्फरंस को अधिवेशन करने का आमन्त्रण न मिले तो कान्फरंस आफिस सर्व प्रथम अहमदनगर श्रीसंघ को और यदि उक्त श्रीसंघ उसे स्वीकृत न करे तो मुंबई के श्री संघ को आमन्त्रण देने के लिये आग्रह करे। यदि ये दोनों संघ स्वीकृति न देवें तो कान्फरंस दफ्तर नाताल के अवसर पर अपना वार्षिक अधिवेशन मुंबई में करे।

प्रस्ताव नं. १८

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि डिरेक्टरी तैयार करने का काम कान्फरेंस ऑफिस स्वयंसेवक मंडळ द्वारा शीघ्र प्रारंभ करें।--

प्रस्ताव नं. १९

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि जैन साहित्य प्रचारार्थ एक हिन्दी और दूसरी गुजराती इस तरह दो समितियां स्थापित की जाय और उनके मेंबरों का चुनाव कान्फरंस ऑफिस करे।

प्रस्ताव नं. २०

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि मुंबई कमेटी के मौके पर अजमेर निवासी दि० ब० सेठ उमेदमलजी लोढा के पास कान्फरंस फंड के रु० ७०००), जो कि इनसे लेने बाकी है, को वसूल करने के लिये एक डेप्युटेशन बंबई में गया था-जिसके जवाबमें उनने डेप्यूटेशन को संतोषकारक जवाब देते हुए यह कहा था कि यह रकम ६ रु० सैकडा व्याजपर ब्यावर मिल में जमा रक्खी है-लेकिन अबतक वह रकम या उसका व्याज कान्फरंस को मिला नहीं है अतः उसको प्राप्त करने के लिये उनके उत्तराधिकारियों के साथ ऑफिस पत्र व्यवहार करे। इस पर भी यदि उनकी तरफसे संतोषजनक उत्तर न मिले तो निम्न महाशयों का एक डेप्युटेशन उनके पास भेजा जाय—

१ ला० गोकुलचंदजी-दिल्ली   २ सेठ वेलजी भाई

प्रस्ताव नं. २१

संवत् १९८२ के लिये बजट निम्न प्रकार मंजूर किया जाता है—

३०००) ऑफिस खर्च   २०००) प्रकाश खर्च
१०००) उपदेशक खर्च   ६००) जैन इन्सपेक्टर खर्च

४५) अर्धमागधी कोष   ११०) जैन दे काबेज (६ मासके लिये)
७५) प्रेस उठने का खर्च १५) जैनधर्म शिक्षण परीक्षा अध्यापक परीक्षा तथा साहित्य प्रचार। इसमें से ७५) गुजराती विभाग में और ७५०) हिंदी विभागमें खर्च किया जाय।

प्रस्ताव नम्बर २२

प्रेस एवं कोष की पूर्णतया देखरेख रखने के लिये एक कमेटी नियत की जाती है और उसके निम्न लिखित महाशय सदस्य हों—

१ सेठ सुखलालजी श्रीश्रीमलजी-बाजारी बाजार-इंदौर.
२ „ मोतीलालजी C/o मेघजी मोतीचंदजी भाभा
३ मगनलालजी चंपालालजी छिंदवा-सर्राफ
४ „ गोकुलदास हरखचंद जवेरी
५ सरदारमलजी भंडारी

प्रस्ताव नम्बर २३

श्रीमान् सेठ मोतीलाल जी मूथा प्रेसिडेन्ट जनरल सेक्रेटरी ने कान्फरंस ऑफिस का कार्य बड़े प्रेम और परिश्रम के साथ किया है इसके लिये यह कमेटी आपका अन्तःकरण से उपकार मानती है।

प्रस्ताव नम्बर २४

पाकीस्तानमें मरेशने जैन समाज की धार्मिक भावना को जो क्षति पहुंचाई है—उसको यह कमेटी नाराजगी की निगाह से देखती है और उसपर खेद जाहिर करती है।

प्रस्ताव नम्बर २५

श्रीमान् सेठ गुलाबचंदजी मीठूलालजी बीद आदि बंबई-निवासी महानुभावोंने ऐसा भाव बतलाया कि आगामी अधिवेशन-बम्बईमें करना अच्छा है इस से यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि आगामी अधिवेशन बंबई में करने का सबसे प्रथम प्रयास किया जाय

प्रस्ताव नम्बर २६

बंधारण कानून (नियमावली) जो इस इसके साथ शामिल है—वह पास किया जाता है।

उपरोक्त सभी प्रस्ताव सर्व सम्मतिसे पास हुए हैं।

हस्ताक्षर —गापरचंद—प्रमुख

ख

श्री श्वे. स्था. जैन कॉनफरन्स

सप्तम अधिवेशन मुंबई.

(ता० ३१-१२-२६, ता १-२-जानेवारी १९२७)

मलकापुर अधिवेशन बाद मुंबई मुकामे ता० ३-४-५ एप्रिलना जनरल कमिटीनी बेठक थई हती। तेमा कॉन्फरन्सना सातमा अधिवेशन माटे श्री मुंबई संघे आमंत्रण आप्यु। त्यारबाद मुंबईमाज कॉन्फरन्स ऑफिस होवाथी तेमज मलकापुर अधिवेशनना ताजा उत्साहथी। उत्साही रेसीडन्ट सेक्रेटरीओना अथाग प्रयत्नोथी समय बहुज थोडो होवा छतां, मुंबईमा कॉन्फरन्सनु सातमु अधिवेशन भरवानु कार्य वेगभर आगल वध्यु। मुंबईमा आखा हिंदुस्थानना दरेक प्रांतोना स्था जैनो वसता होवा छता परस्पर संप लागणी अने धर्मोन्नति माटे पूर्ण धगश होवाथी जुदा जुदा विभागमा कार्यनी वहेंचणी करी वीजली वेगे कार्य चाल्यु। सुवर्णमा सुगंध मले तेम आ अधिवेशनना प्रमुख बिकानेर निवासी दानवीर सेठ भैरोंदानजी सा सेठियानी वरणी थई। अने अधिवेशन ता० ३१ डीसेंबर १९२६ तथा १-२ जान्युआरी १९२७ नातालना तहेवारोमा भरवानु नक्की कर्यु। मुंबईमा मोटा पाया उपर तैयारी चाली। जाहेर वर्तमान पत्रो तेमज श्री जैन प्रकाश द्वारा लोकमत सारी रीते केळव्यो ते उपरांत गामोगाम प्रचारकोने कोन्फरन्सनो संदेशो पहोंचाडवा मोकलावी आप्या। आ रीते समय थोडो होवा छता मुंबई जेवा प्रगतिप्रेरक शहेरमा, मानवता संघपति श्रीमान् शेठ मेघजी थोभण, श्रीमान् सेठ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी, श्रीमान् सेठ वेलजी लखमशी नपु, तेमज अनेक आगेवान व्यक्तियोना शुभ प्रयासथी मुंबईनुं अधिवेशन सफलतानी संपूर्ण टोचे पहोंच्यु तेमा जराय शंका नथी दिवसो तदन नजीक आवी गया। जुदी जुदी कमीटीओ तथा स्वयंसेवकना उत्साहे मुंबई संघनु काम दीपी निकळ्यु। बीकानेरथी प्रमुखसाहेब, बीकानेरना अग्रगण्य सेठियाओ, तेमना पुत्रो, तेमज तेमनी विद्यालयना अने ट्रेनींग कॉलेजना विद्यार्थीओना रसाला साथे रवाना थया।

सघना नेता स्वर्गस्थ शेठ तुलशीदास भोनजी वोरानी पुत्री चि कुसुम व्हेने कुकुम तिलक, अक्षत अने नवरतन एव साचा मोतिओथी आपनी अभ्यर्थना करी। त्यारबाद स्वागत समितिना प्रमुख शेठ मेघजीभाई थोभण जे पी ए हारतोरा वडे आपनु स्वागत कर्यु। पछी झालावाडी सघनी तरफथी यहाना प्रसिद्ध सोलीसीटर श्री वृजलाल खीमचदे हार तोरार्थी आपनु स्वागत कर्यु।

स्टेशनथी कादावाडी स्थानक लई जवाने माटे, पहेलाथीज पुष्पमालाओथी शणगारेली एक मोटर तैयार राखवामा आवी हती। स्पेशीयल ट्रेनमाथी उतरीने, आप ते मोटरमा बीराज्या। आ वखते प्रेक्षकोनी मेदनी अने तेओनी दर्शन आतुरता एटली वधी वधी गई हती, के ३०० स्वयसेवकोनो खास प्रवध होवा छता तेमनो प्रवध करवो मुश्केल थई पडयो हतो। तोपण दरेक जग्योए शाति अने प्रसन्नतानु साम्राज्य व्याप्त थई रहेलु हतु।

सरघस यात्रा.—प्रमुखसाहेबने कादावाडी स्थानक सुधी सरघस साथे लई जवाने माटे पहेलाथीज प्रवध करवामा आव्यो हतो। मोखरे कोन्फरन्सना स्वयसेवको कोन्फरन्सनु सोनेरी मोटु बोर्ड तथा विविध रगना वावटाओ लईने हारवध चाली रह्या हता। सरघसनी पाछल स्त्रीओ पण मागलिक गीतो गाती गाती आवती हती। तेओनी रक्षाने माटे स्वयसेवकोद्वारा सारी व्यवस्था करवामा आवी हती। रस्तामा जवेरी वझार आदि अनेक मुख्य २ जग्याए प्रमुखश्रीनु स्वागत करवामा आव्यु हतु। छेवटे सरघस वोरीवदरथी धोवी तलाव, काफर्ड मारकेट, मगळदास मारकेट, झवेरी वझार आदि मुख्य २ रस्ताओमाथी पसार थईने कादावाडी स्थानक आवी पहोंच्यु हतु। त्या विराजमान् मुनिश्री नानचंदजी महाराजना दर्शनथी पवित्र थईने प्रमुख सुखानदनी वाडीमा पधार्या हता। आ सरघसमा वहारथी पण पधारेल स्वधर्मी बधुओए सारी सख्यामा हाजरी आपी हती। टुकमा आजसुधीमा कोईने नही मळेल एवु श्री मुबई सघे प्रमुखश्रीनु स्वागत कर्यु हतु।

अधिवेशन प्रकरण

प्रथम दिवसनी बेठक

माधवबागमा ना मेदानमा उभो करवामा आवेल विशाल मडपमा ता ३१ डीसेम्बर ना दिने प्रथम दिवसनी वेठक थई। प्रारभमा वालिकाओए सुमधुर

त्यारपछी मंगलाचरण कर्युं । त्यारबाद स्वागताध्यक्षनुं भाषण प्रमुखश्रीनी चुंटणी अने पछी प्रमुखश्रीनुं भाषण थयुं । त्यारबाद सहानुभूतिना आवेल तार तथा पत्रो वांचवामां आव्या । पश्चात् विषय निर्धारिणी समितिनी चुनाव थया अने रात्रे सबजेक्ट कमिटिनी बेठक थई हती ।

बीजा दिवसनी बेठक

जेम जेम समय पसार थतो गयो तेम तेम सभामण्डप माणसोथी चीकार भरपूर थई रह्यो हतो । ज्यारे प्रमुख श्री सभामण्डपमां पधार्या त्यारे सभाजनोए हर्षना जयनादोथी सन्मानपने गजावी मूक्यो हतो ।

कार्यनी शरुआतमां पहेला मुनिमहाराज श्री नानचन्द्रजी ज्यारे पधार्या त्यारे सभामण्डप जयनादोथी गाजी उठ्यो हतो । महाराजश्रीए सुमधुर वाणीद्वारा व्याख्यान आप्युं के ए बतावी आप्युं के मनुष्यमां शक्ति अथवा बळ छे के जेनाथी अंतरंग शत्रुओनो नाश थई शके छे । जातिभेदनो रिवाज नुकसानकारक छे । धर्म समाज अने ईसाईओमां जेवो रिवाज आजकाल प्रचलित छे तेवो ज रिवाज श्रीमान् भगवान् महावीर स्वामीना समयमां पण हतो । समस्त जाति अने तेनी प्रजाथी पराये ज्यारे १ हुं विचार करुं छुं त्यारे २ मारा हृदयने सखत दुःख थाय छे । मुनिश्रीना जातिभेद दूर करवा संबंधना हृदयद्रावक अने प्रभावशाली भाषणे उपस्थित श्रोताजनना हृदयमां सचोट असर करी अने बतावी आप्युं के समाजनी उन्नतिनो आधार स्त्रीशिक्षणपर छे । नीतरोगनी पण आपश्रीए खास आवश्यकता बतावी अने बाद आपश्रीए बोर्डींग संबंधी विवेचन कर्युं हतुं । त्यारबाद श्रीयुत् चिमनलाल चकुभाई एक हजारनी सखावत रु. १ मुंबईमां रहेता जैन विद्यार्थीओने स्कोलरशीप देवा माटे घोषणा करी हती । जेना उत्तरमां मुनिश्री नानचन्द्रजी महाराजे कह्युं के आटलाथी मने संतोष नहि थई शके । शिक्षणप्रचारना माटे लाखो रुपीयानी सखावत थवी जोईए । त्यारबाद महाराजश्री त्यांथी विदाय थया हता ते वखते भक्तिमां रंगीन बनेल श्रोताजनो एकवार फरीथी सभामण्डपने जयनादोथी गुंजावी मूक्यो हतो ।

अधिवेशन कार्यनी शरुआत थई । बालिकाओना मंगलाचरण बाद स्वर्गस्थ भगवानदास ना मरण प्रति दिलगीरी बतावनारो ठराव पास थयो । त्यारबाद अनेक प्रस्तावो थया अने बेठक बीजा दिवसना माटे मुलतवी राखवामां आवी ।

त्रीजा दिवसनी बेठक

आजे लोकोमा उत्साह घणो हतो । दरेकना हृदयमा विजयोल्लासे स्थान लीधु हतु । खरा कार्यनो दिवस आज हतो प्रारंभमा मुनिश्री नानचदर्जी महाराजनु प्रभाविक भाषण थयु । आपश्रीए फरमाव्यु के जैनोना त्रणे फिरकाओमा एकतानी खास जरूरत छे ।

आज धर्मना नामे जे विद्वेष फेलाणी छे ते बुद्धिमान सज्जनोने माटे बहु दुखदायी छे । श्रीमत लोको महान् नथी परतु ए मोटाई लक्ष्मीनी छे । परतु लक्ष्मीथी पण वधारे महत्ता ते माणसोनी छे जेओ परमार्थ अने परोपकार करे छे । तेओनु जीवन एक साधु महात्मानु जीवन छे ।

शु तमारे बहु प्रस्ताओ पास करवा छे प्रस्ताओं पास थवाथी शु त्हमे खुशी थशो के ? लेखित बहु प्रस्तावो पास थया हता । शिक्षाना सबधमा गईकाले बहु वातचित थई हती । अग्रेजी शिक्षणथी नुकशान थयु छे एवो विचार पण फेलाया हतो । ए ठीक छे के इग्रेजी शिक्षाथी अमोने नुकशान थयु छे । राष्ट्रीय शिक्षणनी अमोने जरूर छे । गईकाले घणा भाईओए अग्रेजी शिक्षा विरुद्ध पोताना हाथ उपर कर्या हता । परतु तेओने पुछवु जोइए के तमो तमारा बालकोने अग्रेजी शिक्षण लेवरावो छो के नहि ? कोइ २ ए रुपीआ देवाना भयथी विरोध कर्या हतो । यदि राष्ट्रीय शिक्षा देवानी तमारी मरजी होय तो जरूर दो परतु तेना माटे मोटा पायापर तमारे तैयारी करवी जोईए ।

जे वात सब्जेक्ट कमिटिमा कहेवानी हती ते वात जनरल अधिवेशनमा कहीने चालता प्रवाहने शामाटे रोकवो ? आ उत्साहने रोकवाथी लाभ नथी । हु पोते राष्ट्रीय शिक्षानो हिमायती छु । परतु आ वखते तो समाजमा कोईपण शिक्षा नथी । एटला माटे शिक्षण सबधी प्रबध जलदी करवो घटे छे । एना माटे लाखो रुपीआनी जरूर छे । हजारथी काम चालवानु नथी । कोइ कहेशे के, महाराजे लक्ष्मी विषयक काईपण न बोलवु जोईए । परतु लक्ष्मी उपरना तमारा मोहने दूर करवानो अधिकार छे । श्रीमानोए पोतानी संपत्तिनो सदुपयोग गरिब जनो माटे करवो जोईए । श्रीमानोए पोताना कल्याणने माटे दानशीलतानो परिचय कराववो जोइए ।

सप्तम अधिवेशनमां पास थयेल प्रस्तावो.

(१) आपणा देशना प्रसिद्ध नेता अने कर्मवीर स्वामी श्रद्धानंदजी महाराजनुं एक धर्मांध मुसलमान द्वारा खून थयेल छे, तेने आ सभा राष्ट्रीय मेंहाने आपत्ति समजती होवाथी अत्यंत खेद अने तिरस्कार जाहेर करे छे

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (२)

(२) आ सभा ठराव करे छे के —

(अ) कोन्फरन्सनु प्रचारकार्य योग्य पद्धतिथी सारीरीते चाले ते माटे दरेक प्रातमा एक एक ऑनररी प्रातिक सेक्रेटरीनी चुटणी करवामा आवे

(ब) दरेक प्रांतिक सेक्रेटरीने तेनी मागणी अनुसार एक पगारदार आसिस्टट राखवानी छूट आपे छे अने तेना खर्चने माटे ऑफिस तरफथी अर्धी ग्राट आपवामा आवशे परतु ते कोई पण सयोगोमा मासिक रु० २०) थी अधिक नहि होय, वाकीना खर्च माटे प्रातिक सेक्रेटरी पोते प्रवध करे, ते प्रांतमाथी वसुल थयेल रुपीया फडमाथी कोन्फरन्सना नियमानुसार जे रकम ते प्रातने आपवामा आवशे, तेनो उपरोक्त खर्चमा उपयोग करवानो अधिकार रहशे

(क) जे महाशयोए प्रान्तिक सेक्रेटरी तरीके कार्य करवा स्वीकार्युं छे अने भाविष्यमा जे महाशय स्वीकारे, तेमाथी ऑफिस प्रातिक सेक्रेटरीनी चुटणी करे

प्रस्तावक —लाला टेकचंदजी साहेब
श्रीयुत् कानमलजी शार्दूलसिंहजी
अनुमोदक —घेलाभाई हंसराज.

प्रस्ताव (३)

(३) श्री श्वे स्था जैन समाजना हितने माटे पोतानु जीवन समर्पण करवावाळा सज्जनोनो 'वीरसघ' स्थापन करवानी जरूरीयात आ कोन्फरन्स स्वीकारे छे अने ते माटे शु शु साधनो जोईए, तेने केवी रीते एकठा करवा ? कया कया सेवकोनी केवी योग्यता होवी जोइए, सघनो क्रम तथा तेना नियमो-

पत्रिका हुं देशा ओढए, इत्यादि दरेक विषयोनी निर्णय करवा माटे नीचे ग्रहस्थ महाशयोनी एक कमीटीनी निमणुक करवामां आवे छे आ कमीटीए आवती ३ महिनानी अंदर पोतानो रीपोर्ट कार्यकारिणी समितिने करो

१ शेठ भेरोंदानजी शेठीया
२ ,, सुरजमल लल्लुभाई झवेरी
३ वेलजी लखमशी नप्पु
४ ,, कुंदनमलजी सा फिरोदीया B A LL B M.L.C
५ अमृतलाल दलपतभाई शेठ M L.
६ राजमलजी सा ललवाणी M L C
७ ,, धीमनलाल चकुभाई M A L L B

प्रस्तावक—श्री कुंदनमलजी फीरोदीया B.A.LL.B.M.L.C.
अनुमोदक—पंडित लालन
स्वामी सर्वानंदजी
,, दुर्लभजी त्रिभोवन झवेरी

प्रस्ताव (४)

(४) समस्त स्थानकवासी समाजमां संवत्सरी पर्व एकज दिवसे मनाववामां आवे तेवी व्यवस्थाना आ कोन्फरन्स स्वीकारे छे अने नीचे ग्रहस्थ सद्गृहस्थोनी एक कमीटीनी निमणुंक करे छे. ते महाशयोने उचीत छे के तेओ प्रतिनिधिरूप पोताना अग्रताकनो पक्ष न करतां पूर्ण विचारपूर्वक संवत्सरीने माटे एक दिवस निश्चित करे ते प्रमाणे समस्त संघ संवत्सरी पाळे तथा मुनि महाराजने पण प्रार्थना छे के ते आ प्रस्तावने कार्यना रुपमां परिणत करवा उपदेश आपे अने पोते पण कार्यना रुपमां परिणत करे.

कमीटीना मेंबर

शेठ चंदनमलजी मुथा
,, किसनदासजी मुथा
,, नाराचंद पारीया आमनगर.
हेमीदास लदमीचंद पेथरीया

प्रमुख साहेब तरफथी

प्रस्ताव (५)

(५) कोन्फरन्सनो संदेश दरेक प्रातमा बरावर पहोंची शके ते माटे प्रातिक कोन्फरसोना अधिवेशन करवानी खास जरुरत छे, ते माटे दरेक प्रातिक सेक्रेटरीओने आग्रह करवामा आवे छे के तेओ पोताना प्रातमा प्रातिक कोन्फरसो भरवानो खास प्रयत्न करे

प्रस्तावक —**लाला प्रभुरामजी**

अनुमोदक —**मगनमलजी कोचेटा**

प्रस्ताव (६)

(६) आपणी समाजने सुसगठित करवाने माटे दरेक गाम अने शहेरोमा मित्रमडळ, भजनमडळी, व्यायामशाळा, अने स्वयसेवकमडळोनी जरूरीयातनो आ परिषद् स्वीकार करेछे, अने दरेक गामना आगेवानोने आवा मडळो जलदी स्थापवाने माटे आग्रहपूर्वक निवेदन करे छे,

प्रस्तावक —**सुरजमल लल्लुभाई झवेरी**

अनुमोदक —**अमृतलाल दलपतभाई शेठ**

,, **सुदरजी देवचद**

प्रस्ताव (७)

(७) कोइ पण स्थानना पचे नाना नाना गुन्हाओ माटे आरोपीने जन्मभर माटे जातिवहार न मूकवो, एवो आ कान्फरन्स आग्रह करे छे

प्रस्तावक —**शेठ राजमलजी ललवाणी** M L C

अनुमोदक,—**शेठ नथमलजी चोरडीया**

प्रस्ताव (८)

(८) परिषद् दरेक प्रकारनी शिक्षानी साथे साथे तेना प्रमाणानुसार जरूर-पूरतु धार्मिक शिक्षण राखीने एक स्थानकवासी जैन शिक्षा प्रचार विभाग स्थापित करे छे, अने ते द्वारा नीचे लखेला कार्यो करवानी सत्ता जनरल कमीटीने आपे छे

१ गुरुकुल समान संस्था स्थापन करवा । आ कॉन्फरन्स स्वीकारे छे अने स्वागत कमीटीने सूचना करे छे के फंडनी अनुकूलता थतांनी साथेज गुरुकुल खोलवामां आवे

२ ज्यां ज्यां कॉलेज होय त्यां त्यां उच्च अने माध्यमिक शिक्षण लेनारा विद्यार्थीओ माटे छात्रालय (Boarding House) खोलवुं तथा स्कॉलरशीप आपवानी व्यवस्था करवी

३ उच्च शिक्षा प्राप्त करवा माटे भारतवर्षनी बहार जनारा विद्यार्थीओने लोन (Loan) स्कॉलरशिप आपवी अने होशियार विद्यार्थीने अन्य कौशल्य शिल्प अने विज्ञानमां उच्च शिक्षा प्राप्त करवा माटे स्कॉलरशीपो आपवी

४ प्रौढ अध्यापको अने अध्यापिकाओ तैयार करवी

स्त्री शिक्षण माटे स्त्री समाजोनी स्थापना करवी

६ जैन ज्ञान प्रचारक मंडळ द्वारा निश्चित थयेल योजनाने कार्यमां परिणत करवी तथा जैन साहित्यनो प्रचार करवो.

७ हिन्दी अने गुजराती अने मराठी माटे जुदी जुदी सेंट्रल लायब्रेरी स्थापित करवी तथा पब्लिक लायब्रेरीओमां जैन साहित्य राखवानी सूचना

प्रस्तावक.—श्रीमान् कुंदनमलजी फीरोदिया बी ए एल एल बी., एम एस सी

अनुमोदक—श्रीमान् राजमलजी ललवाणी एम एल सी

त्यारबाद शेठ मेघजीभाई पोमणे जमा कर्युं जाहेर कर्युं के.—"पूनामां बुरहानी शाळा छे विद्यार्थीओनी आवकोने पोषवाने भणी सारी छे क्यां पण भीडो आवशे तेथी पूनामां जैनो कॉलेजमां भणता विद्यार्थीओ माटे एक बोर्डिंग स्थापवा एक कमीटीना हाथ नीचे नीमे प्रमाणे नीम्या छे बोर्डिंग संबंधी कुल सत्ता कमीटीना हाथमां रहेशे

शेठ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी
हेमजी लखमशी मप्पु
„ पूनमचंद नेमचंद शाह सोलापुर.
मोतीलालजी मुथा—सतारा
कुंदनमलजी फीरोदिया B A L L B—अहमदनगर.
„ मेघजी पोमण

आ प्रमाणे जाहेर कर्यु अने ते कमीटीना मेम्बर बीजा त्रणने पसद करी कमीटी नीमशे एवी सरते पूना वोर्डिंग करवाने मोटा फडनी आवश्यकता छे

उपरनी दरखास्तने शेठ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी तथा बीजा भाईओए अनुमोदन आपवाथी जयजिनेन्द्रना ध्वनि वच्चे फडनी शरुआत करवामा आवी

प्रस्ताव (९)

९ जैनधर्मी त्रणे सप्रदायोमा ऐक्य अने प्रेमभाव उत्पन्न करवानों समय आवी पहोंच्यो छे, अने आ विषयमा त्रणे सप्रदायोमा प्रयत्न पण थई रहेल छे, एवी स्थीतिमा घाणेराव–सादडीना स्थानकवासी भाईओने जे अन्याय त्याना मदिरमार्गी भाईओ तरफथी थई रहेल छे, ते सर्वथा अयोग्य छे एवु समजीने आ कोन्फरन्स श्वे जैन कोन्फरन्स अने तेना कार्यकर्ताओने सूचना करे छे के तेओ आ विषयमा जल्दी योग्य व्यवस्था करीने सादडीना स्थानकवासी भाईओ उपर थई रहेल आ अन्यायने दूर करे अने आपसमा प्रेम वधारे ।

आ कान्फरस मारवाड, मेवाड, माळवा अने राजपूताना स्वधर्मीबंधुओने सूचित करे छे के तेओ पोताना सादडीनिवासी स्वधर्मीवधुओनी साथे जाति नियमानुसार बेटीव्यवहार करी सहायता करे, आ प्रस्ताव सफळ करवा माटे कोन्फरन्स ऑफिस व्यवस्था करे ।

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (१०)

(१०) समस्त भारतवर्षना स्था जैनोनी आ परिषद् श्री शत्रुजय तीर्थ सवधी उपस्थित थयेल परिस्थिति उपर पोतानु आन्तरिक दुःख प्रगट करे छे अने पालीताणाना महाराजा अने एजट टु धी गवर्नरजनरलना निर्णय विरुध्ध पोतानो विरोध प्रगट करे छे अने आशा करे छे के ब्रीटीश सरकार आ विषयमा श्वेतावर वधुओने अवश्य न्याय आपशे खास करीने पालीताणा नरेश समा हिंदु राजा पासे आ परिषद् एवी आशा करे छे के श्वेतावर वधुओनी धार्मिक भावना अने हक्कोने मान आपवानी तेओ उदारता वतावे

प्रमुख महोदय तरफथी.

प्रस्ताव (११)

(११) मुवईना तवेलाओमा दूधथी उतरेला पशुओना थता भयकर सहारने रोकवाने माटे ते जानवरो खरीद करी अने सुरक्षित स्थानमा राखवानी अने

प्रस्ताव (१५)

(१५) अजमेरनिवासी शेठ **मगनमलजी** साहेब, शेठ **तुलसीदास मोनजी** वारा, शेठ **लखमीचंदजी डागा बीकानेर** तथा शास्त्रोना सारा जाणकार अमदावादनिवासी डो **जीवराज घेलाभाई** L M & S ना स्वर्गवासथी समाजने जे हानि थई छे, ते माटे परिषद् शोक प्रदर्शित करे छे

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (१६)

(१६) महाराजाधिराज जोधपुर नरेशे मादीन पशुओना पोताना स्टेटमा हमेशाने माटे निकाश वध करी छे, अने सवत्सरीने दिवसे जैनीओनी प्रार्थनाओने स्वीकारी जीवहींसा वध राखी आ तहेवार उपर छुटी राखवा हुकम आप्यो छे, ते माटे आ परिषद् धन्यवाद आपे छे अने आशा करे छे के तेओ भविष्यमा पण आवा पुन्यमय कार्यमा योग देता रहेशे आ प्रस्तावनी नकल महाराजा जोधपुरनरेशनी सेवामा तार द्वारा मोकलवामा आवे

प्रस्तावक —**आनदराजजी सुराना.**
अनुमोदक —**राजमलजी ललवाणी.**

प्रस्ताव नं. १७

(१७) आ परिषद् श्राविकाश्रमनी आवश्यकता स्वीकारे छे, अने मुबईमा श्राविकाश्रम स्थापन करवा अथवा कोई बीजी चालु सस्थामा जोडीने चलाववा प्रमुख साहेबे जे रु १००० आप्या छे, तेमा मदद आपवा माटे अन्य दरेक बधु अने व्हेनोने आग्रहपूर्वक अनुरोध करे छे साथेज बीजी सस्थानी साथे जोडवामा आपणा धर्म सबधी कोई पण बाध न आवे तेनो पूरो ख्याल राखवामा आवे.

मारवाड माटे बीकानेरमा शेठीयाजी द्वारा स्थापित श्राविकाश्रमनो लाभ लेवाने माटे मारवाडी व्हेनोनु ध्यान खेंचवामा आवे छे, अने आ उदारता माटे शेठीयाजीने हार्दिक धन्यवाद आपे छे

प्रस्तावक —**केसरव्हेन**
अनुमोदक —**सुरज व्हेन.**

प्रस्ताव (१८)

(१८) आ परिषद् मुंबई सरकारने अरज करे छे के गोवध तथा दूध देनाराओ अने खेडने उपयोगी पशुओना वध बंध करवा प्रबंध करे अने मुंबई म्युनिसिपल तथा समाजोने आग्रहपूर्वक निवेदन करे छे के तेओ आने सफळ बनाववानो योग्य प्रयास करे.

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (१९)

(१९) भारतवर्षना समस्त स्थानकवासीओमां कोन्फरन्सना कार्यनी दर दश वर्षे तैयार करवामां आवे प्रथम डीरेक्टरी कोन्फरन्स तरफथी चालु वर्षमां करवामां आवे

प्रस्तावक—कुंदनमलजी फीरोदीया B A L L B M L C

अनुमोदक—शेठ वर्धमानजी पीतलीया

„ जगजीवन दयाळ

प्रस्ताव (२०)

(१) आ परिषद् प्रस्ताव करे छे के वर्तमान समये भारतवर्षमां आर्थिक मानवना नामथी वेजीटेबल घीना प्रकारनी चरबीना दूध देनाराओ अने खेडने उपयोगी पशुओने हानि पहोंचवानो संभव छे आ वेजीटेबल घीमां चरबीनुं मिश्रण होय छे अने स्वास्थ्य सुधारक केवळ तत्त्व तेमां न होवाथी तेमनी धार्मिक जातिओ साथे स्वास्थ्यथी पण अत्यंत विचार थाय छे ते माटे आ परिषद प्रस्ताव करे छे के अहिंसा अने आरोग्यने अर्थमां राखीने वेजीटेबल घीनो सर्वथा बहिष्कार करवामां आवे अने तेना प्रचारमां कोई पण प्रकारनुं उत्तेजन न देवाने आग्रह करे छे

प्रमुख स्थानेथी।

प्रस्ताव (२१)

(१) धर्मा प्रान्तमा रहेता धर्मना कहेता पोताना धर्मने विरुद्ध मांसाहार करी रह्यो छे ते माटे आ कोन्फरन्स प्रस्ताव करे छे के त्यां सारा उपदेशकोने मोकलीने मांसाहार रोकवानो प्रबंध करवामां आवे

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (२२)

(२२) समाज साथे सबध धरावता अनेक सामान्य प्रश्नो समाज सन्मुख आवे छे ते प्रश्नोनु निराकरण करवा अने जैन धर्मी त्रणे सम्प्रदायोमां आपसमा सद्भाव उत्पन्न करवा माटे आ परीषद् उक्त त्रणे सम्प्रदायोनी एक सयुक्त कोन्फरन्सनी जरुरीयात स्वीकारे छे अने तेनी प्रवृत्ति करवाने माटे समस्त फिरकाना आगेवान नेताओनी कमीटी शीघ्र बोलाववाने माटे कोन्फरन्स ओफिसने सत्ता आपे छे।

प्रस्तावक—**मी घोधावट**
अनुमोदक—**कुवर दिगविजयसिंहजी.**
„ —**लल्लुभाई करमचद दलाल.**

प्रस्ताव (२३)

(२३) भारतना सकळ स्थानकवासी जैन साधु मुनिराजनु समेलन शीघ्र भरवानी जरुरीयात आ कोन्फरन्स स्वीकारे छे। अने तेने माटे कोन्फरन्स ओफिस योग्य प्रबंध करे।

प्रस्तावक—श्रीयुत् **दुर्लभजी केशवजी**
अनुमोदक—**राजमलजी ललवाणी.**
„ —„ **चीमनलाल चकुभाई**

प्रस्ताव (२४)

(२४) कोन्फरन्से जे चार आना फन्ड स्थापित करेल छे। तेने बदले हवे पछी दरेक घरेथी रु १) प्रति वर्ष लेवानो प्रस्ताव पास करवामा आवे छे। प्रतिनिधि तेज थई शकशे के जेणे वार्षीक रु १ दीधो हशे।

प्रस्तावक—**श्रीयुत् राजमलजी ललवाणी.**
अनुमोदक—श्रीयुत् **आनदराजजी सुराणा.**

प्रस्ताव (२५)

(२५) बाळलग्न, कन्याविक्रय, वृध्धविवाह, अनेक पत्नीओ करवी वगेरे कुरिवाजोथी आपणा समाजने दरेक प्रकारे हानि पहोंची छे, ते माटे आ कोन्फरन्स दरेक प्रान्तना आगेवानोने आवा कुरिवाज नाबुद करवा माटे यथाशक्ति प्रयास करवाने माटे आग्रह करे छे।

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (२९)

(२९) अखिल भारतवर्षीय श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन स्वयसेवक दळना सेनापति श्रीमान् शेठ मोतीलालजी सा मुथा तथा मत्री श्रीमान् शेठ नथमलजी साहेब चोरडीया तेमज मुबई अने बहारगामना स्वयसेवकोए जे अपूर्व सेवा बजावी छे, ते माटे आ कोन्फरन्स आभार माने छे

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (३०)

(३०) आ महासभानु प्रमुखस्थान स्वीकारीने अने तेनी कार्यवाहीने फतेहमदोनी साथे सफळ बनाववा माटे श्रीमान् दानवीर शेठ भेरोंदानजी साहेबनो आ कोन्फरन्स आभार माने छे

प्रस्तावक —**शेठ मेघजीभाई थोभण**

अनुमोदक —**शेठ डायालाल मकनजी झवेरी**

प्रस्ताव (३१)

(३१) मलकापुर अधिवेशन पछी ओफिसने मुबई लावीने प्रमुख तरीके शेठ मेघजीभाई थोभण जे पी अने रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरीओ तरीके शेठ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी अने शेठ वेलजीभाई लखमशी नप्पु B A L L B ए जे उत्साहपूर्वक सुदर काम कर्यु छे, ते माटे तेमने धन्यवाद आपवामा आवे छे

प्रमुख स्थानेथी ।

प्रस्ताव (३२)

(३२) प्रसिद्ध मुनिश्री चोथमलजी महाराजना सदुपदेशथी हिन्दु कुळतीलक महाराणा उदेपुरे भगवान महावीरनी जयंति चैत्र शुदि तेरसे अने महाराज कुमार साहेबे भगवान् पार्श्वनाथनी जयति पोष वदि १० ने दिवसे पोताना तमाम स्टेटमा हमेशाने माटे जे अगतो पळाववानो हुकम आप्यो छे ते माटे आ परिषद् ते बन्ने महानुभावोने धन्यवाद आपे छे अने आशा करे छे के भविष्यमा पण तेओ आवा पुन्यमय कार्योमां अग्रतम भाग लेता रहेशे, आ प्रस्तावनी नकल महाराणा अने महाराजकुमार उदेपुर, महोदयनी सेवामां तार द्वारा मोकलवामा आवे

प्रस्तावक —**आनदराजजी सुराना**

१६	जीवराज पेचर कोठारी	,,
१७	अमृतलाल रायचद झवेरी	,,
१८	याजीलाल मोतीलाल शाह	,,
१९	दीपचद गोपालजी लाडका	,,
२०	साकरचद भीमजी भीमाणी	,,
२१	चत्रभुज नरसिंहदास	,,
२२	मोतीलालजी मूथा	सतारा
२३	रामजीभाई जादवजी	मुंबई
२४	जगजीवन टोसाभाई	,,
२५	राजा तेरसी	,,
२६	निहालचद रामचद लुणिया	सतारा
२७	मदनमल कुदनमल कोठारी	,,
२८	नथमलजी फूलचदजी	,,
२९	गोकुलदास प्रेमजी	मुंबई
३०	वरजीवन लीलाधर	,,
३१	उजमीभाई माणिकचद ह० । मणिलाल चुनीलाल.	पालणपुर
३२	पासु आनदभाई	मुंबई
३३	खेराज नथूभाई	,,
३४	दुर्लभजी त्रिभुवन जवेरी	,,
३५	साकलचद जैचद भीमाणी	मुंबई.

यहार से मिले हुए वोट.

सेठ	वरधमाणजी पीतलिया का मत	सेठ	मोतीलालजी मूथाको
,,	रूपमलजी छोगमलजी	,,	,,
,,	किशनदासजी माणिकचदजी	,,	,,
,,	चदनमलजी	,,	,,
,,	चदनमलजी भगवानदासजी	,,	,,

बरावर १ वजे मीटींग का कामकाज शुरू हुआ। श्री० वृजलाल खीमचद सोलीसीटर के प्रस्ताव और श्री० मोतीलालजी कोटेचा के अनुमोदन से श्री. सेठ मेघजीभाई थोभण जे पी ने प्रमुख का स्थान लिया था। बादमें रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरी श्री. सुरजमल लल्लूभाई झवेरी ने आमत्रण

प्रस्ताव नं. ३.

गतवर्ष के हिसाब को जाच करने के लिये मेसर्स नगीनदास एन्ड माणिकचद कु० को आनररी ऑडीटर नियत किया जाता हैं।

प्रस्तावक --सेठ दीपचद गोपालजी

अनुमोदक --,, जगजावन डोसाभाई

प्रस्ताव नं० ४

पूना बोर्डिंग की कमेटी की तरफ से सूचित किया गया है कि पूना बोर्डिंग के जनरल सेक्रेटरी तरीके सेठ बृजलाल खीमचद सोलीसीटर नियत किये गये हे, इसकी नोध ली जाय।

प्रस्ताव नं. ५

बोर्डींग की कमेटी की तरफ से जनरल कमेटी के मेंम्बरोंमेंसे एक मेंबर को बोर्डींग की कमेटी मे नियत करनेकी माग रक्खी गई जिसपर सेठ जेठालाल रामजी के प्रस्ताव और सेठ वरजीवन लीलाधर के अनुमोदन से सेठ नगीनदास अमुलखराय की उस जगह पर सर्वानुमति से नियुक्ति की गई।

प्रस्ताव नं० ६

रे जन सेक्रेटरी सेठ सूरजमल लल्लुभाई झवेरी ने सेठ अमृतलाल रायचद झवेरी की अपना मत्री तरीके नियुक्ति कर निम्नलिखित खातोंका काम उनको सौप देनेकी सूचना दी (१) हिसाबी खाता (२) प्रेस (३) कोष (४) जैन ट्रेनिंग कालेज (५) श्राविकाश्रम ।

इसके उपरात वीरसघ के सेक्रेटरी तरीके सेठ दुर्लभजीभाई त्रिभुवन झवेरी की नियुक्ति की गई।

प्रस्ताव नं० ७

कोषका काम हाल मे इन्दौर में चल रहा है जिसका कपोझींग और प्रिंटींग चार्ज प्रतिफार्म लगभग रु० २९) पडता है। उसके बदले लिंबडी में जशवतसिंहजी प्रिंटींग प्रेस में रु० १६) के भाव से यह काम हो सकता है इसलिये प्रस्ताव किया जाता है कि कोष का ४ थे भाग का मेटर उपर्युक्त प्रेस-

में छपाया जाय और इस सम्बंध में उससे निश्चित एकरार कर लिया जाय । यदि समिति का कार्य सन्तोषजनक हो तो तीसरे साल का प्रकाशित काम भी इसी प्रेस में छपा लिया जाय और उसके प्रकाशन मूल्य श्रीयुत् सरदारमलजी भंडारी के पास भेज दिये जाया करें ।

प्रस्तावकः- सेठ सरदारमलजी भंडारी
समर्थक-- ,, जेठालाल रामजी

प्रस्ताव नं ८

संवत १९८२ की स्थायी शिक्षण कमेटी में पेश किया गया। उसमें आफिस खर्च मंजूर की हुई रकम से २७८।)॥ ज्यादा खर्च हुआ है उसे मंजूर किया जाता है । और रु १८७।) मलकापुर अधिवेशन रिपोर्ट वगैरे लेना निकलते हैं । उनकी रकम कुल खाते लिखकर यह खाता बन्द होनेका प्रस्ताव किया जाता है ।

श्रीजैन प्रचार मंडल के मंत्री मि॰कुन्दनमल मानजी पीत का पत्र कमेटी में पेश किया गया उसपर से प्रस्ताव किया जाता है कि—

(अ) बीकानेर में ता ७-१०-२६ को होनेवाली उक्त मंडल की जनरल सभाके प्रस्ताव नं. १२ के अनुसार जैन सिद्धांत संबन्धी जैन शिक्षण की परीक्षा जैन अध्यापक परीक्षा, आदि कार्योंमें मदद करनेके रु १२) की वार्षिक कॉन्फरेंसकी फंडमें से दिये जाय।

(ब) हिंदी विभाग में भी ऐसाही मंडल स्थापित होकर गुजराती विभाग की पद्धति से कार्य करने की संतोषकारक व्यवस्था होनेका ऑफिस को ज्ञात होगा तो इतनी ही रकम हिंदी विभाग को भी दी जाय।

(क) उक्त गुजराती खाते का प्रबंध करने के लिये उक्त मंडल के उपप्रमुख सेठ जेठालाल रामजी को कान्फरेंस ऑफिस की तरफसे मंत्री नियत किया जाता है।

प्रस्तावकः—सेठ मोतीलालजी मुथा
अनुमोदक—,, दीपचंद गोपालजी

प्रस्ताव नं ९

वालंटियर दल का संगठन करने तथा उनको व्यायाम साधन एवं शिक्षा देने आदि कार्यों के लिये १२) तक खर्च करने की सत्ता

सनाधिपति सेठ मोतीलालजी मूथा को दी जाती है और यह रकम "स्वय सेवक दल" का एक नया खाता खोलकर उस खाते में लिखी जाय।

प्रस्तावक—**सेठ वृजलाल खीमचद शाह**
अनुमोदक—,, **सुरजमल लल्लुभाई झवेरी**

सवत १८८३ के लिये निम्न लिखित बजट मजुर किया जाता है —

४०००) आफिम खर्च
२५००) जैन प्रकाश.
१२००) उपदेशक खर्च
१२००) जीवदयाका उपदेशक
६००) जैन इन्सपेक्टर
६०००) अर्धमागधी कोष
१२००) जैन ज्ञानप्रचारक मडल
१२००) स्वय सेवक दल

१७९००)

तिसरा दिन.

स्थान—कादावाडी स्थानक समय दोपहर ? बजे से

प्रारभ में सेठ दुर्लभजीभाई त्रि० झवेरा ने 'जैन ट्रेनिंग कालेज' सम्बध में मत्री का निवेदन पढकर सुनाया फिर निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वानुमति से पास हुए।

प्रस्ताव नं० १०

बीकानेर जैन ट्रेनिंग कालेज के लिये मासिक रु० ६००) के लिये खर्च की मंजूरा दा जाती है और फी बोर्डर तरीके ज्यादासे ज्यादा २० छात्रों को दाखिल करने की शिफारिश की जाती है।

प्रस्ताव नं ११

स्कॉलरशिप सम्बधी प्राप्त सभी अर्जिया कमेटीमें पेश की गई परन्तु यथेष्ट फडके अभाव में हाल किसी को भी स्कॉलरशिप दी नहीं जा सकती।

प्रस्तावक —सेठ व्रजलाल खीमचंद शाह
समर्थक — ,, जेठालाल रामजी

प्रस्ताव नं १२

मुंबई अधिवेशन के समय नियत की हुई गुरुकुल कमेटीने निम्न लिखित सज्जनों का एक डेप्यूटेशन खास १ संस्थाओं के निरीक्षणार्थ भेजना निश्चित किया है उस प्रस्ताव का यह कमेटी अनुमोदन करती है और यह कमीशन बिकानेर अधिवेशन तक अपनी रिपोर्ट भेज देवे ऐसा आग्रह करती है।

(१) सेठ दुर्लभजी त्रि. झवेरी
(२) पंडित रामनाथजी
(३) श्री पूनमचंदजी खींवसरा
(४) [illegible]चन्दजी श्री घोडावत
(५) ,, रतनलालजी मेहता.

उपरोक्त गृहस्थों के दूसरे किसी शिक्षणशास्त्री को भी भेजना उचित मालूम पडे तो रु ७) तक खर्च करने की ऑफिस को सत्ता दी जाती है। और डेप्यूटेशन में बाबू [illegible]चंदजी उदयपुरवाले को भी साथमें लेनेका निश्चय किया जाता है।

प्रस्तावक — सेठ अमृतलाल रायचंद झवेरी.

समर्थक — ,, मोतीलालजी कोचेटा

इसके बाद कमेटीके प्रमुख श्रीमान् मेघजीभाई थोभण जे. पी. का तथा र जन सेक्रेटरी श्रीमान् सूरजमल लल्लुभाई का आभार मानने की दरखास्त सेठ [illegible] भीमचंद सॉलिसीटर ने पेश की थी जिसका सेठ मोतीलालजीने अनुमोदन किया और जयध्वनिके साथ कमेटी विसर्जन की गई।

घ

बीकानेर खाते थयेलुं आठमुं अधिवेशन.
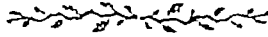
मुबई कोन्फरन्सना अधिवेशनमा श्रीयुत् मिलापचदजी वैद के जेओनी जन्मभूमि विकानेर छे परतु जेओ झासीमा वहोळी जागीर धरावता होवाथी घणा वर्षो थया त्याज निवास करी रह्या छे तेओए आठमु अधिवेशन विकानेर खाते भरवानु बीडु झडप्यु हतु, जो के विकानेर अने अन्य स्थळोमा घणा वर्षोथी चाल्या आवता विलायती अने गामठीना झगडाने लीधे एवी हिंमत एक साहस ज गणाय परन्तु साचा हृदयथी आदरेलु कोई काम आखरे पार पड्या वगर रहेतु नथी, कारण के तेवाओ पासे साधनो अने सहायको आकर्पाई आवे छे श्रीयुत् मिलापचदजीनी वाबतमा पण तेमज थयु जोधपुरवाळा श्रीयुत् आणदराजजी सुराणा, जयपुरवाळा श्रीयुत् दुर्लभजी त्रंभुवनदास झवेरी, मुवईवाळा श्रीयुत् अमृतलाल रायचद झवेरी, नीमचवाळा श्रीयुत् नथमलजी चोरडीया, तथा पाछळथी मुवईवाळा श्रीयुत् टी जी शाह, वगेरे केटलाक सेवाप्रेमी सज्जनो केटलाक दिवस अगाऊथी विकानेर जई पहोंचवाथी, जो के आमन्त्रणपत्रिका पहोंच्या वाद मात्र एकज अठवाडिया जेटलो टाईम रहेलो हतो छता स्थानिक सज्जनोनी सहायथी तमाम व्यवस्था घणीज त्वराथी अने सतोषकारक रीते थई शकी हती पाच हजार प्रेक्षकोनो समावेश थाय एवो भव्य मडप करवामा आव्यो हतो, कारण के त्रीश वरसना जाहेर जीवनवाळा अने लोकप्रिय नेता पासे त्रण त्रण वखतना आग्रह वाद प्रमुखपद स्वीकाराववामा आवेलु होवाथी तथा प्रसिद्ध व्याख्याता आचार्य श्री जवाहरलालजी महाराज विकानेरथी मात्र वे माईल जेटले दूर आवेला भीनासर गाममा होवाथी जुदा जुदा प्रातोमांथी मळीने छ सात हजार जैनोनी हाजरी थवानी गणत्री करवामा आवी हती, अने आ गणत्री लगभग साची पडी हती, कारण के जोके कोन्फरन्स सम्मेलनमा तो चार हजार जेटलीज हाजरी हती, तो पण ते उपरात सुमारे हजार स्त्री पुरुषो आचार्य श्रीना दर्शन माटे आवेला भीनासर सघे दर्शन करवा आवनाराओ माटे भोजन इत्यादिनी सारी व्यवस्था करी हती अने कोन्फरन्सनी

हतो अन जैन धर्म 'जैन कोन्फरेन्स' तथा प्रमुखनी जय बोलवामा 'आवी हती

प्रमुखनी मुसाफरी—थर्ड क्लासमां

छापाना प्रतिनिधिओए एक प्रश्नथी भारे रमुज उपजावी हती वेपारी कोमना प्रेसिडटने थर्ड क्लासमा मुसाफरी करता जोई तेमने ताजुबी थई हती अने तेथी ए प्रश्न थवा पाम्यो हतो श्रीयुत् शाहे जवाब आप्यो हतो के खरी रीते जोता तो हिंदनी कोई कोम आबादी धरावती नथी, अने जे थोडी व्यक्तिओ अकस्मातथी पैसो वरावे छे तेओए पण देश अने समाजनी अनिवार्य तगीओ नजर राखीने बीनजरूरी खर्चो छेकज ओछा करता शीखवु जोईए छे अने एवु शिक्षण देश अने समाजना नेताओना वर्तन परथी अने खास करीने आवे प्रसगेज जनताने मळवु शक्य छे कोन्फरन्स जेवा प्रसगे तो सामान्य जनतानी साथेज मुसाफरी करीने दरेक व्यक्तिना समागममा आववु जोईए अने वातवी द्वारा तदुरस्त विचारोना बीज नाखता जवु जोईए झालरापाटणना राज्यगुरु पडित गिरिधर शर्माए जणाव्यु के सत्ता भोगववा खातर नहि पण सेवा करवा माटेज जो सभापतिओ जोईता होय तो हिंदनी दरेक कोमे हवे आ प्रथाज स्वीकारवी जोईए 'प्रगति' पत्रना सपादक अने मालिक श्री परधुभाई शर्माए जणाव्यु हतु के साहित्यकार वर्गमाथी पसद करायली एक व्यक्तिनी लोकप्रियता समस्त साहित्यकार वर्गने माटे अभिनदनीय छे, एक विचारक अने फिलसुफ ज्यारे नेता बने त्यारे कई कई नवी अने तदुरस्त प्रथाओ दाखल थवीज जोईए तेमने उत्तर आपता श्रीयुत् शाहे कह्यु के, तदुरस्त के नादुरस्त ए वातनो निर्णय तो तमो पत्रकारोने सोंपा हु सख्याबध नवी प्रथाओ आ प्रसगे दाखल करवानो छु, जेमा प्रथम तो ए छे के प्रमुख तरीकेनु मारु भाषण में छपाव्यु पण नथी तेमज लख्यु पण नथी अने प्लेटफोर्मपर उभवानी छेल्ली घडी सुधी सघळी परिस्थितिओनु मात्र अवलोकन करवानोज में निश्चय कर्यो छे, के जेथी आदर्श अने व्यवहार बन्नेनो सुदर सयोग थई शके वळी हु समाजने दोरववाने बदले मात्र तेओनो आत्मा जगाडीने दूर रहेवा इच्छु छु के जेथी जाग्रत थयेलो तेमनो आत्मा पोतानो मार्ग पोते शोधी शके सभव छे के आ कोन्फरन्समा अगाउ कदापि नहि जोवामा आवेलु एटली हदनु लडायक बळ पण फाटी नीकळे, पण मने खात्री छे के मधुरू प्रभात प्रकाश' अने

थवाने बदले तेमनी भीनी आसेज उतार वाळ्यो हतो विकानेरथी पाछा फरता थलोल जरूर उतरवानो वधे समाज तरफथी आग्रह थता तेमणे आमन्त्रण स्वीकार्यु हतु

अन्यान्य स्टेशने स्वागत.

आगळ जता पालणपुर, जोधपुर, मारवाड जक्शन, पाली, सुरपुर, देशनोक इत्यादि इत्यादि स्टेशने सख्यावन्ध गृहस्थोए हाजरी आपीने साचा जिगरथी विश्वास अने प्रेम दर्शाव्यो हतो प्रत्येक स्थळे श्रीयुत् शाहने हारतोराथी लादवामा आवता हता च्हा, दुध तथा भोजननी सामग्रीथी आवेली पार्टीनी खातरबरदास करवामा आवती हती रात्रिना बे वागया सुधी पण प्रत्येक स्टेशन उपर एवी धमाल चाली रही हती अने केटलाको तो स्टेशनथी घणे दुरना गामोनाथी पण स्टेशने हाजर थया हता सघळाना चहेरा उपर नवीन आशा अने जिभपर आशिर्वादो हता दरेक स्थळे उपस्थित जनता वचे प्लेटफॉमपर उभा रहीने श्रीयुत् शाह सघ अने विद्यार्थिना मत्र आपवा चूकता नहि

विकानेर स्टेशने तो—

ता ५ मीनी सवारे नव वागे ट्रेईन थोभताज विकानेर, भीनासर अने गगाशहेरना सभावित गृहस्थो तथा वोलटियरोनी फोज साथे सेनाधिपति श्रीयुत् मोतीलालजी मुथाए जयघोषथी प्लेटफोर्म गजावी मूक्यु हतु, अने सादामा सादा पोषाकमा सज्ज थयेला, दुबळापातळा अने जीर्ण पण उचा शरीरवाळा प्रमुखने त्रीजा वर्गना डवामाथी नीचे उतरत ज कदावर शरीर अने भर्या च्हेरावाळा श्रीमत सेनाधिपतिए ज्यारे लश्करी ढबथी सलाम करी ते वखतनो देखाव कोइ अलैकिकज हतो, परतु ए नमन स्वीकारतु मस्तक, ज्यारे बालिकाए तेमन नवरत्नोथी वधाववाने हाथ लबाव्यो त्यारे ते निर्दोषतानी मूर्ति समक्ष तो ते मस्तक आपो आप नीचु हतु त्यारबाद प्रत्येक आगेवान् महाशय तरफथी कसबी हारो अने फुलना हारो वडे तेमने लादी देवामा आव्या हता। आ दबदबावाळु दृश्य जोवा सेंकडो प्रेक्षकोनी मेदनी एकठी थई गई हती, जेओनी वच्चेथी मुश्केलीपूर्वक रस्तो कापी नजदीकनी वेइटींग रुममां श्रीयुत् शाहने लइ जवामा आव्या हता ज्या मुबई अधिवेशनना प्रमुख श्रीयूत् भेरोंदानजी शेठिया अने वीकानेर अधिवेशनना स्वागताध्यक्ष श्रीयुत् मिलापचदजी वैद—एओए थोडीकवार प्रमुख

मुसाफरी करी आव्या छीओ माटे अमने रोको नहि।'' एटले तेओश्रीना बीकानेरना वसवाट दरम्यान अने मुसाफरीमा आवी मुलाकातो अविरत चालु रही हती

विजयादशमी·

अधिवेशननी पहेली बेठक—

आज साडाचार वागे शरु थइ हती, जे वखते सुमारे ४००० प्रतिनिधिओ अने प्रेक्षकोनी हाजरी हता स्त्रीओए पण सारी सख्यामा हाजरी आपी हती मडपमा दाखल थता सामेज विशाळ प्लेटफोर्म उपर प्रमुख महोदय अने स्वागताध्यक्ष माटे सोनाना पतराथी मढेली अने सिंहमुखना हाथावाळी खुरशीओ गोठववामां आवी हती, जेनी बन्ने बाजुए सन्मानित नेतावर्ग माटे खुरशीओ अने कोचो गोठववामा आव्या हता पाछळनी बाजुए विश्ववंद्य महात्मा गाधीजीना ओईल पेईन्टिंगनी साथे त्रण मोटा ओईल पेईन्टिग चित्रो टागवामा आव्या हता, के जे श्री वा मो शाह पदर वरस उपर लखेला 'श्री महावीर कहेता हवा' नामना पुस्तकमाना भावनाओने आधारे जयपुरवाळा श्रायुत् दुलभजी त्रि झवेरीए मुबईमा तैयार कराव्या हता ते चित्रोनो आशय अनुक्रमे 'आप बळ एज मुक्तिनो मत्र' 'नम्र सत्य एज परम हिंमत' अने 'प्रगति तेनु नाम छे के जेमा एक मनुष्य उटनी दशामाथी सिहनी दशामा अने तेमाथी बालक अथवा ज्ञानीनी दशामा आगळ वधतो होय छे,' ए मतलबनो हतो वळी जग्याए जग्याए उपदेशी वचनामृतोना बोर्ड लगाडेलां हता

वोलटियरोनी फोज पण सभाने दबदवो धीरी रही हती बराबर साडा चार वागे स्वागताध्यक्ष साथे प्रमुख महोदय पधारतां प्रथम बेन्डना मधुर सरोदे अने त्यारपछी बहार उभेला वोलटियरोनी जयघोषणाए स्वागत कर्यु हतु मडपमा प्रवेश करताज समस्त सभाए उभा थइने 'जिनशासन की जय 'जयजिनेंद्र,, 'सभापति महाशय की जय' इत्यादि घोषणाओथी वधावी लीधा हता प्रतिनमन करता करता सभापति प्लेटफोर्मपर पहोंच्या त्यारे प्लेटफार्म उपरना सभ्योए तथा स्वागताध्यक्षे सन्मानपूर्वक तेमने प्रमुख माटेनु सिंहासन रोकवा विनति करता तेमणे तेम कर्यु हतु

प्रारंभमां भाग्यना जैन बालमंडळना बाळकोए मंगलाचरण तथा स्वागत गीत गाया पछी मुंबईना रत्नचिंतामणी मंडळना बाळकोए मोंघेरा मिजमान नुं गीत गायुं हतुं त्यार पछी स्वागताध्यक्ष श्री मिलापचंदजी साहेबनुं छपेलुं स्वागत भाषण वंचायुं हतुं, जेमां बिकानेरना मूर्तिपूजकोना इतिहासना गौरवमय स्मरणो तथा जनसमाजनी परिस्थितिओनुं सुंदर वर्णन हतुं अने समाजोन्नति माटे केटलांक सूचनो हतां. उपसंहार करतां तेओश्रीए जणाव्युं हतुं के प्रमुखपद माटेनी दरखास्त अनुमोदन वगेरे विधि पाळवा समय गुमाववानी प्रथा प्रमुख महोदयना सूचनथीज जती करवामां आवी हती माटे तेमणे समाजनुं काम शरु करवा विनंति करी हती. ए विनंति हरखभेर मुंबईना रत्नचिंतामणी मंडळना बाळकोए.

जैन वाडीना पालक बनशां —

भले पधार्या वाडीलाल, वाडीलाल " ।

एवी पंक्तिओथी सर पहुं पवित्र स्वागती समाजनेता हृदयमां पडघो पाड्यो हतो ए गीत पुरुं थया बाद तेटलामां ज आठ वरसनी एक बालिकाए व्याख्यान पीठ परनां टेबल पर उभीने " बालक समाज तरफथी स्वागत हुं आपवा पामी शके " ए संबंधमां ज्यारे वानकडुं व्याख्यान कर्युं त्यारे तो समस्त सभामां नवजीवन अने चेतन जोर प्रसारनी स्फूर्तिनो संचार थयेलो जणातो हतो ते बालकीनी चेष्टा छे एम पुरवार थतां थोडामां जाण्युं के महिला परिषदनां प्रमुख श्रीमती शीखकुंवर बहेननी पुत्री हती

तारसंदेशाओ समजाववा निमित्ते प्रमुखनुं व्याख्यान

त्यारबाद प्रमुख महाशये व्याख्यानपीठपर आवीने सहानुभूतिना आवेला संख्याबंध संदेशाओ मांहेना थोडाक वांची संभळावीने तेना अर्थ करतां करतां प्रत्येक बोधात्मक अने व्यवहारु विवेचन करी बताव्युं हतुं अने धर्म समाज अने कोन्फरन्सनुं रहस्य समजाव्युं हतुं एमना आ प्रासंगिक भाषणने वधावनार महात्मा गांधीजीनो तार हतो जे खरेखर आश्चर्य जनक हतो

महात्मा गांधीनो तार संदेश

"Conferences nowadays *overdone* *Truly* religious conference should be only of *hearts*

introspective, not criticising or blaming others, but carrying on religious self-*examination*, taking all blame on oneself Jains pride themselves on possessing most rational logical humanitarian religion, but deny it by Swetambers and Digambers engaging in physical and legal fights Logic chogging or hairsplitting not conductive of growth From religious sense humanitarianism that which exhausts itself in anyhow protecting lower order

Life is hardly human-nay even become inhuman"

भावार्थ.

आजकाल कोन्फरसोनो राफडो फाट्यो छे खरा अर्थमा धार्मिक कोन्फरन्स कही शकाय एवु थवा माटे तो **आंतर्दृष्टिवाळां हृदयोनु जोडाण जोइए** (कारण के फक्त आतर्दृष्टि वाळी स्थितिमाज हृदयनो पडघो हृदय पाडी शके छे अने एकता के एकतारता प्रगटी शके छे)एक बीजाने शीरे दोषारोपण करवानी रीत छोडी सघळाओना दोषो पण पोताना माथ लई उंडु आत्मनिरीक्षण करवु जोइए (आत्मनिरीक्षण वगर सत्य दर्शन Perception—न होई शके अने ते वगर सत्यज्ञान-सम्यक्त्व-संभवे नहि, अने समकितना स्थिर प्रकाश सिवाय प्रगतिकारक चारित्र पण होई शके नहि तेथी, ज्या, आतर्दृष्टिनी तालीमज नथी त्या खरे रस्ते काम थवानो सभवज नथी.) बुद्धिना उपयोग-पूर्वक थती दयानो सौथी वधारे हिस्सो जैन धर्ममा छे एवु अभिमान जैनो धरावे छे, परन्तु ज्यारे तेओना श्वेताम्बर दिगम्बर सम्प्रदायो परस्पर मुकदमावाजी अने वाळ चीरवा जेवा बुद्धिवादनी लडाईमां उतरे छे त्यारे तेओमा उक्त दयानो अश पण नथी जोवामा आवतो आवा झगडाओ विकासक्रियाने रोके छे धार्मिक दृष्टिए तो 'दया' तेनु नाम छे के जेमा हलका पायरीना जीवोनी रक्षा माटे उंची पायरीना जीवात्माओए पोतानु बलिदान आपवु पडे आजकालना जीवनमा एवा 'दैवत्व' नी तो गंध नथी, परन्तु मनुष्यत्व पण अल्पांशेज रहेवा पाम्यु छे —एटलु ज नहिं पण अमानुषीपणु पण देखावा लाग्यु छे

जैनोनां हांय थवा पाम्यु हतु सदभाग्ये छेल्ली घडीए मारा तारानो पडघो पाडवानी सन्मति थवा पामी ए माटे हु पजाब जैन सघने एमना खरा जैनपणा माटे अभिनदन आपु छु

श्वे मू. जैन कोन्फरन्सनो तार.

श्वे मू. जैन कोन्फरंस ओफिसना प्रेसिडट अने जनरल सेक्रेटरी महाशयो तरफथी आ कोन्फरन्सने 'Brilliant Success' अथवा 'चळकती फत्तेह' इछनारो तार करवामा आव्यो हतो, जे वाचतां प्रमुखश्रीये जणाव्यु हतु के —

"सेंकडो भाषणोमा जेटलु अर्थगौरव नथी तेटलु आ तारना बे शब्दोमा हु जोऊ छु ए तारने आपणे लाखो धन्यवाद दइशु अने तेनी आशिष जीगरथी स्वीकारीशु"

श्रीयुत् ए बी लठे, दिवान (कोल्हापुर), श्रीयुत् अबालाल साराभाइ (अमदावाद), श्रीयुत् जी बी त्रिवेदी M L C (मुबई), श्रीयुत् लालचदजी शेठी (झालरापाटन) शेठ बिरलाजी (मुबई), श्रीयुत् मथुरादासजी मोहता (हिंगनघाट), रायकुमारसिंग बहादुर (कलकत्ता), श्री रतिलाल मोतिलाल मोतीचद शेठ (मुबई), श्री सी बी गालियारा (रगुन), श्री अमृतलाल दलपतभाई शेठ (पुना), श्रीमान् रायसाहेब गोपीचदजी (डेरा इस्माइलखान), 'महाराष्ट्रीय जैन' पत्रनी ओफिस (पुना), पंडित श्री गीरधारीलालजी शर्मा (झालरापाटन), स्थानकवासी जैनसघ, (रंगुन), पडित लालन (देहगाम), श्रीयुत् मगीलाल हाकेमचद उदाणी, M A L L B (राजकोट), श्रीयुत् लक्ष्मीदास रवजी तेरसी (कच्छ माडवी), श्रीयुत् न्हानालाल दलपतराम कवि, कन्होल स्थानकवासी जैन सघ, ब्रह्मचारीजी शीतलप्रसादजी (खडवा), 'न्दिल्ली इन्डीया' पत्रनी ओफिस, श्री सघ (मल्हाडगढ), श्री भट्टारक जीनचारित्रसूरी, श्री गोविंदजी नहार (बीजापुर), तारक दिगम्बर पथना सेक्रेटरी श्रीयुत् बुधिलाल जैन (सीओनी,) श्रीयुत् चिरजीलाल जैन (वर्धागज), श्रीयुत प्रतापमल चाठीया (कोटा), श्रीयुत् नरभेराम आणदजी मारफत लींबडी अने जेतपुर सघ, वोलटियर मडळ (अहमदनगर), लाला अमरसिंग जैन मडळ (अबाला), श्रीयुत् महासुखलाल जीवराज (मोरवी), श्री शातिलाल लक्ष्मीचद (रंगुन), झाझवाडसघ (मुबई), श्री वेलचद वकील (अमदावाद) श्री रामजी जादवजी दलाल (कुकावाव), बाबु पन्नालाल जैन हाइस्कुल (मुम्बई), श्रीयुत् माणेकचदजी शेठी F R

A S (झालरापाटन) श्री विश्वेश्वरनाथ (जोधपुर) श्रीयुत हरिचन्द पी शाह, वकील (मुंबई), श्रीयुत हीरालाल वकील (सोजत) श्रीयुत नेमचंद रांका (देवमोक) श्रीयुत अमृतप्रसाद जैन बेरिस्टर " बरि (बीकानेर) श्रीयुत मार्तंडराव चेनदास दोशी (राजकोट) श्रीयुत दामोदर रामचंद गांधी (बोटाद) भाई चेलाभाई आणंदजी मास्तर, (जामनगर) श्रीयुत हीरालाल एम. शाह, सोलिसिटर मुंबई अने बीजा घणाए पत्राधेक सहानुभूतिना तारो अने पत्रो पांची संमलनता हता

पंडित अर्जुनलाल शेठीनो तार (अजमेर)

To,

The President,

" Sorry badly indisposed, wish conference every success under your able and long wished for guidance Pray organise strong working body for emancipation of beguiled Jains. May truth inspiring soul of Lonkashah give us all strength enough to radically remove idol–worship cast distinction and mental slavery from among the masses Oniginal mission of Lord Mahavir must be resumed at all risks My services at your disposal. "

Shethi.

श्रीयुत बाबु चंपतराय जैन, बारिस्टर (हरदोई)

President,

Jain Conference,

" Wish conference success Trust b u lay foundation of lasting work of permanent value.

Champatrai Jain

प्रमुखनुं भाषण

स्वागत प्रमुख महाशये पण्डितजी के जैसे Presidential Address वांचे सूचवेल मानन हुं उमनी के मनी एव समजे मथी समजनी भाषा बनावी

ते आज्ञानो पडघो पाडवा पूरतोज हु अत्रे हाजर थयो छु अने एवा निश्चयथी हाजर थयो छु के जे कइ कामकाज मारा सूचन सिवाय ज तमो पोते पसद करी शको अने सर्वानुमते पसार करी शको तेवा कामकाजना तटस्थ प्रेक्षक तरिके मारे रहेवु

केटलाको पक्षपातथी मने निडर कहे छे, परतु हु पोते तो पोताने सामुदायिक कर्मोथी एटलो डरतो मानु छु के तमो सर्वनी अ.टली वधी ममता छता में, एक पण मार्गसूचन न करवु एवो निश्चय कर्यो छे,—एटला माटे के कोन्फरस तूटी पडे एवो अगर तो उपस्थित गृहस्थोमाना कोइने अजाणता पण आघात थवा पामे एवो एक पण शब्द में उच्चा.यो छे एवु कहेवानो कोइने एक पण प्रसग न मळे आ कोन्फरसना यश तेमज अपशयनो हु भागी नथी छेल्लु केटलुक थया एकात जीवनमा जे आध्यात्मिक मननना मने लाभ मळ्यो होय ते ज मात्र तमारी सेवामा रजु करी हु सतोष पकडीश एम तो में त्रीश त्रीश वरस सुधी तमारी समक्ष सेंकडो भाषणो अने हजारो लेखो धर्या छे अने वखतोवखत मार्ग सूचनो करता रहेवा साथे परतु कोन्फरस के कोइ पण सस्थाना एक सभ्य तरिके पण जोडाया सिवाय, कोन्फरस आदि लगभग तमाम प्रवृत्तिओमा आदिथी अत सुधी प्रवृत्तिनो मोटो हिस्सो झीलतो रह्यो छु, तेथी आजे मारे कइ नवु कहेवानु के सूचववानु भाग्येज रह्यु जतु होय वळी मारे हजी ए पण निश्चय करवाने बाकी छे के सत्य साभळवा खुशी अने आचरवा तैयार एवा प्रतिनिधिओ केटली सख्यामा हशे ! मात्र भाषण करवा खातर ज भाषण करवाथी, येन केन प्रकारेण कोन्फरसने तोडवा इच्छता कोइ वधुनो हाथ मजबुत करी आपवा सिवाय बीजु परिणाम भाग्येज आवी शके

आगळ जता प्रमुख महोदये धर्म अने तत्वज्ञाननो सवध तथा धर्मसघ अने कोन्फरस वच्चेनो सवध विस्तारथी सम-जाव्यो हतो, जे स्थळ सकोचने लीधे हवे पछीना अक माटे मुल्तवी राखीओ छीए.

त्यारबाद श्री दुर्लभजी झवेरीए सभाजनोने सुचव्यु हतु के विवेकपूर्वक अने शुद्ध हृदयथी काम करीने कोन्फरंसने सफळ करवी बादमा सबजेक्टस कमिटिनी चुटणी करवा माटे सभा बरखास्त करवामा आवी हती ते वखते आग्राना 'जैन पथप्रदर्शक' पत्रना तंत्री श्री पद्मसिंह जैने कोन्फरसना कामने मजबुत करवा माटे नवयुवकोनी एक सभा स्थापवा जाहेर अपील करी हती अने जाहेर कर्यु हतु के आवती काले सवारे कोन्फरसना मडपमां नवयुवानोए आवु एक मंडळ स्थापवा माटे एकठा थवु युवान वर्गे आ आमत्रणने उमगपूर्वक वधावी लीधु हतु

रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरीओ

श्रीयुत् मेघजीभाई थोभण

,, सुरजमल लल्लुभाई झवेरी

,, कुदनमलजी फीरोदीया

,, नगीनदास अमुलखराय

,, अमृतलाल रायचद झवेरी

प्रस्ताव ४ थो

(१) लोकमत केळववाना आशयथी सबजेकटस कमीटीनी बेठको तेमज जनरल कमीटीनी बेठकमा थतु कामकाज प्रेक्षक तरीके जोवानी तमाम प्रतिनिधिओ माटे छुट राखवामा आवी हती

प्रारभमा रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरी श्रीयुत् सुरजमल भाईए कमीटीनी आमत्रण पत्रिका वाची सभळावी त्यारवाद मुबई अधिवेशनना प्रमुख श्रीयुत् भेरोदानजी शेठी-याए दरखास्त मूकी के " बे वर्षने माटे कोन्फरन्स ओफिस मुबईमा राखवाना मलका पुर कोन्फरन्सना टराव मुजब कोन्फरन्स ओफिस आजथी बीजे कोई स्थळे फेरवी शकाय, परतु तेम न करता आगामी अधिवेशन सुधी मुबईमा राखवी अने जो आमत्रण न मळे तो त्रण साल अते ओफिस तरफथी अधिवेशन करवु " आ दरखास्त, लाला गोकळचदनी (दीली) नु अनुमोदन मळता, सर्वानुमते पसार थई हती

(२) त्यारवाद ओफिस-बेरर्स नियत करवानो प्रश्न नीकळ्यो सभापतिए जाहेर कर्युके, अधिवेशननी समाप्ति वाद ओफिसना प्रमुख तरीके हु काम करवा खुशी नथी हु तो फक्त कोन्फरन्सने तूटती बचाववा पूरतो भाग लेवाना निश्चयथी बीकानेर आव्यो छु, इत्यादि अत्रे सघळा सभ्योए कममा कम त्रण वर्ष प्रमुखपदे रही सेवा आपवा तेमने आग्रह कर्यो हतो, जेना परिणामे केटलुक स्पष्ट वक्तव्य बेउ बाजुथी थवा पाम्यु हतु आ वखतनो सभानो देखाव खरेखर दिल वहेलावनार हतो आ प्रसगे लखनौथी बाबु अजितप्रसादजी जैन M A LL B आवी पहोंच्या हता, जेओने सघळाओये सारो सत्कार आप्यो हतो सभानु कामकाज तथा खास करीने सभापति तरफनी सघळाओना असाधारण ममता जोइने तेमने आनद अने आश्चर्यनी उर्मिओ प्रकट करी हती एटलामा, श्रीयुत् मोतीलालजी मुथा तथा श्रीयुत् वृजलाल खीमचद शाह सोलीसीटर एओए श्रीयुत वेलजीभाई लखमशी B A LL B नी

प्रस्ताव ७ मो.

उपला ठरावमा जणावेली कमीटीने आ ठरावथी सत्ता आपवामा आवे छे के तेणे अर्धमागधी कोष अने प्रेस, श्राविकाश्रम, तथा पूना बोर्डींगना सबधमा पण योग्य तपास करीने घटतु करी लेवु

प्रस्ताव ८ मो.

जैन ट्रेनिंग कोलेज संबधी.

जूना विद्यार्थीओनो कोर्स पुरो थाय त्या सुधी, एटले के अदाज १॥ वर्ष माटे, जैन ट्रेनिंग कॉलेज श्रीयुत भैरोंदानजी शेठीआनी स्वतंत्र सत्ता नीचे विकानेरमा चालु रहे

प्रस्ताव ९ मो.

जैन शिक्षको मेळववानी सफळता उत्पन्न करवा संबधी.

जैनशाळाओ तथा धर्मज्ञान साथे प्राथमिक शिक्षण आपती स्कुलो माटे योग्य जैन शिक्षको मेळववानी मुश्केली दूर करवा सारु ना सरकार तथा देशी राज्यो तरफथी ज्या मेईल अने फीमेईल ट्रेनिंग कोलेजो चालती होय त्याना जैन स्कोलरोने जैन धर्मने लगतु शिक्षण आपवानी अने तेओनी ते विषयने पुरती परीक्षा लेवडाववानी व्यवस्था करवा साथे, आवा जैन स्कोलरोने शिष्यवृत्ति आपवानी योजना करवा आ कोन्फरन्स ठराव करे छे

दरखास्त —रा **चुनीलाल नागजी वोरा.** (राजकोट)

अनुमोदन —रा **दुर्लभजी त्रि झवेरी.** (जैपुर)

प्रस्ताव १० मो.

प्रजामत केळववा खातर 'प्रकाश' पत्रनी नवी व्यवस्था संबधी

आ कॉन्फरन्स आग्रह करे छे के धर्म, सघ अने कोन्फरन्सना हितार्थे कोन्फरन्सना 'जैन प्रकाश' पत्रनी व्यवस्था हवेथी सभापति पोताना हस्तक राखे, अने ते पत्रनी गुजराती तेमज हिंदी एम वे भिन्न आवृत्तिओ निकळे

दरखास्त—**रा व. काळीदास नारणदास पटेल** (इटोला)

अनुमोदन—**श्रीयुत मगनमलजी कोटेचा** (मद्रास)

प्रस्तावो १४ मो.

ओसिया (मारवाड) नजदीक खुलवानी बोर्डिंगने ग्रांन्ट.

श्रीयुत मगनमलजी कोचेटाए ओसिया (मारवाड) नी नजदीकना कोई अनुकुळ स्थानमा स्थानकवासी बोर्डिंग स्कुल खोलवानी अनिवार्य आवश्यकता जणाव्याथी एम ठराववामा आवे छे के, तेओए सभापति साथे मुसाफरी करीने योग्य स्थान मुकरर करवानु अने बनती स्थानिक मदद मेळवीने सस्था खोलवी अने तेम थएथी पाच वर्ष माटे मासिक रु ५०) व्यवहारिक केळवणीमाथी आपवानु मजुर करवामा आवे छे

सदरहु सस्थानु काम शरु थएथी श्रीयुत अमृतलाल रायचद झवेरीए सस्थाने वार्षिक रु १०० प्रमाणे आपवानु जाहेर कर्यु

दरखास्त—रा मगनमलजी कोचेटा
अनुमोदन—आनंदमलजी सुराणा

प्रस्तावो १५ मो.

स्कोलरशीपनी ग्रान्ट संबधी.

मी पदमसिंह ओसवाल उदयपुर निवासी विद्यार्थीने एक सालने माटे रु १८०] स्कोलरशीप फडमाथी आपवा

दरखास्त—रा दुर्लभजी झवेरी.
अनुमोदन—रा दुर्लभजी केशवजी.

प्रस्ताव १६ मो.

जीवदयानु साहित्य छपाववा माटे ग्रान्ट.

जीवदया प्रचारने लगतु साहित्य कोन्फरन्स ओफिसे छपाववु एवो आ कोन्फरन्स ठराव करे छे अने ते माटे रु ४०००] जीवदया फडमांथी खर्चवानी मजुरी आपवामा आवे छे

दरखास्त —रा सा चादमलजी नाहर (सागर).
अनुमोदन —श्री भगवतराय जैन वैद्य

कोई पण भागमाथी अपग जैनो तथा विधवा अने अनाथ बाळको शोधीने, तेओनी रक्षा माटे स्थपायली सस्थाओमा तेमने पहोंचाडवा अने बनी शके तो ते ते सस्थाआमा तेओने स्वधर्म सम्बन्धी ज्ञान देवानो प्रबध करावबो आ काम माटे करवा पडता खर्च सारू निराश्रित फडमाथी रु ५००) नी रकम श्रीयुत् अमृतलाल रायचद झवेरीने सोंपवी

दरखास्त, —श्री दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरी

अनुमोदन —श्री वृजलाल खीमचद शाह

प्रस्ताव २१ मो.

घाटकोपर सा जीवदया खाताने ग्रान्ट

घाटकोपर (मुबई) ना सार्वजनिक जीवदया खाताने जीवदयाफडमाथी रु. १०००) ग्रान्ट आपवानु ठरावबामा आवे छे

दरखास्त—रा. वृजलाल खीमचद शाहा–मुबई

अनुमोदन—रा दुर्लभजी केशवजी खेताणी

प्रस्ताव २२ मो

पुष्कर अजमेर पशुशाळाने ग्रान्ट

पुष्कर (अजमेर) खातेनी पशुशाळानी दयाजनक हालततु वर्णन श्री चद्रसिहजी छगनसिंहजी अजमेर निवासीए आपवाथी, ए खाताने तात्कालिक मदद आपवानी जरूर आ कॉन्फरन्स स्वीकारे छे, अने जीवदया फडमाथी रु १०००) नी रकम उक्त गृहस्थना हाथमा मूकवानु ठरावे छे, एवी शरते के तेमणे ते खातानी पूरी तपास करवी अने जरूर मुजब रकम आपता जवु तथा कॉन्फरन्स ऑफिसने हिसाब आपवो.

दरखास्त—रा नथमलजी चोरडीया

अनुमोदन—रा. आनंदराजजी सुराणा.

प्रस्ताव २३ मो.

मडोर (जोधपुर) गौशाळाने ग्रान्ट

श्रीयुत आनदराजजी सुराणाए मडोर (जोधपुर) नी गौशाळानी अत्यत दयाजनक दशानो अगत अनुभव कही बताववाथी ए सस्थाने तात्कालिक मदद

आपवानी आग्रह आ कॉन्फरन्स स्वीकारे छे अने जीवदया फंडमांथी रु. १   ) नी रकम तेमना कामर्मा मूकवानो ठराव करे छे एवी शर्ते के तेमणे ते खातानी पूरी तपास करवी अने जरूर मुजब रकम आपवा बाद तथा कॉन्फरन्स ओफिसने हिसाब आपवो.

दरखास्त—रा. सा. किसनलालजी बाफणा
अनुमोदन—रा. विजयमलजी कुमट

प्रस्ताव २४ मो

मंजुर करेली प्रान्तो बजेटमां सामेल करवा संबंधी

जुदी जुदी संस्थाओने माटे मंजुर करेली रकमो बजेटमां सामेल करवी

दरखास्त—रा. सुरजमल लल्लुभाई झवेरी
अनुमोदन—रा. वृजलाल धीमचंद शाह

प्रस्ताव २५ मो

सादडी प्रकरण

(अ) मारवाड मेवाड तथा मालवाना स्थानकवासी भाईओने आ कॉन्फरन्स आग्रहपूर्वक भलामण करे छे के बापिडाना सादडीमा स्वधर्मी भाईओने धर्म माटे जे मुश्केलीओ भोगववुं पड्युं छे तेवो प्रसंग फरीथी तेमने माथे कूदवा कन्या व्यवहार करवो

(ब) मेवाड प्रांतना श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तथा स्थानकवासी जैनो वच्चे तेमओ वर्षो समव्यवहार हेवा छतां केटलाक वखत धार्मिक झगडाओने कारणभूत बनावीने सामाजिक ऐक्यने घणेक धक्को पहोंचाडवामां आवे छे ते दूर करवा अने सामाजिक व्यवहारमां बंधे नहि पडवानी मुनि महाराजोने अरज करवा श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक कॉन्फरन्स ओफिसने आ कॉन्फरन्स समस्त जैन समाजना हितनी खातर आग्रहपूर्वक भलामण करे छे

(क) आ ठरावना व्यवहार अमल माटे जरुरी प्रयत्न करवानी सभा पतिने सत्ता आपवामां आवे छे

दरखास्त—रा. नथमलजी चारडीया
अनुमोदन—रा. मगपतराय जैन वैद्य—मालेरकोटला.

प्रस्ताव २६ मो.

सादाई धारण करती विधवा व्हेनोने धन्यवाद.

श्रीमती केशर वहेन (नथमलजी चोरडीयानी पुत्री), श्रीमती आशीवाई (श्री गणपतदासजी पुगलियानी पुत्री), श्री जीवावाई (पन्नालालजी मिन्नीनी पुत्री), श्री रामीवाई (चतुर्भुजजी चोरानी पुत्री) वगेरे विधवा व्हेनोए घरेणा तथा रंगीन कपडा पहेरवानु वध करी हाथे कातेल अने हाथे वणेल खादीना कपडा पहेरवानी प्रतिज्ञा लीधी ते माटे तेमने आ कोन्फरन्स धन्यवाद आपे छे अने वाजी विधवा व्हेनोने तेमनु अनुकरण करवा भलामण करे छे

दरखास्त—रा अमृतलाल रायचंद झवेरी
अनुमोदन—रा कनीरामजी वांठीया

प्रस्ताव २७ मो.

विविध कार्यवाहकोनो आभार

कॉन्फरन्सनी सेवा वजाववा माटे नीचे जणावेला गृहस्थोनो आभार मानवामा आवे छे —

(१) ऑफिस वेरर्स—श्री मेघजीभाई, श्री सुरजमलभाई, श्री वेलजीभाई, श्री अमृतलालभाई

(२) वीकानेर श्रीसघ, भीनासर श्री सघ, श्री मिलापचदजी वैद्य, श्री भेरोंदानजी शेठीया, श्री हमीरमलजी वाठीया श्री कनीरामजी वाठीया, श्री वादरमलजी वाठीया, श्री चपालालजी वाठीया

(३) स्वागत समितिना मत्रीओ—श्री राव सा गोपालसिंहजी वैद्य, श्री वुधसिंहजी वैद्य, श्री आनदराजजी सुराणा

(४) जनरल वर्कर्स अने हेल्पर्स—श्री मोहनलालजी वैद्य, श्री आनदमलजी, श्री श्रीमाळ, श्री तोलारामजी डागा, श्री केशरीमलजी डागा, श्री लुणकरणजी वछावत, श्री हजारीमलजी, श्री मगळचदजी माल्लु, वगेरे

(५) दोढ मास अगाउथी आवी सलाह आपी, अधिवेशन सफळ वनाववा माटे प्रवास करनार श्री दुर्लभजी त्रिभुवनदास झवेरी

(६) वोलटीयर कोर, श्री मोतीलालजी मुथा तथा श्री नथमलजी चोरडीया

च

जनरल कमीटी.

ता ३०–३१ डसेंबर सने १९२७

ता १–२ जान्युआरी सने १९२८

उपरोक्त कमिटिनी सभा ता ३० डीसेंबर शुक्रवारना रोज सवारना ११ ३० कलाके मुंबई मध्ये कादावाडी जैन स्थानकमा मळी हती. ते प्रसंगे लगभग सवासो ग्रहस्थोए हाजरी आपी हती, जेमा कमिटिना सभ्यो उपरात प्रेक्षकोए पण हाजरी आपी हती

प्रारभमा प्रमुखस्थानेथी श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाहे सभानु स्वागत करता दूर दूरथी आ कार्य माटे खास पधारेल सभ्योनो अने स्थानिक सभ्योमा थी उपस्थित सभ्योनो आभार मान्यो हतो

सभानु कामकाज शरू थया पहेला श्रीयुत् दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरीए जणाव्यु हतु के बहार गामथी आवेला भाईओने वधी वस्तुस्थितिथी वाकेफ थवाने माटे अव काश मळे, तेटला खातर जनरल कमीटिनी सभाओ आवती ता० १ जान्युआरी पर मुलतवी राखवी आ दरखास्तने श्रीयुत् कुदनमलजी फीरोदीया वगेरेनु अनु- मोदन मळ्ता आ बाबत उपर उहापोह थयो हतो परिणामे सर्वानुमते नीचेनो ठराव पास थयो हतो

बहारगामथी पधारेला गृहस्थोने जोइती माहिती मेळववानी सगवड मळे तेटला खातर जनरल कमिटिनी मीटींगना सबधमा जे बे आमत्रणपत्रिकाओ बहार पडी छे, ते बने मीटींगो ता० १–१–१९२८ ने दिने बार वाग्या सुधी Without prejudice मुलतवी राखवानी बने पक्षोने (आमन्त्रणकर्ताओने) अरज करता, तेनो स्वीकार करी मीटींग ता० १–१–२८ दिवसना बार वाग्या सुधी मुलतवी राखवामा आवे छे

आ पछी ता० ३१ मीए पण आ मुजबज ठराव करी सभा मुलतवी राख वानु ठरावता प्रमुख साहेबे जणाव्यु के जे महाशयो कोमनी बहेत्तरी माटे प्रयत्न करे छे, तेओना प्रयत्न सफळ थाय एवी अत्रे हाजर रहेला सर्व गृहस्थोनी इच्छामां मारी पण सामेलगीरी छे आवते रविवारे अत्रे मोटी सख्यामा पधारी आपनी धार्मिक फरज अदा करशो बाद हर्षनाद वच्चे सभा विसर्जन थई हती

१६ ,, धीरजलाल मदनजी
१७ ,, प्राणजीवन इन्दरजी
१८ , महासुखलाल डायालाल मफतजी पेचेरी
१९ ,, सागरचंद जेचंद भीमाणी
२० ,, चंदुलाल रायचंद
२१ ,, वरजीवनदास लीलाधर
२२ ,, माणेकलाल जकसीभाई
२३ ,, कीरतलाल मणीलाल लल्लुभाई
२४ ,, चीमनलाल पोपटलाल शाह
२५ ,, रतनशी तलकशी धनजी
२६ ,, देवीदास लक्ष्मीचंद घेवरीया
२७ ,, वेलजी लखमशी नपु
२८ ,, मूलजलाल खीमचंद शाह
२९ , सूरजमल लल्लुभाई झवेरी
३० ,, दीपचंद गोपालजी लाडका
३१ ,, दामोदर कमरचंद वदाणी
३२ ,, आणंदराजजी सुराणा
३३ ,, अमृतलाल मोतीचंद
३४ ,, वीरजी हीरा
३५ ,, नेणशी लालजी
३६ रा श्रीकमचंदजी रायचंदजी
३७ ,, शांतिलाल ठाकरशी
३८ ,, चंदुलाल मोहनलाल झवेरी
३९ ,, जगजीवन डोसाभाई
४० ,, गोकलदास शीवलाल
४१ ,, नेणशी हीराचंद
४२ ,, जमनादास खुशाल
४३ ,, मणीलाल चुनीलाल कोठारी
४४ ,, लाला गोकळचंदजी झवेरी
४५ ,, मेघजी थोभण जे पी
४६ ,, वर्धभाणजी पीत्तळीया

" आ कोन्फरन्सना प्रमुख श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाहे जे राजीनामु आपेल छे ते दिलगीरी साथे स्वीकारवामा आवे छे

आ ठरावनी विरुद्ध कोई पण न होवाथी प्रमुख सुद्धा आखी सभाए उभा थईने सर्वानुमते पास कर्यो हतो अने श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाह प्रत्येनु पोतानु मान प्रदर्शित कर्यु हतु आ पछी शेठ जगजीवन उजमशी तलसाणीयाए नीचेनो ठराव पण रजु कर्यो हतो, जेने शेठ दुर्लभजी केशवजी तरफथी अनुमोदन मळता नीचेनो ठराव पण आखी सभाए उभा थई सर्वानुमते स्वीकार्यो हतो

" श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाहे आपेला राजीनामा पछी आजनी जनरल कमिटिनी सभा ठरावे छे के आजनी बेठकनु कामकाज आवती काल सवारना ११ वागता सुधा मुल्तवी राखवु

तेओश्रीए विशेष विवेचन करता जणाव्यु के समाज सेवा माटे भोग आपनाराओनी टीका करवी व्याजवी नथी पण जुना अने नवा कार्यकर्ताओए सहकार करी काम लेवु जोईए अने तेमा युवानवर्गने आकर्षवो जोईए त्यार वाद शेठ माणेकलाल अमुलखराये श्रीयुत वाडीलालभाईनी समाज अने स्वधर्मनी सेवाओनु विवेचन करी तेमना राजीनामाथी समाजने पडवानी खाट गदगदीत कठे गणी वतावी हती अने तेमनी वखेल कलमनो लाभ समाजने मळतो वध न थाय ए वात विचारवा विनति करी हती त्यारवाद सभा विसर्जन थई हती

ता २-१-२८ सोमवारना रोज वपोरना वार वागते गई कालनी मुल्तवी रहेली सभानु कामकाज श्रीयुत कुदनमलजी फीरोदीयाना प्रमुखपणा नीचे शरु थयु हतु आजे पण उपस्थित गृहस्थोनी सही लेवामा आवी हती गई कालनु प्रोसीडींग वचाई रह्या वाद श्री धारसी झवेरचदे नीचेनो ठराव रजु कर्यो हतो

" जनरल कमिटिनी आ वेठक नीचे दर्शावेला सगीन कारणोथी गेरकायदेसरनी छे अने तेथी ते मोकुफ राखवामा अवे छे

१ जुदा जुदा प्रांतोना—शहेरोना सघो, वडी धारासभाना मेंवर, वकीलो अने सघपतिओ जेवा वजनदार सभ्यो तरफना ठरावो तथा प्रोक्षीओनी मोटी सख्या पोष्ट तथा तार द्वारा प्रमुखने मळेला होई, ते सर्व प्रमुखे अणधार्यु राजीनामु आपवाथी आ मीटींगमा काममा लेवानु अटकी पड्यु छे तेथी ते सर्व चीजोनी

मेरद्वारकीमां आ मीटींग एकमती ठरावो करनार कमीटीरूप बनी गया पछी ए रेझोलुशन छे

१ जे चोरपे मेंबरोने आमंत्रण पत्रिका मळाई छे ते चोरण बंधारण विरुद्धनुं छे जेथी घणा एकवार मेंबरो आ मीटींगमां हाजर थई शक्या नथी अने नवा मेंबरो भाग लेवा अटकी पड्या छे

२ प्रमुखने मेम्बरोना धोरणमा पंदर दिवसनी मुदतमां सेक्रेटरीए आपी मर्यादानी तथा पहोंचाडेल्या धोरणमां अपूर्ण हिसाबथी जे थोडा सदस्योने आमंत्रणपत्रिका मळी शकाई छे ते पण पहोंची नथी अने पैसर पण मारवाड पंजाब वगेरे प्रांतोमां पहुंच मोडुं पहोंच्युं छे तेथी घणा सभ्यो हाजर थई शक्या नथी

आ ठरावने श्री कल्याणदास अनुमोदन देवो आव्यो हतो. मत लेवातां आ ठरावनी तरफेणमां पांच अने विरुद्धमां पचीस मत मळ्या हता. हरखावाला करनारे पोल (Poll) मागतां (४) चार तरफेणमां (१) एक तटस्थ अने (५६) छप्पन विरुद्ध मोर्चाओ साथे थतां आ ठराव नामंजुर करवामां आव्यो हतो अने नीचेना ठरावो सर्वानुमते मंजुर करवामां आव्या हता.

२ शेठ बेरजीभाई कल्याणजी नंबु B A LL. B ने रीसीप्शन कमीटिना सेक्रेटरी नीमवामां आवे छे

३ शेठ मोतीलालजी मुथा ओनररी मेजिस्ट्रेट साताराबाळाने संयुक्त महामंत्री नीमवामां आवे छे.

४ शेठ पुरणमल कन्हैयालाल सानरीनुं दूसरी तरीकेनुं राजीनामुं मंजुर करवामां आवे छे अने तेओश्रीए जे कामकाज बजावेल छे ते माटे आ सभा तेओश्रीनो आभार माने छे.

५ शेठ बेरजीभाई कल्याणजी नंबुने दूसरी तरीके नीमवामां आवे छे

६ प्रमुख तरीके श्रीयुत चार्लीलाल मेतीलाल शाह बाबेनी आमंत्रणपत्रिकानी विषय सूचिना नं १-३-५-६ नी कलमो पोरवाल कोन्फरन्सना बंधारण संबंधमां नीमायेली कमिटि तरफ मोकलवामां आवे छे आ कमिटि आ विषयो उपर विचार करे अने बंधारणनी योजना मारफत यथोचित सुधारा करे एवी ए कमिटिने आ सभा सूचना करे छे

७ नियमावलीने वास्ते जे कमिटि निमवामा आवी छे तेमाथी शेठ मेघजीभाई थोभण अने शेठ सुरजमल ल्लुभाईने तेओए राजीनामा आपेला होवाथी मुक्त करवामा आवे छे अने नीचेना वधारे गृहस्थोने ते कमिटिमा निमवामा आवे छे

रा ब शेठ कालीदास नारणदास — ईडोला
शेठ दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरी — जयपुर
,, वृजलाल खीमचद सोलीसीटर — मुबई
,, देवीदास लक्षमीचद घेवरीया — पोरबदर

८ सवत १९८२ नी सालनो हिसाब अने सरवैयु ओडीटरोना रिमार्क साथे वाचवामा आव्या ते मजुर करवामा आवे छे अने ओडीटरो मेसर्स नगीनदास अने माणेकलाले ओनररी काम कर्यु छे ते माटे आ सभा तेओनो आभार माने छे

९ मी रतीलाल ल्लुभाई पासेना रु ३००) त्रणसो अने मी माणेकलाल अमृतलाल पासेना रु १०९) एकसो नव माडी वाळवा अने मलकापुर कोन्फरस पहेलाना खाताओमा हिस्सावार खाते उधारवा रु ७५००) पचोतेरसोनी प्रोमीसरी नोटो जे सीक्युरीटीओमा बतावबामा आवे छे ते रुपीया शेठ मगनमलजी हमीर-मलजीने खाते माडवा, कारण के ते सीक्युरीटीझ तेनी पासेथी मळी नथी आ रुपीया ७५००) पचोतेरसो अने बीजी चालु खातानी रकम मळी रु ९१६८)=।।। नव हजार एकसो ओगणोसीत्तेर पाणात्रण आना अनामत उघराणी खाते जमा करी मलकापुर अधिवेशन पहेलाना खाताओमा हिस्सावार खाते उधारवा

१० मुबई बोर्डींग खातामा रु ६१६॥≈।।। वसुल थया नथी, ए वसुल कर-वानु काम रे जनरल सेक्रेटरीए करवु ए बोर्डींग बध थई त्यारे सेक्रेटरी वगेरे कोण कोण हतु तेनी तपास करी तेनी पासेथी हिसाब लेवो, अने आ बाबतनो रिपोर्ट आवती कमिटिमा रजु करवो

नोट —शेठ वृजलाल खीमचद सोलीसीटर आ सभामां हाजर हता, तेमणे खुलासो कर्यो के क्यारे पण हु आ बोर्डींगनो सेक्रेटरी न हतो

११ पूना बोर्डींगना खर्च वास्ते चालु सालने माटे रु ५९०० पाच हजार नवसो मजुर करवामा आवे छे

१२ श्राविकाश्रमने वास्ते रु १५००, पंदर सो, वीरसघने माटे रु १०००, एक हजार, स्वधर्मी सहायक फड माटे रु २०००) बे हजार अने स्वयसेवक दलने माटे रु ५००) पाचसो मजुर करवामा आवे छे

जयपुर	,,	दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरी
गुळेदगुड	,,	लालचदजी शिरेमलजी मुथा
मुबई	,,	सुरजमल लल्लुभाई
,,	,,	वेलजीभाई लखमशी नपु
,,	,,	अमृतलाल रायचद झवेरी
,,	,,	वीरचदभाई मेघजी
,,	,,	गोकळदास प्रेमजी
,,	,,	उमरशी कानजी
,,	,,	माणेकलाल जक्षीभाई
,,	,,	लक्ष्मीचद डाह्याभाई
,,	,,	अमृतलाल मदनजी जुद्दा
,,	,,	दामोदरदास करमचद
,,	,,	जेठालाल रामजी

वेठकनु कामकाज शरु करता आमत्रण पत्रिका वाची सभळाववामां आवी हती लाला गोकलचदजी साहेबने प्रमुख नीमवामां आव्या हता त्यारबाद नीचे प्रमाणेना ठरावो सर्वानुमते करवामा आव्या हता

प्रस्ताव १ लो.

आपणी कोमना जाणीता आगेवान शेठ मेघजीभाई थोभण जे पी ना अवसानथी आपणा समाजने न पुरी शकाय तेवी खोट पडी छे ते माटे आ कमीटी अतरनो खेद प्रगट करे छे अने स्वर्गस्थे आ सस्थानी बजावेली अमूल्य सेवाओनी नोंध ले छे- तेमना कुटुबने तेमनी पडेली असह्य खोटमा हार्दिक दिलसोजी जाहेर करे छे

प्रस्ताव २ जो.

राजकोटना शेठ पुरुषोत्तम मावजी वकील तथा अहमदनगरना शेठ माणिकचद्रजी मुथाना स्वर्गवासनी आ कमीटी दीलगीरी साथे नोंध ले छे

सवत १९८३नो हिसाब ओडीट नहि थवाना कारण तरीके असल वाउचरो खूटता होवानु रे ज सेक्रेटरीए जणाव्यु हतु ते उपरथी ठराव करवामा आव्यो के —

१३ ता० २२ नवेम्बर १९२७ मा रु २००) तथा मीती सवत १९८४ कार्तिक वद १४ ता २२-११-२७ मां रु ११९।≈ तथा रु ८) ता १२-१२-२७ मा, कुल रु २१२५।≈ प्रकाश लवाजम खाते जमा छे तेमज तेज रकमो सेंट्रल वेन्कनी माडवी शाखा खाते उधारेल छे ते रकमो ओफीसमा वसुल थई नथी तेमज उक्त खातामा भरवामा आवी नथी, पण रा वाडीलाल मोतीलाल शाहे ते रकम मेळवेल तेमज पोताना नामे वेन्कमा खातु खोली तेमा भरेल पण कोन्फरन्सना चोपडामा पोतानी मुखत्यारीए नोंध करावेल तेथी ते रकमो चोपडामाथी काढी नाखवी एटले सामा हवाला पाडवा ओफीसने सत्ता आपवामा आवे छे ५) रा वाडीलाल मोतीलाले रु १००) नो एक इन्दुप्रकाश प्रेसने परवारो आपेल अने चोपडामा पोतानी मुखत्यारीए पोताना जमा करावी प्रेस खाते उधरावेल ते रकमो चोपडामाथी काढी नाखवा एटले सामा हवालो पाडवा ओफीसने सत्ता आपवामा आवे छे (६) वेतन खर्च, ओफीस खर्च अने टपाल खर्चमाथी रु १६४-१-९ नो हवालो लाभशुभ खाते नाखवो (७) श्री जैन प्रकाशना खर्चनो हवालो रु २४४१॥।≈ थी लाभशुभ खाते नाखवो

कमीटीनी वेठक आवती काले वपोरना वार वाग्या उपर मुलतवी रही हती

बीजा दिवसनी वेठक.

ता ३० जुनना दिने वपोरना एक वाग्ये श्री कादावाडी स्थानकमाज मळी हती, त्यारे नीचे जणावेल चार महाशयो वधु पधार्या हता

शेठ	वृजलाल खीमचद	मुंबई
,,	जमनादास खुशालदास	,,
,,	वृजलाल काळीदास वोरा	,,
,,	जगजीवन डोसाभाई	,,

प्रस्ताव ६ ठो.

जैन ट्रेनींग कोलेज, पुना बोर्डींग, शेठ फताजी त्रिलोकचदजी ब्रह्मचर्याश्रम, श्राविकाश्रम तथा वीरसघ ए मुजब पांच खाताने (ते ते रकमनु जे व्याज उत्पन्न थाय तेमांथी ओफिस खर्चना २५ टका वाद करीने) व्याज मजरे आपवु

शेठ देवीदासजी वेवरीया (पोरबंदर) विचार करीने, जो काई खास शास्त्रोक्त वाधो न आवतो होय तो ते प्रमाणे टीप तैयार करी चार मेम्बरोनी ते उपर सही करी तेने कोन्फरन्स ओफीस उपर मोकलवी आवे ते प्रमाणे छ परजी टीप कोन्फरन्स ओफिस तरफथी छपावी वहार पाडवामा आवे आ टीपनो समाजमा अमल करवा माटे आ कमीटी सर्व सप्रदायोना मुनि महात्माओ तथा सर्व श्रावक सघोने आग्रहपूर्वक विनति करे छे, अने आशा राखे छे के समाजमा आ प्रमाणेनो अमल थशे । तेमज तेना निर्विवाद प्रचारथी घणीज शाति फेलावा पामशे

प्रस्ताव ११ मो.

पजाबमा पूज्य सोहनलालजी महाराजनी टीप जुदी नीकळे छे माटे तेमने वधा साथे मळी अरज करवा नीचेना सद्‌गृहस्थोने डेप्युटेशनमा जवा आ कमीटी विनति करे छे

(१)	लाला गोकलचदजी	दिल्ही
(२)	शेठ वर्धभाणजी पीत्तलीया	रतलाम
(६)	शेठ धुलचदजी भडारी	,,
(४)	लाला टेकचदजी	जडीयाला गुरु
(५)	शेठ दुर्लभजी त्रीभुवन	जयपुर

त्यारबाद शेठ व्रजलाल खीमचद शाहे पूना बोर्डिंग कमीटीनो रीपोर्ट वाचो सभळाव्यो हतो. तथा शेठ दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरीए कोलेजना कामकाजनो अहेवाल रजू कर्यो हतो पण ते ते सस्थाओनी कमीटीओमा पास थएल न होवाथी ते ते कमीटीओमां रजु करी पछी रजू करवानु ठर्यु हतु

प्रस्ताव १२ मो.

सवत १९८५ ना कार्तिक सुद १ थी सवत १९८६ ना आसो वद अमास सुधीना वे वर्ष माटे नीचे प्रमाणे वजेट मजुर करवामा आवे छे

रु ४०००)	ओफिस खर्च
रु ६०००)	जैन प्रकाश
रु ६००)	इन्स्पेक्टर
रु ४०००)	अर्धमागधी कोष
रु ७०००)	ट्रेनींग कोलेज (ता १५ फेब्रुआरी १९३१ सुधी)

आपे तेमनी पासेथी ड्राफ्ट मळ्या बाद आगळना ठरावो प्रमाणे अमल करवो नियमावलि तैयार करवा सारु प्रथम निमायेली कमीटीमा शेठ वर्धभाणजी पीत्तलीयानु नाम उमेरवु

प्रस्ताव १५ मो.

कोन्फरन्सनु आवतु अधिवेशन भराय त्यासुधी प्रमुख तरीके लाला गोकलचदजी नाहरनी नीमणुक करवामा आवे छे अने आवती जनरल कमीटीनी सभा थाय त्यार सुधी २० जनरल सेक्रेटरीओ तरीके शेठ वेलजीभाई लखमशी तथा शेठ मोतीलालजी मुथाने नीमवामा आवे छे

प्रस्ताव १६ मो.

शेठ मेघजीभाई थोभणनी ट्रस्टी तरीकेनी खाली पडेली जग्याए शेठ वीरचदभाई मेघजीभाईनी नीमणुक करवामा आवे छे

प्रस्ताव नं. १७ मो

कमीटीनु कामकाज सुंदर रीते पार पाडवा माटे प्रमुख महाशयनो तथा कोन्फरन्सनी सेवा बजाववा माटे ओफिस बेरर्स शेठ वेलजीभाई तथा शेठ मोतीलालजीनो आभार मानवामा आवे छे

त्यार पछी कमीटीनु कामकाज सपूर्ण थयेलु जाहेर करवामा आव्यु हतु

ता ४-७-२९

सही दा **गोकलचद नाहर, प्रमुख.**

—— ० ——

ज

जनरल कमीटी.

ता २०-२१डीसेंबर १९३०

प्रथम दिवस

श्री श्वे स्था जैन कोन्फरन्सनी जनरल कमीटीनी बेठक शनीवार ता २०-१२-३० ना दिने बपोरना बे वागे (स्टा टा) कांदावाडी स्थानकमा मळी हती, जे प्रसगे नीचेना सभासदो उपस्थित थया हता

(१) श्रीयुत् अमृतलाल रायचंद झवेरी (मुंबई)
(२) „ दुर्लभजी खीमचंद शाह „
(३) दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरी (जयपुर)
(४) „ मुनीलाल पन्नालालजी (पनवेल)
(५) „ मोतीरामजी हमीरचंदजी (पूना)
(६) „ रूपचंदजी प्रेमराजजी (अहमदनगर)
(७) „ चीमनलाल पोपटलाल शाह (मुंबई)
(८) „ जमनादास दुलभदास „
(९) „ अमृतलाल मदनजी झामार्ई „
(१) „ दामोदरदास करमचंद „
(११) मोतीलालजी मुथा (सतारा)
(१२) „ वेलजी लखमशी नपु (मुंबई)

वरम्यानमां रे. व. सेक्रेटरीए कमीटीनी आमंत्रणपत्रीका वांची संभळावी हती प्रमुख स्थाने पोपटलालजी शाह (वीस्री) आवी न शकवाथी प्रमुखस्थाने श्रीयुत् अमृतलाल रायचंद झवेरीनी दरखास्त रजू थई हती ते पसार थतां तेमोभी प्रमुखस्थाने बिराज्या हता त्यारबाद नीचे प्रमाणे कामकाज करवामां आव्युं हतुं

All India Shwetamber Sthanakvasi Jain Conference general committee earnestly appeal His Excellency to exercise privilege of m_rcy and to commute the death sentence of the four Sholapur prisoners as wide spread belief prevails that there was miscarriage of Justice on account of the trial being conducted under the terror of Martial Law and defence was handicapped also one senior experienced High Court Judge differing Such an act of His Exellency will be not only graceful but will considerably allay public feeling

ठराव नं. ९.

सवत १९८६ ना आसो ०)) वद सुधीनु हवाला पाडया वादनु छेवटनु सरवैयु रजु थता ते मजुर करवामा आवे छे।

ठराव नं. १०

सवत १९८७ ना वर्ष माटे नीचेनुं वजेट मजुर करवामां आवे छे।

२०००) ओफीस खर्च.
३०००) जैन प्रकाश खर्च
१५००) स्वधर्मी सहायक फड
३०००) पूना बोर्डींग (ता १-६-३१ थी ३१-५-३२ सुधी)
१५००) ट्रेनींग कोलेज (ता १-३-३१ थी २९-२-३२ सुधी पाच विद्यार्थीओ नवा लेवा माटे, एवी शर्ते के तेमनी भविष्यनी नोकरी मेळवी आपवानी जवाबदारी कोन्फरन्स उपर रहेशे नहि, आ रकम ट्रे कोलेज पगार फडमाथी खर्चवी)

१२००) कोलेजना पास थयेला विद्यार्थीओमांथी विशेष धार्मिक अभ्यास अने अनुभव मेळववा माटे ५ विद्यार्थीओने रु २०) लेखे दर मासे पगार आपवा आ रकम धार्मिक केळवणी फडमाथी खर्चवी।
१२०० उपदेश खर्च
४०० डेडस्टोक खर्च
१००० श्राविकाश्रम
५०० एक सवत्सरी
३००० अर्धमागधी कोष
१०० हिंदी विभाग धार्मिक परीक्षा माटे रतलाम-हितेच्छु श्रावक मडळने शेठ वर्धभाणजी पीत्तलीया हस्तक चालु साल माटे

त्यारवाद शेठ दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरीए कोलेजनो तेना प्रारंभथी ते सवत १८८६ ना आसो वद ०)) सुधीनो रिपोर्ट अने ता. १९-८-२६ थी ता २१-१०-३० (दीवाळी १९८६) सुधीना हिसाबनु सरवैयु वाची सभळाव्यु हतु, जे उपरथी ठराव करवामां आव्यो हतो के —

१ लाला गोकलचंदजी नाहर (दिल्ही)
२ लाला इंद्रचदजी साहेव ,,
३ श्रीयुत वर्धभाणजी पीत्तलीया (रतलाम)
४ ,, धुलचदजी भडारी ,,
५ ,, दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरी (जयपुर)
६ ,, केशरीमलजी चोरडीया ,,
७ लाला टेकचदजी साहेव (झडीयालागुरु)
८ श्रीयुत् मोतीलालजी मुथा (सतारा)
९ ,, श्रीचदजी अवाणी (व्यावर)
१० ,, वहादुरमलजी वाठीया (भीनासर)
११ ,, कीशनदासजी मुथा (अहमदनघर)
१२ ,, लालचदजी शिरेमलजी मुथा (गुलेडगढ)
१३ ,, हसराजभाई लक्ष्मीचद (अमरेली)

त्यारवाद जूदी जूदी कमीटीना कार्यवाहको व्हारगामथी पधारनार सभ्यो रे ज. सेक्रेटरीओ वगेरेनो उपकार मानवामा आव्यो हतो वाद प्रमुख महाशयनो आभार मानी सभा वरखास्त करवामा आवी हती

हिसाव ओडीट करावी लेवाना गत जनरल कमीटीना ठराव वावत रे ज सेक्रेटरीए जणाव्यु हतु के स १९८३ ना वाउचरो तपासी ते उपर सेक्रेटरीए पोतानी सही करी हती परन्तु आ हिसाव जूना वर्षनो होवाथी कोन्फरन्से नीमेला ऑडीटर्स मेसर्स नगीनदास एन्ड माणेकलाले तपासवानी ते कारणसर ना पाडी हती आ उपरथी ठराववामा आव्यु के—

मस्ताव नं १

सवत १९८३ना कारतक सुद १ थी सवत १९८६ना आसो वद ०)) सुधीनो हिसाव शेठ वर्धभाणजी साहेव पीतलीया पासे ओडीट करावी लेवानी गोठवण करवानु नकी करवामा आवे छे अने .अनिवार्य कारणने लई जो तेओ तेम न करी शके तो शेठ अमृतलाल रायचद झवेरी जेमने नीमे तेमनी पासे ते हिसाव ओडीट करावी लेवो

स १९८५ ना कार्तिक सुद १ थी स १९८६ना आसो वद ०)) सुधीना वे वर्षनो हिसाव सेक्रटरीए वाची सभळाव्यो हतो ते उपर चर्चा चाल्या वाद ठराववामां आव्यु के—

बावत जणाववामां आव्युं हतुं के कमीटीना ठराव पछी कोन्फरन्सने अने शेठ वर्धभाणजी प्रेस न वेचवानी मतलबनो तार तथा पत्र लाला ज्वालाप्रसादजी साहेब तरफथी मळवा पाम्यो हतो आ ओफिसे ने सबधमां जनरल सेक्रेटरीओने परिस्थिति जणावी तेओनी सलाहथी आ बावत जनरल कमीटी उपर रजू करवा राखी हती आ सबधी चर्चा थया बाद एवु ठराववामां आवे छे

प्रस्ताव नं० ६.

प्रेसनो मशीन, टाईप वगेरे सामान जुनो थई गयेलो होवाथी अने ते मुबईमां लाववा तथा नीभाववामां घणु खर्च करवु पडे तेम होवाथी तेमज इदोरमां तेने चलाववु मुश्केल जणायाथी प्रेस वेची नाखवानो ठराव करवामा आवे छे अने ते वेचवानी सत्ता शेठ वर्धभाणजी साहेब पीतलीयाने आपवामां आवेल छे ते कायम राखवामा आवे छे प्रेसना वेचागमाथी उत्पन्न थती रकम 'श्री सुखदेव सहाय जैन प्रींटींग प्रेसने नामे कॉन्फरन्सना चोपडामा जमा करावानु नक्की करवामां आवे छे अने कॉन्फरन्स तरफथी नवु प्रेस करवामा आवे त्यारे तेनु नाम 'श्री सुखदेव सहाय जैन प्रींटींग प्रेस' कायम रहे एम ठराववामां आवे छे त्यारबाद सभानुं कामकाज बीजा दिवस उपर मुल्तवी रख्यु हतु

बीजा दिवसनी बेठक

कमीटीनी बीजा दिवसनी बेठक रवीवार ता २१-१२-३० ना बपोरे १॥ वागे (स्टा टा) मुबई कांदावाडी स्थानकमां मळी हती जे वखते नीचेना गृहस्थोए हाजरी आपी हती.

(१) श्रीयुत् अमृतलाल रायचद झवेरी — मुबई
(२) ,, भूजलाल खीमचद शाह — ,,
(३) ,, वीरचद मेघजीभाई — ,,
(४) ,, अमृतलाल मदनजी जुठाभाई — ,,
(५) ,, दामोदरदास करमचद — ,,
(६) ,, दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरी — जयपुर
(७) ,, लालचदजी शिरेमलजी — (गुलेदगढ)
(८) ,, रुपचदजी छोगनमलजी — अहमदनगर
(९) ,, धोंडीरामजी दलीचदजी — पुना
(१०) ,, मोतीलालजी मुथा — सतारा
(११) ,, वेलजी लखमशी नपु — मुबई

९ " शेठ हसराजजी दीपचंदजी साहब मद्रास
१० " शेठ दुर्लभजी त्रिभुवनदास झवेरी जैपुर
११ " झवेरी भेरूलालजी साहब
(शेठ छोटेलालजी भीमसेनवाले) देहली
१२ " श्रीमती सौभाग्यवती केसर कुवर अमृतलाल झवेरी मुवई.
१३ " " आगदकुवरबाई ते श्रीमान् वेर्वेभाणजी पीतलियाना
धर्मपत्नी रतलाम
१४ " " प्रताब कुवरबाई ते श्रीनथमलजी पीतलियाना धर्मपत्नी.
रतलाम
१५ ,, लाला अचलसिहजी साहब आगरा
१६ ,, शेठ चुन्निलालजी नागजी वोरा राजकोट.
१७ , शेठ आणदराजजी साहब सुराणा जोधपुर
१८ ,, लाला छोटेलालजी साहब देहली
१९ ,, कुंदनलालजी साहब
,, मानसिंग मोतीरामजीवाले देहली

उपरोक्त सदस्यों के सिवाय बहुत से शहरों के स्वधर्मीबधु और अमृतसर, झडीआला गुरु सिंआलकोट आदि स्थानों के पजाबी भाइयों की अच्छी सख्या में उपस्थिति थी। जिनकी अनुमति से निम्न लिखित प्रस्ताव स्वीकृत किये गये। कमिटी का कार्य प्रारभ करने से पहिले लाला गोकुळचन्दजी साहब देहलीवालों ने अध्यक्षस्थान सुशोभित किया था। तत्पश्चात् ओफिस मेनेजर श्रीयुत् डाह्याभाई ने वहारगांवसे आये हुवे पत्र एव तार पढ कर सुनाये बाद गत ता १०-१०-३१ की सलाहकमिटीकी तरफसे पेश हुई सिफारिशको सुधारके साथ निम्न लिखित साधुसम्मेलन आदि के विषयमें स्वीकृत किया।

प्रस्ताव १

श्रीमुनि सम्मेलन संबन्धी सलाह के लिए जनरल कमेटी के मेम्बरो के सिवाय सम्प्रदायों के अन्य सज्जनों को भी आमत्रण दिये गये थे। उस परसे पधारे हुए सर्व साज्जनोंकी सलाह कमिटीने कल ता १०-१०-३१ को मिलकर विचार कर अपने अभिप्राय लिखित दिये वह इस कमिटी में सुनाये गये।

उपस्थित विद्यमान सदस्य व दर्शकोंके समक्ष विचार विनिमय होकर इस संबंधमें यह कमीटी निम्नोक्त प्रस्ताव करती है ॥

१ मुनि सम्मेलन सम्बन्धी भविष्य की व्यवस्था करने के लिये निम्नोक्त सदस्यों की कमिटी नियुक्त की जाती है जो व्यवस्था स्थान समय आदिका निर्णय कर प्रबन्ध करें।

१ श्रीमान् सेठ अचलसिंहजी साहब आगरा
२ " बाबू गोकलचंदजी साहब नाहर देहली
३ " उमरावसिंहजी साहब "
४ सेठ वेलजीभाई लखमशी नप्पु
B A L L B मुंबई
५. " " अमृतलाल रायचंद जवेरी मुंबई
६ " " अमरचंदजी वरधमान रतलाम
७ नथमलजी चोरडीया नीमच
८ " " पूसचन्दजी भण्डारी रतलाम
९ " " दुर्लभजी त्रीभुवनदास जवेरी जेपुर.
१ " " ज्ञानमलजी मेहता आगरा
११ " " बहादुरमलजी साहब बांठीया भीनासर.
१२ पुलीभाइ मानजी वीरा राजकोट.
१३ चन्दुलाल उत्तमलाल शाह अहमदाबाद
१४ " " पुनमचंदजी खीमसरा नयानगर
१५ " " मोतीलालजी मुथा सतारा
१६ " बाबू टेकचन्दजी साहब जण्डीयाला.
१७ " बाबू रतनचन्दजी साहब अमृतसर
१८ " सेठ आनंदराजजी साहब सुराणा जोधपुर (देहली)
१९ " " रतनलालजी मेहता उदयपुर (मेवाड़)
२ " " धीसनदासजी साहब मुथा अहमदनगर
२१ " " अमरचन्दजी पुंगलिया बीकानेरवाला
B. A. L. L. B हाल दिल्ली
२२ , " भंवरलालजी सुराना जेपुर.
२३ " " केसरीचंदजी चोरडीया जेपुर.

२४ ,, ,, छोटेलालजी पोखरणा इन्दौर.
२५ ,, प कृष्णचन्द्रजी अधिष्ठाता जैन गुरुकुल पचकूला.
२६ ,, लाला गुजरमलजी प्यारेलालजी लुधियाना
२७ ,, ,, त्रिभुवननाथजी कपुरथला
२८ ,, ,, मस्तरामजी एम ए वकील अमृतसर
२९ ,, ,, मुलतानसिंहजी वडौत (मेरठ)
३० ,, ,, नथुशाह वल्दरुपेशाह सियालकोठ
३१ ,, ,, लछीरामजी साहव साड जोधपूर

इस कमेटि के सेक्रेटरी श्रीयुत् दुर्लभजी त्रीभुवनदासजी झवेरी नियुक्त किये जाते है। इनके पास कार्य करने के लिये आवश्यकता होने पर ऑफिस तरफ से एक क्लार्क भेजा जावे। पत्र व्यवहार सफर खर्च आदि के लिये रु ५०० की मजूरी दी जाती है।

२ सदरहु कमिटीमेंसे कोई स्वीकृत न करें तो उनके स्थान पर अन्य योग्य सज्जन को नियुक्त करने और आवश्यकतानुसार सदस्य वढाने का अधिकार इस कमिटी को दिया जाता है। किन्तु सेक्रेटरी कायदानुसार सदस्यों से सम्मती ले लेवे। (याने पत्रसे सम्मति मगा ले)

३ इस कमिटीका कोरम ७ का कायम करनेमें आता है।

४ सम्मेलन सवधी निम्नोक्त नियम कायम किये जाते है।

(क) सम्मेलनका समय नियत हो उन दिनो जिन श्रावकोंकी सलाहकी आवश्यकता होगी उन्हे खास निमत्रण उक्त कमिटीकी तरफसे भेज दिया जायगा। उनके सिवाय कोई दर्शनार्थ वा सलाह देनेके लिये पधारनेका कष्ट न करें। कारण सम्मेलनके कार्यमें वाधाएँ उपस्थित होती है।

(ख) दर्शनार्थ पधारनेवालों के लिये प्रथम सम्मेलनका कार्य समाप्त हो जाने के वादका समय प्रकाशद्वारा प्रगट कर दिया जायगा। उस समय जिनको इच्छा हो दर्शनोंका लाभ ले सकें।

(ग) जहा सम्मेलन हो वहा दर्शनार्थ पधारनवाले श्रावकों के लिये केवल उतारेका प्रवध वहाके सघक जिम्मे रहेगा।

(घ) सम्मेलनका समय स १९८९ माघ या फागण माहमें नियुक्त किया जाय और सम्मेलनका स्थल वा समय इसी वर्षके फागण माहतक प्रगट कर दिया जाय। ताकि सम्मेलन होनेसे प्रथम प्रत्येक सप्रदाय अपनी २ सप्रदायका या प्रान्तका

संपदाय करके सम्मेलनमें अपनी सम्प्रदाय तरफसे भेजे जानेवाले प्रतिनिधियोंका चुनाव कर लें।

(च) सम्मेलन अजमेर, जयपुर, ब्यावर, और दिल्ली इन पांच स्थलोंमेंसे अनुकूलताका लाभ देखकर यहांकि संघकी अनुमतिसे नियुक्त किया जाय।

नोट—अजमेरके श्रावकों मुनि सम्मेलन अजमेर करनेका निमंत्रण करने के लिये डेप्युटेशनमें उपस्थित हुवे। इस पर कमिटि सम्मत है।

(छ) सम्मेलनमें निम्नलिखित विषयोंपर विचार होना आवश्यकीय है

(A) सं. १९९१ से आगेके लिये पक्की संवत्सरीकी नयी टीप तैय्यार करनेके बाबत.

(B) दीक्षा संबंधी नियमोंके विषयमें.

(C) मुनियोंकी शिक्षाके विषयमें

(D) व्याख्यानदाताओंकी योग्यताके विषयमें

(E) ग्रन्थ (साहित्य) प्रकाशनके विषयमें

(F) साधु समाचारीके विषयमें

(ज) सम्मेलनकी बैठक पोल और जमीन ऊपर हो

(झ) प्रेसिडन्ट (सभापति) के लिये आवश्यकता नहीं है। तथापि उपस्थित होनेवाले प्रतिनिधि मुनि सभापति बनाना आवश्यक समझें तो वे नियमानुसार प्रतिनिधियोंमेंसे सभापति बना सकते हैं।

(ट) प्रतिनिधि तरीके मुनियोंका प्रत्येक संप्रदायके साधु और साध्वी की संख्याके प्रमाणमें चुनाव इस प्रकार होना चाहिए। प्रतिनिधि एकसे दसतककी संख्यावाले एक। ग्यारहसे पच्चीसतक वाले दो। छब्बीससे पचासतकवाले तीन। इक्कावनसे एकसोतक वाले चार। और इससे अधिक संख्यावाले केवल पांच चुने।

नोट—किसी संप्रदायके आश्रित प्रवर्तवाले साधु साध्वी हों तो उनको भी उस संप्रदायके साथमें शुमार किये जाय।

(ठ) संप्रदायसे पृथक् विचरनेवाले व अकेले विचरनेवाले साधु अपनी २ सम्प्रदायमें मिल जावें, या अन्य संप्रदायमें मिल जावें। यदि ऐसा न हो सके तो निम्न मुजब प्रान्तोंमें विचरनेवाले मिलकर अपने प्रान्तमें एक जुदी संप्रदाय बना लें। उसमेंसे केवल एक २ प्रतिनिधि भेज सकते हैं। (१) गुजरात काठियावाड कच्छ आदिमेंसे एक प्रतिनिधि

मेवाड, मारवाड आदिमेंसे एक पजाव, यु. पी. आदिमेंसे एक, दक्षिण, खानदेश, वराड आदिमेंसे एक। इस तरह कुल प्रतिनिधि चार सम्मिलित हो सकेंगे किन्तु प्रतिनिधियोंकि बावतकी मजुरी उन्हे लेखी भेजनी होगी।

(५) कोई आवश्यकीय विषयमें परिवर्तन करनेका अधिकार उक्त कमिटीको रहेगा।

सर्वानुमतिसे स्वीकृत।

प्रस्ताव. २

सलाह कमिटीके प्रस्ताव दुसरे पर चर्चा चलने बाद-ठहरानेमें आया कि कोन्फरन्सके वर्तमान नियमोंमें परिवर्तन करनेकी यह सूचना कोन्फरन्सके आगामी अधिवेशनमें पेश की जाय।

प्रस्ताव ३.

कोन्फरन्सका अधिवेशन करनेकी आवश्यकता यह कमिटि स्वीकार करती है। इस विषयमें जैन गुरुकुल व्यावर तरफसें प्राप्त आमंत्रणकी कदर करती है। और ठहराती है कि एक महिने तक व्यावर श्री सघ कोन्फरन्स अधिवेशन के लिये निमत्रण दे तो व्यावरका निमंत्रण मजूर करना किन्तु इस समयके अदर कीसी भी सघका आमत्रण न मीले तो आगामी इस्टरके तहेवारोंके करिबकी तारीखोंमे कोन्फरन्स के खर्चसे देहलीमें कोन्फरन्सका अधिवेशन करना और ऐसा करनेमें देहली श्री सघका सहकार प्राप्त करना!

प्रस्ताव ४.

स १९८३ से ८६ तकका ओडिट किया हुवा हिसाब मजूर करनेमें आता है।

प्रस्ताव ६

स १९८७ के कार्तिक शुदी १ से भाद्रपद सुदी १५ तकका हिसाब पेश होने पर ठहराया जाता है कि अभी वर्ष समाप्त न होनेसे इस वर्षका हिसाव आगामी जनरल कमिटिमें पेश किया जाय।

प्रस्ताव ६.

स १९८८ के वर्षके लिये निम्नलिखित वजेट मजूर किया जाता है, ओफिस खर्चमें रु २०००) जैन प्रकाशके लिये रु ४००) स्वधर्मी सहायक

प्रस्ताव ७

प्रारंभ में कॉलेज कमिटीने मजुर की हुई आजतककी ट्रेनींग कॉलेजकी रिपोर्ट मंत्री श्रीयुत् दुर्लभजी झवेरीने वाचकर सुनाया । जिसके सम्बन्धमें निम्नोक्त ठराव किया गया कि —

(क) ट्रेनींग कॉलेजका रिपोर्ट मजुर करनेमें आता है ।

(ख) श्री प्रेमजी लोढा इंदौर में भंडारी हाईस्कूल में न हो तो उनको कोई अन्य संस्था में लगाना ।

(ग) श्री खुशालदास को पाली भाषाका विशेष अभ्यासके लिये सीलोनके बदले शांति निकेतन में भेजनेकी तजवीज करना ।

(घ) श्री चिमनसिंहजी लोढाका अभ्यास संतोषजन्य न हो तो उनकी स्कॉलरशिप बंद करना ।

(च) स्कोलरशीप लेनेवाले विद्यार्थी विशेष अभ्यास करनेके सीवाय किसी अन्य प्रवृत्तिमें पड सकेंगे नहीं । और जो अभ्यास में से खास समय बचा सके तो कॉन्फरन्स ऑफिसकी रजा लेकर अभ्यासको बाधक न हो वैसी प्रवृत्ति कर सकेंगे ।

(छ) विद्यार्थिओंकी स्कोलरशीप श्रीमान् दुर्लभजी झवेरीके मारफत भेजनेका प्रबंध ऑफिस करे । इसी तरह उन विद्यार्थिओं पर देखरेख रखनेकी जवाबदारी भी इन्ही पर रहेगी ।

(ज) श्री खुशालदास श्री शान्तिलाल और दलसुख ए तीन विद्यार्थिओंका स्कोलरशीप मासिक रु ३०) की दी जाती है । सो उनके अभ्यास बाद तीन वर्षतक नियमानुसार सेवा देनेकी जवाबदारी विद्यार्थीओंकी रहेगी ।

(झ) ट्रेनिंग कोलेजके पुस्तकालयकी पुस्तकें हाल जहां है वहां कॉन्फरन्स ऑफिस तरफसे आगामी अधिवेशन तक रखना । और कालेजके हिसाबकी वहीयेंबुकें आदि ओफिसको भेज दि जाय ।

(ट) कालेजके पितलके रसोडेके बरतन जैन गुरुकुल ब्यावर या जैन वीराश्रम ब्यावरमेंसे जिनको चाहिये ।≈ रतलके भावसे दे दिये जाय और कॉलेजका जैपुरका सामान बेचा डालना ।

प्रस्ताव ८.

रेसिडेन्ट जनरल सेक्रेटरीओके पदपर श्रीमान् शेठ वेलजीभाई लखमशी नपु मुंबई तथा श्रीमान् शेठ मोतीलालजी साहब मुथा सतारावालोंका

फिरसे नियुक्ति की जाती है। मेनेजिंग कमिटीका बजाय करनेका सामान्य अधिवेशन पर स्थगित किया जाता है।

प्रस्ताव ९

कोन्फरन्सके आगामि अधिवेशनको सफल बनाने प्रचारकार्य करने उपदेशको द्वारा संगठन करने आदि कार्योंकी प्रेरणा करनेके लिये निम्न लिखित सज्जनोकी एक समिति नियुक्त की जाति है।

१ श्रीमान् लाला गोकुलचंदजी नाहर देहली अध्यक्ष
२ लाला अचलसिंहजी आगरा मंत्री.
३ लाला हरजसरायजी जैन अमृतसर
४ „ लाला कंवरलालजी पितरण्य इन्दौर
५ „ वीरजलालजी के तुरखीआ जामनगर
६ „ जसराज हरगोविंद शाह वीरमगाम
७ „ मगनमलजी कोचेटा मद्रास

इस समितीकी ओफिस मंत्रीके पास आगरामे रहेगी। किन्तु ओफिस तरफसे एक मास तक मांगे तब भेजना चाहिए। ७ मासके लिये इस कमिटी नियत की जाती है।

प्रस्ताव १०

श्री जैनधर्म और समाजकी रक्षा व उन्नतिके लिये एक ब्रह्मचारी वर्गकी स्थापना करने बाबत पं श्री कृष्णचंद्रजी (अधिष्ठाता जैन गुरुकुल पंचकूला) ने जो सूचना पेश की उसको यह कमिटि आवश्यकीय मानती है। और प्रस्ताव करता है कि इस संबंधमें जो स्कीम पंडितजीने तैयार की है उसको जैन प्रकाशमें प्रगट कर दी जाय और सबके अभिप्राय मांगे जाय। उन आये हुवे अभिप्रायो पर विचार करके ब्रह्मचारी वर्गके नियमोंकी स्कीम तयार करके जनरल कमिटि या कोन्फरन्समें पेश करनेके लिये निचे लिखे गृहस्थोंकी एक कमिटी नियुक्त की जाति है।

१	श्रीयुत दुर्लभजी त्रीभोवनदास झवेरी	जयपुर
२	ईश्वरलालभाई लल्लुभाईचंद	अमरेली
३	शेठ वरधभाणजी पीतलिया	रतलाम
४	पं कृष्णचंद्रजी अधिष्ठाता	पंचकूला
	नथमलजी चोरडिया	जोधपुर.

६ मांमागमलजी महेता जावरा.

७ जेटमलजी साहब शेठीया बीकानेर.

इस कमेटिका कार्य्य चलाने के लिये सेक्रेटरी श्रीयुत् दुर्लभजी भाई को नियुक्त कीया जाता है।

प्रस्ताव ११.

गत जनरल कमिटीने परवी सवत्सरी की एक्यतामें सगठित होनेकी विज्ञप्ति करनेके लिये श्रीमान् आचार्यवर श्री सोहनलालजी महाराजकी सेवा मे पजाब जानेके लिये एक डेप्युटेशन की नियुक्ति की थी। जिसके जो सदस्योंने श्रीमान्की सेवामें उपस्थित होकर समाजकी जो सेवा वजाई है उसके लिये उन सदस्य महानुभावों का यह कमिटी हार्दिक उपकार प्रदर्शित करती है।

प्रस्ताव १२.

श्रीमान् शेठ वरधभाणजी साहबने प्रेस और अर्धमार्गधिकोष का हिसाब निपटाने के कार्य मे जो सेवा वजाई है उस लिये यह कमिटी आपका उपकार मानती है।

प्रस्ताव १३.

पोरबदरसे श्री मनमोहनदास कपुरचद गोसलीया मारफत आगे आई हुई रु ५००) की रकमका व्याज धार्मिक इनामी निबधे लिखवानेमें खर्चना।

इसके बाद नागपुर और अन्य स्थलों से आये हुये पत्र और सूचनायें पढी गयी थी।

प्रमुख साहेबोंका और बहारगामसे आये हुये सज्जनों का आभार मानकर सभा बरखास्त की गई थी।

दा. अमृतलाल रायचद झवेरी

——o——

दूसरा प्रस्ताव जिसे जनरल कमेटी ने आगामी अधिवेशन में विचारने के लिये रख छोडा है वह निम्नलिखित है।

प्रस्ताव २-यह सभा कान्फरेन्स की जनरल कमेटी से सिफारिस करती है कि कान्फरेन्स का सगठन कांग्रेस के विधान के अनुसार ही, अर्थात् क्रम से स्थानीय प्रांतिक और केन्द्रीय सम्मतियां हों और उनका चुनाव इसी क्रम से हों। साधारण वार्षिक चन्दा अधिक से अधिक चार आना हो।

प्रस्तावक—**श्रीयुत मूलचदंजी पारख**
अनुमोदक—**श्रीयुत छोटेलालजी पोखरना इंदोर**
,, ,, **छोटेलालजी देहला**

इसके वाद प्रमुख साहेव और उपस्थित सज्जनों का आभार मान कर सभा विसर्जन हुई थी।

ट

जनरल कमीटी बम्बई.

ता. २४, २५ डीसेम्बर १९३२ शनि, रवी.

ता. २४ डीसेम्बर ३२ नी वैठक.

श्री श्वे स्था जैन कोन्फरन्सनी जनरल कमिटीनी प्रथम बेठक शनिवार ता २४-१२-३२ ना दिने बपोरना ३ व.गे (स्टा टा) कांदावाडी स्थानकमा मळी हती जे प्रसगे नीचेना सभासदो उपस्थित हता

१. श्रीमान कुन्दनमलजी फीरोदीया—अहमदनगर
२ ,, बरदभाणजी पीतलीया—रतलाम
३ ,, आणदराजजी सुराणा—दिल्ही
४ ,, दुर्लभजी त्रीभोवन झवेरी—जयपुर

---

* चालु अहेवाल १९८८ ना वद ०)) सुधीनो छे अने उपरोक्त जनरल कमीटीनी बेठक तो त्यारबाद थयेल छे परतु स १९८८ नी सालनुं सरवैयु आ कमीटीना ठराव मुजब तैयार थयेलु होई आ जनरल कमीटीनी वेठकना ठराव आज अहेवालमा रजु करेल छे

प्रस्ताव २.

सवत १९८७ नी सालनो आडिट थयेलो हिसाव मंजुर करवामा आवे छे

प्रस्ताव ३.

प्रातिक सेक्रेटरीओने हवे जुना हिसावोनो फेंसलो करी नाखवा रजीस्टरथी पत्र लखवा अने तेमना सतोषकारक जवाव आवे ते प्रमाणे जमा उधार करवा

बीजा दिवसनी बेठक.

बीजा दिवसनी बेठक एज स्थळे वपोरना १ वागे थइ हती जे वखते गईकाल करता निम्न लिखित सभ्यो वधु उपस्थित हता

१ श्रीमान शोभागमलजी मेहता–जावरा
२ ,, रीखवदासजी नलवाया–छोटीसादडी
३ ,, अमोलखचदजी लोढों–वगडी

वधाराना वोट मल्या

श्रीमान मोहनलालजी नाहर उदेपुरनो वोट
श्रीमान शोभागमलजी मेहता

प्रस्ताव ४

सवत १९८८ ना हिसावना काचा आकडा रजु थता आ कोमटि नीचे मुजव हवाला नाखवानु ठरावे छे, अने त्यारवाद ओडीट करावी ते हिसाव आगामी वेठकमा रजु करवो एम ठरावे छे –

(क) श्री जैन वोर्डीग हाउस फड रु ५६११–११–६.
,, स्कोलरशीप फड रु ६५६–८–६
,, धार्मीक केलवणी फड ३३५४–९–०
,, स्त्री केलवणी फड रु १०३९–१४–३.
,, व्यवहारीक केलवणी फड रु ३१११–४–९
,, निराश्रीत फड रु १४३३–४–०
,, प्रातिक सेक्रेटरी खर्च फड रु ३२८७ १५–०
,, मित्र मडळ विगेरे खोलवा फड रु १०३६–०–०
,, उपदेशक खर्च फड रु ८५६–४–६

उपरोक्त खाताओ श्री खास खुम बटाव खाते जमा करी मांडीवाळवा

(छ) श्री खाबोदार फडनी रकम रु ७९११-११-० ए खाते उधारी श्री फीन खाते जमा करवी

(ग) श्री बोरना बे खाताओ एक करी खापनी स्टॉक पुस्तकोनी हिसाबना रु. ८) खाम राखी बाकीना रु. ११३७८-१-६ श्री खास खुम बटाव खाते मांडीवाळवा.

(घ) श्री ट्रेनिंग कोलेज पगार फंडमां रु. ७) खाम राखी बाकीना रु ७९१५-५-२ श्री ट्रेनिंग कोलेज फंडमां जमा करवा.

(च) श्री फतहचंदजी [illegible] रु २५०७) तेमनी शर्त मुजब पांच वर्ष पुरा थये हवे श्री ट्रेनिंग कोलेज फंडमां जमा करवा

(छ) श्री अजमेर सु. स प्रिन्टींग प्रेस रु. ७९-- -

" " " मदद खाते १४७९-५-०

रु. १५५८-१४

उपरोक्त रकम प्रिन्टींग प्रेस खाते उधारी श्री खास खुम बटाव खाते जमा करवी.

(ज) श्री ओतमार देवा रु. ११६९-११- श्री खास बटाव खाते

(झ) श्री स्वधर्मी सहायक फंडमांथी अपायेल लोन रु. ९२५) नी रकम ते फंडमांथी उधारी बाद करवी

(ट) श्री अनामत उघराणीना रु. ९११९-२-१०--नी रकम उधारी श्री हमीरमलजी मगनमलजीना जमा करी अन्ये खाताओ सरखां करवा

(ठ) नविन फंडोमांथी निम्न प्रकार कोलम १ मां बताव्या रकमो उधारी करता खास खुम खाते जमा करवी अने कोलम २ मां बताव्या प्रमाणे ते ते फंडनी रकम जमा खाताना चोपडामां बाकी रहेशे

	कोलम १	कोलम
(१) श्री जैन ट्रेनींग कोलेज पगार फंड रु.	१५)	५५)
(२) " फंड रु.	११११(॥=)	९)
(३) पुस्त कोलींग फंड रु.	८७८)॥	४२)
(४) " [illegible] फंड रु.	१ १४॥=	११)

(५) ,, वीरसंघ फड रु २१०९)≡||| ८०००)
(६) ,, जीवदया फड रु ८५०|≡| ३०००)
(७) ,, स्वधर्मीसहायक फड रु २७०||= १५००)

नोटः—आज सुधी खर्चमा घटती रकम श्री लाभ शुभ वटाव खाते मडाई हती, ते खातु सरभर करवा माटे आ फडोमांथी मजरे लेवाई छे

प्रस्ताव ५

रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरीओ तरीके चालु वर्ष माटे शेठ मोतीलालजी मुथा (सतारा) तथा शेठ वेलजीभाई लखमशी नप्पु (मुबई) नीमवामां आवे छे

प्रस्ताव ६

ज्या सुधी नवा धाराधोरण अधिवेशनमां पास न थाय अने ते प्रमाणेनो अमल थई, बीजी कमीटीओ न नीमाय त्यां सुधी रे ज सेक्रेटरीओने सलाह आपवा माटे नीचेनी सब-कमिटि नीमवामां आवे छे.

१. श्रीमान् लाला गोकलचंदजी नाहर दिल्ली
२. ,, लक्ष्मणदासजी मुलतानमलजी जलगाव
३ ,, वर्धभाणजी पितलीआ रतलाम
४ ,, लाला ज्वालाप्रसादजी हैद्रावाद
५. ,, मोतीलालजी कोटेचा मलकापुर
६ ,, भैरोंदानजी शेठीआ वीकानेर
७ ,, वृजलाल खिमचंद शाह बिकानेर
८ ,, अमृतलाल रायचंद झवेरी मुवई
९ ,, कुदनमलजी फीरोदीआ अहमदनगर
१० ,, दुर्लभजी त्रीभोवन झवेरी जयपुर.
११ ,, नथमलजी चोरडीआ नीमच
१२ ,, शोभागमलजी महेता जावरा
१३ ,, आणंदराजजी सुराणा दिल्ही
१४ ,, रीखवदासजी नलवाया छोटी सादडी

अत्रे पांच वागतां, सांजना ७॥ वाग्याना समय थवाथी कामकाज बंध कर्यु

प्रस्ताव १०

श्री साधु सम्मेलन समितीए करेल ठराव न ७, ८, ११ रजु थतां मजुर करवामा आवे छे

प्रस्ताव ११.

कोन्फरन्स अधिवेशन भरवानी श्री साधु समेलन सामितिनी भलामण मुजब कोन्फरन्सने खर्चे अधिवेशन अजमेर या आसपासमा चैत्र सुदी १० पछी अने वैशाख सुदी ३ सुदीमा भरवानु ठराववामा आवे छे स्थल तथा समय नक्की करवा तथा अधिवेशन सबधी कार्यनी सघळी व्यवस्था करवा माटे नीचेनी एक अधिवेशन-प्रबधकारीणी कमीटी नीमवामां आवे छे.

प्रस्ताव १२.

१ श्रीमान् गोकळचदजी नाहर दिल्ही
२ ,, अचलसिंहजी जैन आग्रा
३. ,, अमृतलाल रायचद झवेरी मुबई
४ ,, वर्धमाणजी पीतलीआ रतलाम
५ ,, नथमलजी चोरडीआ नीमच
६ ,, वेलजी लखमसी नप्पु मुबई
७ ,, चुनीलाल नागजी वोरा राजकोट
८ ,, मोतीलालजी मुथा सतारा
९ ,, लाला टेकचदजी जैन जडीआला.
१० ,, रतनचदजी जैन अमृतसर.
११ ,, त्रीभोवननाथजी जैन कपुरथला
१२ ,, आणदराजजी सुराणा दिल्ही
१३ ,, केसरीमलजी चोरडीआ जयपुर
१४ ,, अमोलखचदजी लोढा बगडी
१५, ,, पन्नालालजी बब भुसावल
१६ ,, नवरतनमलजी रीयावाला अजमेर.
१७ ,, कल्याणमलजी वेद अजमेर

प्रस्ताव १३

प्रचारनु कार्य हाल जे दिल्ही मारफत थतु हतु ते हवे बंध करी, कोन्फरन्स प्रचारकारीणी समिति मारफत करवु अने दिल्हीनु दफ्तर आ समितिनी मत्रीओने मोकली आपवानु ठरावामां आवे छे

प्रस्ताव १४.

संवत १९८९ ना वर्ष माटे नीचे मुजब बजेट मंजूर करवामा आवे छे

रु १०००) ओफीस खर्च (मागशरथी चैत्र)

,, १२००) जैनप्रकाश खर्च ,,

,, १५००) श्री साधुसमेलन समिति

,, १२५) ,, अधिवेशन प्रचारसंघ समिति दिल्हीने आज सुधीना खर्चना आपवा माटे

,, २०००) पुना बोर्डिंग फंडमाथी (कारतकथी आगो मास)

,, १५३०) ट्रेनींग कोलेज फंडमाथी (अभ्यास करतां ३ विद्यार्थिओनी स्कोलर शीप रु १०८० श्री दुर्लभजी त्रीभोवन झवेरी मारफत) (कोपनी तैयारी माटे विद्यार्थिना पगारना रु २००) तथा धार्मिक परीक्षा बोर्डनो २५०)

,, १०००) श्राविकाश्रम फंडमाथी आगल नीमेली कमिटी मारफत

,, ५००) जीवदया फण्डमाथी

, ५००) जैन ट्रेनींग कोलेज पगार फण्डमाथी

,, ६००) स्वधर्मी सहायक फंडमाथी आगल नीमेली) कमिटी मारफत

प्रस्ताव १५

श्री ट्रेनींग कोलेजना वासण पूना बोर्डिंगमा मोकली आपवा.

परिशिष्ट—२.

श्री जैन ट्रेनींग कॉलेजनो अहेवाल.

सं. १९८२ ना श्रावण शुद ११ थी सं १९८६ नी दीवाळी सुधीनो अहेवाल.

जैन ट्रे. कोलेजनी स्थापना करवानो रतलाम कोन्फरंसमा निश्चय थयो, अने आठ वर्ष लगभग रतलाममा जैन. ट्रे. कोलेजनु काम, उत्साही शास्त्रज्ञ श्रीमान् शेठ अमरचंदजी वरद-भाणजी पितल्याजीना अनुभवी हाथ नीचे सुंदर रीते चाल्यु लगभग बे टर्म त्रण त्रण वर्षना अने बे टर्म पाच पाच वर्षना अभ्यास क्रमथी समाजना जोईता कार्यकर्ताओ तैयार थया अने जुदी जुदी दिशामा कार्य करवा लाग्या.

उंचामा उच्चु जैन धर्मनु ज्ञान अने ते साथे संस्कृत प्राकृत आदि प्राचीन भाषाओ, लखवा वाचवा बोलवानी छुटवाळु ईंग्लीश, अने पोताना अने बीजा लेखको तथा शास्त्रकारोना भावो पोतानी वाणी अने लेखिनीमा उतारी शके एवु वक्तृत्व अने लेखन कळा शीखववानो कोलेजनो कार्यक्रम हतो अने यथाशक्य कार्य पण थयु धीरे धीरे कोन्फरन्सनी प्रवृत्तिओ धीरी गतिमा वहेवाथी अने ए वखते लोकोने सरकारी डीग्रीओनो मोह अधिकतर होवाथी कोलेज प्रवृत्ति बध थई हती.

फरीथी कोन्फरन्सनी सचेतता थवाथी अने बार वर्ष पछी वराड देशना 'मलकापुर' मा श्रीमान् मेघजीभाई थोभणभाई जे पी. ना प्रमुखपणा नीचे कोन्फरन्सनु छठु अधिवेशन थयु त्यारेज श्री. श्वे स्था. जैन ट्रे. कोलेजने फरीथी शरु करवानो ठराव थयो.

श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाह पण पधार्या हता अने जाणीता झवेरी श्री सुरजमल लल्लुभाई झवेरी अने श्री० मेलजीभाई लख्मसीभाई नपु, B A L L B जेवा अनुभवी अने प्रतिष्ठित बंधुओ कोन्फरन्समां जोडाया अने जनरल मंत्री तरीके नीमाया तओए कोन्फरन्सनी सेवामां बहु उपयोगी फाळो आप्यो छे

श्रीयुत् वा. मो शाहना कोलेज प्रत्येना प्रेम अने अनुभवी सलाहथी कोलेजनी आखी स्कीम नवेसरथी विचारई अने चर्चाई

'कोन्फरन्स ओफीस' मुंबई आव्या बाद जनरल कमीटीए रतलामने बदले बीकानेर के पूनाने कोलेज माटे बहु उपयोगी स्थळ तरीके स्वीकार्यो, अने बन्ने स्थळ माटेनी, कोलेजनी जनरल कमीटीओ पण नक्की करी आपी

बीकानेरमां दानवीर शेठ अगरचंदजी भैरोंदानजी शठीआनी पारमार्थिक संस्थाओ, धुरंधर पंडितो, अने श्रीमान् भैरोंदानजी जेठमलजी साहेबनी जाती देखरेख नीचे कोलेज रास्तवानी प्रबळ ईच्छा थई वळी बीकानेर जैन जगतनी अलकापुरी (धनकुबेरोवाळी) नगरी होवाथी अने थोडाज वखत पहेलां यशोनामी, स्वर्गस्थ-श्रीमान् जैनाचार्य पूज्यश्री श्रीलालजी महाराजश्रीना स्मारक तरीके एकज सभामां रु १। लाख जेवी मोटी रकम एकत्र थई हती, आ रकम अथवा एवीज बीजी रकमथी, जैनन्ट्रे कोलेजने कायम धवाना सोनेरी प्रसंग आवे, एवी धारणाए जैनन्ट्रे कोलेज माटे बीकानेरने प्रथम स्थान आप्युं धारी एक डेप्युटेशन बीकानेर शठीआजीने विनंति करवा गयुं

उदारचित्त शठीआजीए स्वीकार कर्यो, अने कोलेजनी, बीकानेर मुकामे स्थापना करवानुं जाहेर थयुं । बीकानेरना आगेवान

ग्रहस्थोनी स्था. प्रबधक कमीटी निमाई । मेट्रिक सुधीनी योग्यतावाळा उमेदवारोनी अरजीओ मंगाई । ११ अरजीओ आवी । कोलेज बीकानेरमा जुलाइमा खोलवानु नक्की थयु पण अरजदार उमेदवारो गमे ते कारणथी हाजर थया नाहि । एथी मेट्रीकना विद्यार्थीओ मळवा सभव न जणायाथी कोन्फरन्स ऑफिसे मिडल—मीडथ—स्टान्डर्ड) उपरनी योग्यताना सस्कृत सेंकड लेंगवेजवाळा उमेदवारोने दाखल करवानो विचार कर्यो, अने तेवा उमेदवारोनी अरजीओ मंगाई रतलाम, जैन ट्रे कोलेजमा तैयार थयेल भाई, धीरजलाल केशवलाल तुरखीयाने तेमनुं मुबईनु काम छोडावीने जैन-ट्रे कोलेजना सुप्रिन्टेन्डन्ट अने व्यवस्थापक तरीके नीम्या. तेमने बीकानेर मोकल्या. कोलेजनी उद्घाटन क्रियानु मुहूर्त ता १९-८-२६ नुं नक्की ठरावीने, अरजदार उमेदवारोने बीकानेर पहोंचवा लख्यु कोलेज माटे जरूरी सामग्री तैयार करीने वधु विद्यार्थीओने आकर्षवा स्था जैन वस्तीवाळा मुख्य मुख्य शहेरोमा भाई धीरजलाल के. तुरखीयाए प्रवास कर्यो मारवाड, माळवा, अने काठीयावाड गुजरातनो प्रवास कर्यो अने स्कुलोमा त्याना हेड मास्तरोना सहकारथी, जैन विद्यार्थीओने कोलेजनो सदेश सभळाव्यो

प्रवेशेच्छुको बीकानेर आवता गया उद्घाटन क्रिया बीकानेर स्टेट काउन्सीलना 'वाईस चेरमेन' श्री भैरोसिंहजी बहादुरना मुबारक हाथे करवामा आवी बीकानेर श्री सघ अने जाहेर प्रजानी सारी एवी सभा भराई

कोलेज भवन—(श्री. जेठमलजी शेठीयानी नवी हवेली) पचरंगी ध्वजाओथी शणगारवामा आव्यु हतु. अने खास आमंत्रणथी कोन्फरस ओफीस मेनेजर श्री. झवेरचद जादवजी कामदार तथा जयपुरथी जाणीता समाज सेवक श्रीमान् शेठ दुर्लभजी त्री झवेरी पधार्या हता

१२ प्रवेशेच्छुकोनी प्रवेश परीक्षाओ पण श्री दुर्लभजीभाई, श्री झवेरचंदभाई, श्री धीरजलाल के तुरखीया, अने श्री सूर्यकरणजी M A नी कमीटीए लीधेली श्री सूर्यकरणजी एम ए ने अंग्रेजी प्रोफेसर तरीके नीमवामां आव्या श्रीमान् शेठीया जीना पंडितो श्री रमानाथजी व्याकरणाचार्य (बे खंड) अने श्री भीरमद्रजी व्याकरण तीर्थ, संस्कृत प्राकृतना पंडितो तरीके पधारता मार्गोपदेशीका अने धार्मिकनो विषय धीरजलाल के तुरखीया ले एवी सगवडताथी काम शरु थयुं

विद्यार्थीओ वधता गया लगभग २१ विद्यार्थीओ थइ गया पण तेमां केटलाकने अयोग्य होवाने कारणे न लीधा अने केटलाक बीकानेरनी गरम हवाथी के दिल न लागवाथी पाछा गया शेष ११ रह्या

कोलेज शरु थयाने लगभग त्रण मास थयां हशे त्यां (महामास उतरतां) बीकानेरमां प्लेगनो उपद्रव शरु थयो शहेरवासी जुदे जुदे स्थळे निकळवा लाग्या कोलेजना विद्यार्थीओने अने श्री शेठीया 'सं प्रा विद्यालय'ना विद्यार्थीओने जयपुर श्री दुर्लभजीभाई श्रीमुवनभाई झवेरीनी देखरेख नीचे मोकल्या त्यां शहेरथी बहार "श्री नथमलजी सा" ना कटलामां सौ रोकाया अने अभ्यास क्रम जेमनो तेम चालतो रह्यो

प्रथम वार्षिक परीक्षा पण जयपुरमांज लेवाई परीक्षको बहारना हता तेमना प्रश्न पत्रोना नमुना अने परिक्षा फळ जैन प्रकाशमां प्रगट थई चुक्यां छे

जैन ट्रेनींग कोलेजना विद्यार्थीओए अने शेठीया विद्यालयना विद्यार्थीओए, एम आठ विद्यार्थीओए स्काउटनी तालीम लई, टेन्डर फुटनी परीक्षा आपी अने सेकंडकलासनो कोर्स पण कर्यो

जयपुरमाज कोलेजनी जनरल कमीटी थई, ए वखते नवो टर्म खोलवानो अने बीजा उपयोगी ठरावो थया.

जयपुरमाज महावीर जयंतिनो म्होटो मेलावाडो, बधा फीरकाना जैनोनो एकत्र रीते कोलेजना उतारावाळा स्थळे विशाळ चांदनीमा थयो हतो संवादो, भाषणो-गायनो, अने नाट्य प्रयोगोना रसमय प्रोग्रामथी, सभाने भारे आनंद आव्यो हतो, एनी एवी तो सुंदर असर थई के, जयपुरमा लग्न प्रसंगे भक्तणीओ-(वेश्या नृत्य) बोलाववानी जे प्रथा चालती तेमा घणाओए वेश्यानृत्य बंध करी कोलजीयनोना संवाद प्रयोगो-सांभळवानी सार्थकता बतावी.

जे विद्यार्थीओने घेर जवु हतुं तेओ, परीक्षा बाद गया अने कमीटी पर पधारेला श्री भेरोंदानजी सा. शेठीया, भाई धीरजलाल के. तुरखीयाने जुदी जुदी संस्थाओनो अनुभव लेवा माटे कलकता लई गया त्या साथे कलकत्ता बोलपुर-बनारस, वगेरे घणी विविध ढबनी शिक्षण संस्थाओनो अनुभव लीधो.

जयपुरनी वार्षिक परीक्षा सुधीनो वधो अहेवाल जैन प्रकाशनो खास अंक काढीने, प्रगट करेल छे.

वेकेशन बाद कोलेज बीकानेरमा शरु थई हती अने नवा टर्ममा विद्यार्थीओ पण आव्या अने बीजो (जुनीयर) क्लास पण ११ विद्यार्थीओथी शरु थयो। आ सालमाज विजयादशमी १९८३ मा कोन्फरन्सनु 'अष्टम' अधिवेशन थयु अने समाज सेवक, प्रसिद्ध लेखक जैन तत्वज्ञ श्री वा. मो. शाह प्रमुख बन्या. आ वखते, लगभग १ मास सुधी कोलेजना विद्यार्थीओए अने स्टाफ वर्गे दरेक प्रकारनी व्यवस्था अने सेवा माटे तनतोड जहेमत उठावी हती, एटलुंज नही पण साथे साथे अवकाश

१२ प्रवेशेच्छुकोनी प्रवेश परीक्षाओ पण श्री दुर्लभजीभाइ, श्री झवेरचंदभाई, श्री धीरजलाल के तुरखीया, अने श्री सुर्यकरणजी M A नी कमीटीए लीधेली श्री सूर्यकरणजी एम ए ने अंग्रेजी प्रोफेसर तरीके नीमवामां आव्या श्रीमान् शेठीया जीना पंडितो श्री रमानाथजी व्याकरणाचार्य (बे खंड) अने श्री धीरजवी व्याकरण तीर्थ, संस्कृत प्राकृतना पंडितो तरीके पधारता मार्गो-पदेशीका अने धार्मिकनो विषय धीरजलाल के तुरखीया छे एवी सगवडतायी काम शरु थयु

विद्यार्थीओ वधता गया लगभग २१ विद्यार्थीओ थइ गया पण तेमां केटलाकने अयोग्य होवाने कारणे न लीधा अने केटलाक बीकानेरनी गरम हवाथी के बीजा न फावाथी पाछा गया शेष ११ रह्या

कोलेज शरु थयाने लगभग सात मास थया हशे त्यां (महामास उतरतां) बीकानेरमां प्लेगनो उपद्रव शरु थयो शहेरवासी जुदे जुदे स्थळे विखरावा लाग्या कोलेजना विद्यार्थीओने अने श्री शेठीया 'सं प्रा विद्यालय'ना विद्यार्थीओने जयपुर श्री दुर्लभजीभाई श्रीमुलचंदभाई झवेरीनी देखरेख नीचे मोकल्या त्यां शहेरथी बहार "श्री मधमलजी सा" ना कम्पाउन्डमां सौ रोकाया अने अभ्यास क्रम हेमनो तेम चालतो रह्यो

प्रथम वार्षिक परीक्षा पण जयपुरमांज लेवाई परीक्षको बहारना हता तेमना प्रश्न पत्रोना नमुना अने परिक्षा फळ जैन प्रकाशमां प्रगट थई चुक्यां छे

जैन ट्रेनींग कोलेजना विद्यार्थीओए अने शेठीया विद्यालयना विद्यार्थीओए, एम आर विद्यार्थीओए स्काउटनी तालीम लई, टेन्डर फुटनी परीक्षा आपी, अने सेकन्डक्लासनो कोर्स पण कर्यो

जयपुरमाज कोलेजनी जनरल कमीटी थई, ए वखते नवो टर्म खोलवानो अने बीजा उपयोगी ठरावो थया.

जयपुरमाज महावीर जयतिनो म्होटो मेलावाडो, बधा फीरकाना जैनोनो एकत्र रीते कोलेजना उतारावाळा स्थळे विशाळ चादनीमा थयो हतो. सवादो, भाषणो-गायनो, अने नाटय प्रयोगोना रसमय प्रोग्रामथी, सभाने भारे आनद आव्यो हतो, एनी एवी तो सुंदर असर थई के, जयपुरमा लग्न प्रसगे भक्तणीओ-(वेश्या नृत्य) बोलाववानी जे प्रथा चालती तेमा घणाओए वेश्यानृत्य बंध करी कोलजीयनोना सवाद प्रयोगो-साभळवानी सार्थकता बतावी.

जे विद्यार्थीओने घेर जवु हतुं तेओ, परीक्षा बाद गया अने कमीटी पर पधारेला श्री भेरोदानजी सा. शेठीया, भाई धीरजलाल के. तुरखीयाने जुदी जुदी सस्थाओनो अनुभव लेवा माटे कलकता लई गया त्या साथे कलकत्ता बोलपुर-बनारस, वगेरे घणी विविध ढंगनी शिक्षण सस्थाओनो अनुभव लीधो.

जयपुरनी वार्षिक परीक्षा सुधीनो बधो अहेवाल जैन प्रकाशनो खास अंक काढीने, प्रगट करेल छे.

वेकेशन बाद कोलेज बीकानेरमा शरु थई हती अने नवा टर्ममा विद्यार्थीओ पण आव्या अने बीजो (जुनीयर) क्लास पण ११ विद्यार्थीओथी शरु थयो। आ सालमाज विजयादशमी १९८३ मा कोन्फरन्सनु 'अष्टम' अधिवेशन थयु अने समाज सेवक, प्रसिद्ध लेखक जैन तत्त्वज्ञ श्री वा. मो. शाह प्रमुख बन्या. आ वखते, लगभग १ मास सुधी कोलेजना विद्यार्थीओए अने स्टाफ वर्गे दरेक प्रकारनी व्यवस्था अने सेवा माटे तनतोड जहेमत उठावी हती, एटलुंज नही पण साथे साथे अवकाश

मेळवीने 'समाज गौरव' नामनो एक समाज सुधारक अने बोध प्रद ड्रामा तैयार कर्यो हतो। जे खास 'स्टेज' उपर भजवी बतावबामां आव्यो हतो। अने जनताए एटली प्रसन्नता पूर्वक वधावी लीधो हतो के जो रीतसर टीकीटोथी ड्रामा बताव्यो होत तो रु २००० थी वधुनो हाउस थात।

आ वखते उदार सज्जनोए विद्यार्थीओने आपेल भेटोमांथी लगभग रु १०० थी वधु रकम तो वसुल थवी हती।

'श्री सेठीयाजी विद्यालय' — आ विद्यार्थीओ कलकत्ता युनीवरसीटीनी संस्कृतनी न्यायनी परीक्षा आपता तेथी कोलेजना विद्यार्थीओने पण तेवी परीक्षाओ आपवानुं दील थयुं अने भाई माधवलालजी मुरडीआए सन १९२८ मां बे जैन न्याय तीर्थनी परीक्षा आपी अने तेमां उत्तीर्ण थया बाकी विद्यार्थीओनो न्याय प्रथमानी परीक्षा आपवा विचार हतो। पण कोर्स-विद्यार्थीओ स्थानी सत्ता, कोन्फरन्स ओफीसनी होवाथी ओफीसने पूछ्या वीना प्रथम परीक्षा अपावमी ठीक न लागी श्री शेठीआजी ओफीसने पूछावे अने उत्तर आव्या पछी फॉर्म, फीस, मोकलवा एटलो समय रह्यो नहोतो आ के कलकत्तानी बे जैन न्यायतीर्थ सुधीनी परीक्षाओ अपाय ए दृष्टिए न्यायनो कोर्स लगभग रखायो हतो

आ बीजा वर्षनी परीक्षा थया पहेलांज कोन्फरन्सने लखी जणाव्युं के कौलेजने हवे अन्यत्र मोकली तो सारुं कोलेजकमीटीने वधु विस्तृत केळवणीना वातावरणमां अने शीतोष्ण प्राकृतिक प्रदेशमां राखवानी जरूर जणाने कोन्फरन्स ओफीसे स्थान परत्वे विचार कर्यो

त्यारे बाबत जनरल कमिटीना ठेरावत अभिप्राय मुख्यत्वे जयपुर माटे बहुमती थई अने कोलेजकमिटीने वेकेशन पुरुं थए जयपुर जवा सूचन थयुं

जैपुरमा कोलेजने राखवा माटे सर्व साधनो एकत्र करवानी तैयारीओ थई कोलेजना शरूआतना सुप्री. धीरजलाल के तुरखीया, जे बगडीमा शरू थएल नवी संस्थाओ संभाळता हता अने गुरुकुळ स्थापवानी चर्चा चालती हती, त्याथी तेमनी सेवा, जयपुर कोलेजनी शरूआतना २ मास माटे उछीनी लीधी.

श्री धीरजलाल जयपुर आव्या अने त्याथी कोलेजनो सामान लेवा बीकानेर गया. बीकानेरथी वधी फेरवणी जयपुर थई. जयपुर 'चोडा रस्ता' पर एकान्त अने अलाएद्धु मकान कोलेज भवन माटे पसंद करवामा आव्युं जयपुरनी 'महाराजा कोलेज' मा B A थएल अने M A नो अभ्यास करता उदेपुर नीवासी स्वधर्मी युवक भाई बीहारीलालजी बोरदीआने इंग्लीश प्रोफेसर तरीके अने श्री शेठीयाजीना हेड पडित तरीके शरुआतना पांच वर्ष सुधी रहेल, श्री-पं. रमानाथजी व्याकरणाचार्य (वे. खंड) ने सस्कृत-प्राकृत अने न्यायना पडीत तरीके निम्या जयपुरना आगेवान गृहस्थोनी एक स्थानिक प्रबन्धक कमिटी नीमी अने कमीटीना सहकारथी काम शरु थयु

कमीटीः—

झवेरी मुनीलालजी प्रमुख

झवेरी केशरीमलजी चीरडोआ.

झवेरी मुलचंदजी

झवेरी गुलाबचंदजी बोथरा

झवेरी दुर्लभजी त्रीभोवन, मत्री.

झवेरी चनेचदजी दुर्लभजी, उपमंत्री

कोलेजीयनोने व्यायामनो अने प्राकृतिक स्थानों अवलोकवानो पण शोख हतो तेने माटे जयपुरमा पुरता साधनो हता अने तेनो

जयपुर स्था जैन बोर्डींग

बिकानेर कोन्फरन्सना ठराव मुजब जयपुरमां 'महाराजा कोलेज'ना विद्यार्थीओ माटे बोर्डींगनी सगवड करवामां आवी आना मंत्री पण श्री सुवेदीजी होवाथी, जैन ट्रेनिंग कोलेज साथेज राखी हती अने बेउ परस्परनो प्रेम सहकार साध्यो

स्काउटींग माटे सेवाभावी कोलेजीयनसनो घणो प्रेम हतो अने तेथी रोवर्स-स्काउटनी ट्रुप "श्री महावीर जैन दल" ए नामे स्वतंत्र रीते उभी करी अने तेमां स्टाफ अने विद्यार्थीओ बधा जोडाया

कोलेजीयनोने व्यवहार जीवनमां उपयोगी थई पडे माटे 'बुक कीपींग' अने कोमर्सनुं शिक्षण लेवानी कोलेजीयनोनी जिज्ञासा पुरी पाडवा माटे मंत्रीजीए योजना १ कलाक माटे एक B Com. अध्यापकने राख्या अने आ रीते 'कोमर्स बुककीपींग'नो अभ्यास शरु थयो साथे साथे वक्तृत्व शक्ति खीलववा माटे दर अठवाडीआने अन्ते दररोज 'वक्तृत्व वर्ग' शरू थयो रोज एक वक्ताए बोलवानुं हतुं अने बीजाओ विषय-प्रतिपादनना मुद्दाओ दरेके पोतानी नोटमां लखी राखवाना हता आम रीते दरेकने रोज एक विषय माटेनो पुरतो मसालो मली रहेतो हतो

जैन ज्योति

आ अरसामां कोलेजीयनो एक हस्त लिखित मासिक पत्र 'जैन ज्योति' नामनुं शरू कर्युं तेमां हिन्दी गुजराती लेखो राष्ट्रिय अने सामाजिक तथा सुंदर भावोथी भरपुर छे के, जेमांथी अमे वर्तमान पत्रमां तेमांना कोलेजीयनोना उतारा लीधा छे

मीठी मिजबानी.

सेवा मावी कोलेजीयनो अने समाजमा पकाएल अतिथि प्रेमी श्री झवेरीजीनु आतिथ्य पण अनोखुज होय, तेथीज भावनगर स्टेटना रेल्वे इंजीयर श्री हेमचंदभाई रामजी, मीस क्रौंझ (मीस सुभद्रा, शीवपुरीनी जर्मन श्राविका) श्री. नथमलजी चोरडीया, "**सौराष्टना सिंह**" श्री. अमृतलाल दलपतभाई शेठ वगेरे कोलेजना अतिथि तरीके पधार्या अने संपूर्ण संतोपथी उत्कर्ष इच्छी पाछा फर्या हता.

'न्यायप्रथमानी परीक्षा'

परीक्षा आपवा माटे शीवपुरी सेन्टरथी पं मुनीश्री. विद्याविज-यजीना प्रेम पूर्ण आग्रह भर्या आमत्रणथी, अने फीरका भेदथी जुदा जुदा पडेला जैनोना अत करणो संवाय एवो आदर्श अने भावना कोलेजीयनोमा विस्तरे एवा हेतुथी 'प्रथमा' नी परीक्षा आपवा माटे बंने वर्गना १५ कोलेजीयनोने प. रमानाथजी साथे शीवपुरी मोकल्या त्या शीवपुरीनी सस्थाए सारु स्वागत कर्यु. मुनिश्री विद्याविजयजीए पण पोताना उदार 'प्रेम ठाल्व्यो.

पाछा फरता रस्ते आवता म्होटा शहेरो अने दार्शनिक स्थळोए उतरी, जोवा जाणवा जेवु जोयुं, जाण्यु, अनुभव्युं

आ परीक्षामा बधा विद्यार्थीओ उत्तीर्ण थया

कोलेजीयनोए कोमर्स बुक कीपीगनो अभ्यास शरु करेलो हतो, तेथी '**लंडन चेम्बर ओफ कोमर्स**' नी परीक्षा आपवानो विचार थयो 'लडन चेम्बर ओफ कोमर्स' नु नजदीकनु सेंटर ब्यावर हतु वळी ब्यावरमा जैन गुरुकुळ अने श्री. धीरजलाल होवाथी ब्यावरमाज थोडो वखत राखी परीक्षानी तैयार करवा साथे, कोलेजनो कोर्स चालु राखवानु उचीत समजायुं.

ब्यावरमां B Com ने रह्या अने श्री प जयदेवप्रसादजी B.A L T ए ऑनररी तरीके इंग्लीश ट्युशन आप्युं

'श्री शांति जैन विद्यालय' ना सेंटरमां 'लंडन चेम्बर ओफ कोमर्स' नी ८ विद्यार्थीओए परीक्षा आपी तेमां नीचेना ४ विद्यार्थीओ जुनीयर बुक कीपिंगनी परीक्षामां उत्तीर्ण थया, तओना प्रमाण पत्रो लंडनथी आवी गया छे

१ मि हर्षचंद कपुरचंद दोशी
२ मि खुशालदास ज करगथळा
३ मि गिरधरलाल मे शाह
४ मि दलसुख वालामाई मालवनीया

पं महेश्वरदासजी न्याय व्याकरण तीर्थ, पं महेश्वरदासजी जेवा समर्थ विद्वान अने गुजरात विद्यापीठ जेवा विशाळ क्षेत्रमां काम करनार स्पष्ट वक्तानो समागम अने शिक्षणनो लाभ कोन्फरन्सीयनोने मळे ए जरूरी अने लाभदायी समजीने श्री दुर्लभजीभाई झवेरीए तेओने आमंत्र्या अनेक विध प्रवृत्तिओमांथी तेओ छुटी शके तेम क्यांथी बने ! छतां पण श्री झवेरीजीना प्रेमे तेमने खेंच्या विद्यापीठना वेकेशन वखते अन्यत्र विश्रांति माटे न जतां, कोन्फरन्सीयनो साथे रही ज्ञान भेदो उडाववामां मोज समजीने आप ब्यावर पधार्या अने कोन्फरन्सीयनोने विविध विषयोनुं शिक्षण अने विशाळ अनुभव आप्यो

शतावधानी पं मुनिश्री रत्नचन्द्रजी महाराजश्री पासे सूत्राभ्यास

वेकेशननो समय पं महेश्वरदासजी साथे वितावायो हेर्ट घेर जवाना बहु थोडी रजा मळी विविध ज्ञाननी वानगीओ अने रसास्वाद चखाडवा उमळका मंत्रीजीमां आवता अने तेथी तेमणे

शतावधानी पं. रत्न मुनिश्री रत्नचंद्रजी महाराजश्रीनी सेवामा कोलेजी यनोने राखी सूत्राभ्यास कराववा विनंति करी.

कोलेजीयन्नोने घेरथी तेडाव्या. बधा मोरबी मुकामे एकत्र थया अने समुद्र पार करी कच्छना नाना प्रदेशमा पहोंची अजारमा शतावधानीजीनी सेवामा रह्या सूत्रोनो अभ्यास शरु कर्यो. अने बाकीनो अभ्यास कोर्स मुजब चालु रखाववा पं. वीरभद्रजी व्याकरणतीर्थ अने श्री. अमृतलालभाई गोपाणी B. A. (ओनर्स) हताज.

अजारमा विशा श्रीमाळीनी वाडीमा कोलेजने उतारो मळ्यो हतो. त्या अजार श्री संघे, अने रेल्वेना अधिकारीओए कोलेजीयनोने दरेक प्रकारनी सगवड करी आपी हती

नागपचमीने दिवसे भूजनी पण मुसाफरी करी आव्या हता श्री दुर्लभजीभाई मंत्री पण जाते बे मास साथे रह्या हता.

कोलेजनो खास अंक.

जैन प्रकाश मारफत कोलेजनो खास अंक पर्युषण उपर नीकळ्यो हतो तेना कोलेजीयनोनाज लेखो पद्यो अने कोलेजनी प्रवृत्तिओ प्रगट थई हती कोलेजीयनोमा लेखनकळा केटली विकसी छे तेनो पुरावो ए अंक आपे छे

काठीयावाडना प्रवासो.

श्री दुर्लभजीभाईने कौटुंबिक कारणे मोरबी तथा जयपुर जवु पडयु चोमासु पूर्ण थवा आव्यु एटले कोलेजीयनोने कच्छथी पाछा फरवानु हतु जेथी वळता काठीयावाडनो प्रवास अल्प खर्चे थाय तेम हतु अने आ कच्छ प्रवास माटे रु ५००) श्रीमान वीरचंदभाई मेघजीभाई थोभणे अने रु. ५००) श्रीमान फत्तेचंद गोपाळजी थानवाळाए आपेल रकममा बचत पण हती. तेथी

सौने काठीयावाडनो प्रवास कराववा वसुं त्यांथी जैन गुरुकुळथी भाई धीरजलालनी सेवा मांगीने तेमने कच्छ मोकल्या अने बधाने लई तेमणे कच्छनो किनारो छोडयो काठीयावाडमां जामनगर राजकोट, जुनागढ, पालीताणा, भावनगर, ग्रामनगर, आदि स्थळोनो प्रवास करी अमदावाद आव्या त्यांना प्राचीन दर्शनिक स्थळो, जोईने त्यांथी रवाना थया

'न्याय मध्यमा अने 'सीनीयर'नी त्रीवार्षिक परीक्षा '

जे जैन न्याय मध्यमानुं सेन्टर त्यांथी हतुं अने तेथी वसतो वसत मुसाफरी खर्च न करवुं पडे, तेथी कोलेजीयनोने त्यांथी लई जवानुं भाईं सीनीयर कलासनी त्रिवार्षिक परीक्षा पण लेवानी हती ते पण त्यांतरमांज लेवानुं नक्की कर्युं

आ वखते केटलाक वधु वखत रहेवानुं होवाथी शहेर बहार दानवीर शेठ रा बा कुंदनमलजी सवाइमलजी ऑनररी मेजीस्ट्रेटनी बगीचीमां स्वतंत्र व्यवस्थाथी कोलेज रही

त्रणे फीरकाना जुदा जुदा धुरंधर विद्वानो पासेथी प्रश्न पत्रो मंगाव्या अने सीनीयर कलासनी त्रैवार्षिक अने जुनीयर कलासनी बीजा वर्षनी परीक्षा लेवाई, तेना परीक्षकोनी शुभ नामावळी, अने परीक्षाफळ जैन प्रकाशमां प्रगट थयेल छे

न्याय मध्यमानी परीक्षा १४ विद्यार्थीओए अने व्याकरण प्रथमानी परीक्षा ५ विद्यार्थीओए त्यांतर सेन्टरमां आपी, जेमां बधा उत्तीर्ण थया छे

" सीनीयर विद्यार्थीओ सवाघर "

हवे सीनीयर कोलेजीयनो उत्तीर्ण थया ते जैन विशारदनी पदी पामवाना अधीकारी थया अने शरत मुजब कोन्फरन्स ऑफीस

तेमने पोतानी सेवामा रोकी शके तेम हतुं. परंतु भारतनुं लक्ष्य राष्ट्रिय प्रवृत्ति तरफ होवाथी, कॉन्फरन्सनी सामाजिक अने धार्मिक प्रवृत्तिओ जोरमा न होवाथी कॉन्फरन्स ऑफिसे आ सीनीयर विशारदोनी सेवा अन्य जाहेर जैन संस्थाओने आपवानी उदारता बतावीने **जैन प्रकाशमां** जाहेर कर्युं के कॉलेजना जैन विशारदोनी सेवा, कॉन्फरन्सनी शरत मुजब जे जे जैन संस्थाने जोइए ते कॉन्फरन्स पासे मागणी करे. आ जाहेरातथी कॉलेजना विशारदोनी उपरा उपरी मागणीओ आववा लागी अने जुदा जुदा स्थळे सातेयेने गोठवी दीधा.

कॉलेज फरीथी जयपुर.

सिनीयर विसारदो कॉलेजथी जुदा थया पछी जुनीयर कॉलेजन्यिनो आठ रह्या तेओने लइ फरीथी कॉलेज जयपुरमा रही अहि व्यायामना प्रो. गुरुकुलीय भीम, पं. रमेशचंद्रजी M A. विद्यावारीधीने जैन ट्रेनिंग कॉलेजना सुप्री. तथा इंग्लीश टीचर तरीके रोकवामा आव्या हता अने तेमनी द्वारा कॉलेजीयनोने अनेक विध व्यायाम, इंग्लीश अने हिंदी लेखन वक्तृत्वनी तालीम आपी

कोलेज जैन गुरुकुळ साथे ब्यावरमां.

प्रो. रमेशचंद्र अन्यत्र जवाना होई, कॉलेजथी छूटा थया. हवे कॉलेजीयनोने त्रैवार्षिक परीक्षानी तैयारी करवानी हती. अने त्यारबाद न्यायतीर्थनी परीक्षा आपवानी हती तेमज श्री. झवेरीजीए जैन गुरुकुळ ब्यावरनु मत्रीपद लेवानी विनंति अने आग्रह थइ रह्यो हतो. आवा सयोगोमा जयपुरनी स्था. प्रबधक कमीटीनी सलाहथी कोलेजन गुरूकुळ ब्यावरमा राखवानो ठराव थयो. अने त्रैवार्षिक परीक्षा पछी जे विद्यार्थीओ तीर्थनी परीक्षा आपे तेमने मासिक रु १५) नी स्कोलरशीप वधारामा

आपवाना ठराव थयो अने कोलेज कमीटीना सभ्योनी पण वहाली मळी हती

बीजी त्रैवार्षिक परीक्षा

प्रणे फीरका अने जैनेतर विद्वानो पासेथी जुदा जुदा विषयोना प्रश्न पत्रो मंगवाया, अने जैन गुरुकुळ न्यायरमांज मंत्रीजी अने अन्य निरीक्षकोना निरीक्षणमां ८ विद्यार्थीओनी त्रैवार्षिक परीक्षा थई तेना परीक्षकोनी शुभ नामावळी अने परीक्षा फळ मार्क साथे, जैन प्रकाशमां प्रगट थयेल छे

ऐक्यनुं उदाहरण

त्रैवार्षिक परीक्षा पछी घणाखरा जुनीयर अने सीनीयर कोलेजीयन न्यायतीर्थनी परीक्षानी तैयारीओ करवाना छे, आवी खबर सहकारी बंधु संस्थाओ ' शीवपुरी ' अने ' आत्मानंद जैन गुरुकुळ ' गुजरानवाला ने मळतां, श्री आत्मानंद जैन गुरुकुळ गुजरानवालाना विशारदोने पण कॉलेज साथे राखीने न्यायतीर्थना अभ्यास करावयानी सगवड करी आपवानी मांगणी गुरुकुळना कार्यवाहको अने स्थविर सूरी श्री वल्लभविजयजी महाराजनी श्रीयुत गुलाबचन्दजी ढढा M A मारफत आवतायी तेमना विशारदोने पण न्यायतीर्थना अभ्यासनी कॉलेजीयनना भेगीज सगवड करी आपी

जैपुरनी स्थानीय कमीटीए तेमने फ्री बोर्डर तरीके राखवा मंजुरी आपी छे पण नोकरीनुं बंधन स्वीकार्युं नथी गुजरानवालाना ५ विशारदोए न्यायतीर्थनी तैयारी जैन-ट्र कोलेजना नामे करी छे ।

न्याय तीर्थनी तैयारी

न्यायतीर्थनी परीक्षा माटेनी तैयारीओ अप्पोर चाली रही छे सीनीयरना विशारदोने सवावाळा रुपैयेथी ३ मासनी रजा ए दि विषयना

छे तेओअे पोताने मळतो रु. ४०) नो पगार जतो करवाथी तेमने भोजन उपरात मासीक, रु. २५ स्कोलरशीप अपाय छे ए रीते पाच सीनीयर विशारदो आव्या अने बे जुनियर विशारदो तथा पाच गुजरानवाळाना विद्यार्थीओ मळी कुल १२ विशारदो न्याय तीर्थनी परीक्षानी तैयारी करी छे.

परीक्षा - इंदोरमां.

न्यायतीर्थनी परीक्षा महाराजा होल्कर सस्कृत महाविधालय इन्दोर सेन्टरमां फेब्रुवारी १९३१ मा आपवा बधा विशारदो गया अने त्यारबाद पोत पोताना सेवाक्षेत्रो सभाळ्या.

न्याय तीर्थ नी परीक्षा नीचेना सात विद्यार्थीओए आपेल अने तेओ सर्व उत्तीर्ण थया छे.

(१) भा प्रेमचना लोढा. (२) भा. दाउलाल वैद्य. (३) भा. खुशालदास ज. करगथला. (४) भा. हर्षचन्द्र कपुरचन्द दोशी. (५) भा. गिरधरलाल वे. शाह. (६) भा. दलसुख डाह्याभाई. (७) भा. शातिलाल वनमाळी शेठ.

कोन्फरन्से मुकरर करेला कोर्स मुजब अभ्यासनी व्यवस्था हती. संस्कृत, प्राकृत, धार्मिक, तत्वज्ञान, न्याय, तर्क, वक्तृत्व, लेखन आदि विषयो साथे इंग्रेजी अने बुककीपींगनु पूर्ण शिक्षण मळे, अने अमने एटलुं जाहेर करवामा वाधो नथी के स्थानकवासी समाजमां अत्यारे जेटली सस्थाओ हैयात वराने छे ते बधा करता आ सस्थाना विशारदो मोखरे रहेशे.

नियमानुसार क्रियाकाड अने व्रत नियमोनुं पालन कराव्युं छे. परतु क्रियाकाडी श्रावकनी साकडी शेरी वटावी, विचार वाणी वर्तनना विशाळ चोकमा आवी रचनात्मक श्रावक वन्या छे.

जैन धर्मनुं मन पद्द्रव्यनुं तेमने ज्ञान छे अने तेमां स्था संप्रदायनी व्यवस्था विशेष सारी छे एम तेमनी मान्यता छे परंतु एकज संप्रदायनी संस्था न होवाथी सर्व समुदायो प्रत्ये प्रेममात्र जेओना मानसमां प्रगटयो होय तो आत्मानंदमां जरूरनुं छे

तेओनुं वलण प्रेरक छे परंतु धार्मिक श्रद्धा दृढ छे कोई प्रश्न करे के रतलाम ट्रेनींग कोलेजनी माफक ह्याना विशारदोमांथी संसारथी विरक्त थवा सुधीनो वैराग्य केळवाने प्रगटाव्यो छे ? तो अमे कहीशुं के आ संस्थाओ साधु बनाववा माटे न हती अने भिन्नभिन्न संप्रदायोनुं वर्तमान शीथिल संगठन एटलुं आकर्षण करवा पण असमर्थ हतुं छतां संसारमां रहीने पण समाजने तेओ उपयोगी थशे अने सानुकूळ संजोगो मळतां जाते समय सुधर्मना समाजमां चेतन रेडी शकशे आपणी समाजमां अजैन पंडितो पासेथी जे काम थवानुं ए काम आ विशारदो मांहेना केळवाक क्रमे क्रमे करी शकशे

प्रत्येक प्रयोगो पूर्ण सिद्धिए पहोंची शकता नथी तेम देश काळनी असर टाळी शकाती नथी उपरोक्त अमे मीन वालंक नथी परंतु अटलु थई शक्युं छे ए श्रम अने ए पैसो अमुक अंशे सार्थक थयो छे एथी अमने संतोष छे

ता० २२ ऑक्टोबर १९२० थी ३० सप्टेंबर १९२१
सुधीनो रीपोर्ट

कोलेजना ११ विशारदो हाल नीचेनी जग्याए पोतानी सेवा संतोषकारक रीते आपी रहेल छे

१ श्री माधवलालजी न्यायतीर्थ जैन विद्यालय मद्रास
२ „ प्रेमचन्दजी लोढा न्यायतीर्थ श्री भंडारी जैन हाईस्कुल इंदोर
३ „ माधवलालजी वैद्य न्यायतीर्थ श्री मंडळ जैन पाठशाळा मालवीय

४ ,, हर्पचद्र न्यायतीर्थ सहायक सपादक श्री जैन प्रकाश कोन्फरन्स ओफीस.

५ ,, शातिलाल पोपटलाल श्री कोन्फरन्स ओफिस मुंबई

६ ,, नंदलालजी सख्प्रीया, सुप्री. जैन बोर्डिंग अहमदनगर.

७ ,, सज्जनसिंह चौधरी, सुप्री. जैन बोर्डिंग जलगाव

८ ,, गीरधरलाल न्यायतीर्थ, पंडित श्री रत्नचद्रजी महाराज पासे साहित्य कार्य माटे

९ ,, मणीलाल भायचद श्री कच्छी ओशवाल पाठशाला मुंबई.

१० ,, लालजी मेघजी, अध्यापक श्री जैन पाठशाळा, नागपुर.

११ ,, केसरीमलजी जैन कम्पेनीयन श्री राकाजीना पुत्रो, बगडी.

विशेष अभ्यास—माटे कमिटीए मासिक रु. २० नी स्कोलरशीप मंजुर करेल तेनो लाभ नीचेना चार विद्यार्थीओ हाल लई, रहेल छे.

१ श्री खुशालदास न्यायतीर्थ पोतानो पचास रु. नो पगार जतो करीने काशीमा-बौद्ध भिक्षु पासे 'पाली'नो अभ्यास करे छे.

२ श्री दलसुख न्यायतीर्थ.
३ ,, शान्तिलाल शेठ न्यायतीर्थ
} आ बन्ने उत्साही विद्यार्थीओ प्रसिद्ध पंडित श्री बेचरदासजी पासे अमदावादमा जैन सूत्रो अने साहित्यनो अभ्यास करी रह्या छे.

४. श्री चीमनलालजी लोढा—पंडित श्री रमानाथजी पासे व्याकरमा विशेष अभ्यास करेल छे. स्कोलरशीप बारोबार कोन्फरन्स ओफीस मोकली आपे छे.

आ उपरांत कॉलेजमाथी छुटेला बीजा विद्यार्थीओ पण साहित्य, व्याकरण, आयुर्वेद विगेरेनो विशेष अभ्यास करी रह्या छे. ए सतोपनी वात छे.

ड्रामा फंड—बीकानेर कोन्फरन्स प्रसगे विद्यार्थीओए 'समाज गौरव नाट्य प्रयोग भजवेल ते बाबतना रु. ६४४। ड्रामा फड खाते

जमे हता आ रकम कोलेजमा विद्यार्थीओनी ज्ञान वृद्धि विगेरे वास्तेज वापरवानो ठराव हतो ते मुजब स्थानीय कमिटिनी ता १ मार्च १९३१ नी मंजुरी मुजब विशेष अभ्यास करता विद्यार्थीओना हीत माटे रु २४९॥०॥ खर्चवामां आव्या छे अने बाकी रु ३९४॥=॥ मंत्री पासे जमा छे जे कोलेजना विद्यार्थीओनी ज्ञानवृद्धिमां वपराशे

पगार फंड अने भविष्य—कोलेज कायम राखवा माटे गत कमिटिए मासिक रु १२५) नी मंजुरी आपेल परंतु पगारनी गेरंटी न होवाना कारणे आकर्षण न थवाथी ता ५ मार्चथी कोलेजनुं कामकाज निरुपाये बंध करवुं पडेल छे कोन्फरन्स पासे पगार फंडना रु १५७८५ सलामत पड्या रह्या छे कारण कोलेजना घणा विद्यार्थीओनो पगार जुदी जुदी संस्थाओ आपती होवाथी आ फंड उपर कशो बोजो पडेल नथी कोलेज संस्था पण बंध थइ हवे आ फंडनो ज्ञानवृद्धिना काममां कइ रीते सदुपयोग थइ शके ए विचारवाना प्रश्न छे फंडने वगर वपराये राखी मुकवामां पण सार्थकता नथी आ संबंधे जैन विद्वानोना अभिप्रायो आमंत्र-वामां आव्या छे प्रथमना ठराव मुजब कोलेजमांथी नीकळता। विशारदोने प्रथम वर्षे मासिक रु ४०, बीजे वर्षे मासिक रु ५० अने त्रीजे वर्षे मासिक रु ६५, पगार मळे परंतु आ आर्थिक संक्रामणना संजोगोमां ज्यारे गुजरात विद्यापीठ जेवी संस्थाना संचालकोए पण ओछो बदलो लइ सेवा स्वीकारी छे तो कोलेजना विशारदो श्रीवा अपना रु ६५ ने बदले रु ५५ स्वीकारे एम केन्द्रीक संस्था इच्छे छे आ हकीकत कमि-टीना ध्यानपर लाववा मारी फरज छे

पुस्तको—आ संस्थानी लायब्रेरीमा ७२९ अने अभ्यासना ५९३ मळी कुल्ले १३२२ पुस्तको अत्यारे ग्यावर गुरुकुळमां छे, हवे आ पुस्त-कोनुं शुं करवुं ?

बीजो सामान— वपरायेल रसोडाना वासणो तथा परचुरण सामान पण ग्यावर जैन गुरुकुळमां पडेल छे, तथा बेंच पाँच अने

बीजो परचुरण सामान जैपुरमा मारी पासे छे जेना लीस्ट आ साथे सामेल छे. आमा बेन्च ५ ना रु. ५०) उपजी शके एम छे. आ सामाननुं शु करवु एनो निर्णय पण थवो जोइए. कोलेजनुं आज दिवस सुधीनुं सरवैयुं तथा चोपडा आ साथे हाजर छे कोलेजनी सेवा करवानी जे तक मने कोन्फरन्से आपी ते माटे हुं आभार मानी हवे निवृत थाउं छुं. अने मारी उणपो माटे क्षमा करवा अरज करी विरमु छु.

श्री जैपुर, ता. ३०-९-३१. दुर्लभ-मंत्री.

कोलेज कमीटीनी बेठक ता. ९-१०-३१ ने रोज दिल्हीमा मळी हती. मत्रीए आ रीपोर्ट रजु कर्यो हतो अने कमीटीए नीचेनी सूचनाओ साथे रीपोर्ट मजुर कर्यो हतो.

१. पुस्तको अने सामान माटे जनरल कमीटी जे ठराव करे ते मुजब करवु

(२) विद्यार्थीओना पगारनी जवाबदारीनी मुदत ज्या सुधी चालु छे, त्या सुधी ए फंडमाथी खर्चवानो विचार करवो ठीक नथी एवु कमीटीनुं मानवुं छे.

(३) विशेष अभ्यास माटे जे चार विद्यार्थीओने हाल स्कोलरशीप आपवी चालु छे, तेमाथी श्री खुशालदास, श्री दलसुख अने श्री शातीलाल ए त्रण विद्यार्थीओनो अभ्यास सतोषकारक रीते आगळ वधतो होवानो तेमना पडितोनो रीपोर्ट आववाथी अने मत्रीनी भलामणथी, तेमने स्कोलरशीप आपवी चालु राखवी पण खास जरुरीयात अने संजोगोने लई ड्रामाफंडमाथी अपायेली वधारानी मासिक रु. १०) नी मददने बदले आगामी सालमां तेमने मासिक रु. ३०) आपवा. ड्रामा फडनी बचती रकमनो सरखो भाग ते ड्रामामा भाग लेनार विद्यार्थीओने मळे एवी योजना श्री दुर्लभजीभाईए करवी.

(४) श्री सुराळ्दासने पाळीना विशेष अभ्यास माटे शीखेन जपानी पंडीतोनी मळमण होवाथी खास के इस तरीके शीखेन जवा भाववानुं मुसाफरी खर्च आपवुं

श्री दील्ही ता ९–१०–११ कमीटीनी हाजरी १ झवेरी अमृतलाल रायचंद २ शेठ मर्चभाणजी ३ श्री पुनमचंदजी खीमशरा ४ झवेरी सुखमजी	अमृतलाल रायचंद झवेरी प्रेसीडेन्ट श्री जैन ट्रेनींग कॉलेज कमीटी

श्री श्वे स्था जैन विद्यालय पुनानो

नवेम्बर १९२७ थी एप्रिल १९२९ सुधीनो रीपोर्ट

आ संस्थाने नवेम्बर १९२७ थी खुल्ली मुकवामां आवी हती परंतु ते मन्तन अगाउथी पुरती जाहेरात नहि आवली होवाथी अने बीकानेर अधीवेशन मन्तन कन्नीक बाबतो अव्यवस्थीत थयेली होवाथी आ संस्थानी खरी शरूआत जुन १९२८ थी थयली छे,

नवेम्बर १९२७ थी एप्रील १९२८ सुधीमां फक्त बेज विद्यार्थीआए आ संस्थानो लाभ लीधो हता अने जुन १९२८ थी एप्रील १९२९ सुधीमां २६ विद्यार्थीए आ संस्थानो लाभ लीधो छे तेमांथी त्रण विद्यार्थीओ बीजी टर्ममां आ बोर्डींग हाउस छोडी गया हता अने त्रण विद्यार्थी अत्रा परिणामनी खबर मळी नथी

बाकीना पीस विद्यार्थीओमांथी १२ विद्यार्थीओ पास थया छ अने बाकीना विद्यार्थीओ नापास थया छ मी डी बी वाग, एल एल बी नी

छेल्ली परीक्षामा पास थया छे. अने मी. श्री. एम. शाह बी. ए. नी परीक्षा मा पास थया छे.

आ विद्यालयमा कुल्ले मळीने रु. ४९००) कोन्फरन्स ओफीस तरफथी अमोने मळेला छे जेमाथी लगभग रु. ६५०) अमोए बचावेल छे. बाकीना रु. नु जे खर्च थयु छे. तेनी वीगत आवक जावक तथा खर्च ना हिसावमा आपेल छे.

बोर्डींग हाऊसनी पहेला वर्षनी शरुआत होवाने लीधे बोर्डींग हाऊसनी साथे लायब्रेरीनी सगवड अत्रे करी शक्या नथी. पण फक्त नाना पाया पर रीडींग रुमनी सगवड करी शक्या छीए.

पुनानी हवा सारी होवाथी विद्यार्थीओ मादा पडी जवाना दाखला बन्या नथी अने तेओनी सामान्य तदुरस्ती घणी सारी रही छे. विद्यार्थीओने रमत गमतनी सगवड चालती सालमा पुरी पाडवानो विचार छे.

धार्मीक केळवणीने माटे शिक्षकनी जाहेर खबर आपी हती. परंतु तेमाथी एके बोर्डींग सगवड पुरतो शिक्षक नहिं होवाथी नीमणुंक थइ शकी नथी. ते सिवाय धार्मिक विषयो उपर निबध लखाव्या उपरात धार्मीक-शिक्षण राखीने. कोलेजना विद्यार्थीओने धार्मिक शिक्षण आपवामा धारण प्रमाणे फळ उत्पन्न थशे नहि. एम अमारू मानवु छे.

पुना बोर्डीगनी शरुआतना काम माटे वे वखत कोन्फरन्सना जोइन्ट रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी श्रीयुत् मुथाजी पुना पधार्या हता जे वखते तेओए बोर्डींगना कामकाजनी अदर पुरती मदद आपेली छे. पुनाना स्थानीक सेक्रेटरी मोहनलाल उमेदमलजी बलडोटाए पोतानो कीमती टाइम आपीने सारी मदद करी छे तेमज कोन्फरंस ओफीसना मेनेजर मी. डाह्यालालने पण तेज माटे पुने मोकलवामा आव्या हता तेथी विद्यालयना काममा सरळता आवी हती गया

वर्षमां जनरल कमीटी तरफथी रु ५०००–०–० नी ग्रान्ट आपवामां आवी हती जेमांथी फक्त रु ४९००–०–० मीयुर् जनरल रेसीडन्ट सेक्रेटरी तरफथी अमने मळेला छे अने तेमांथी जमा मग रु ६५० अमोए वधारेला छे

आ संस्थाना गरीब अने लायक विद्यार्थीओने सारा प्रमाणमां स्कोलरशीप आपवानी जरूर छे

(मई मे सने १९२९ थी ता० १ ली माहे एप्रील १९३० सुधीनो रीपोर्ट)

प्रथमना अहेवालमां बताव्या प्रमाणे विद्यालयमां विद्यार्थीओनी संख्या २६ नी हती गई सालमां विद्यालयनी अंदर विद्यार्थीओनी संख्या २० नी हती

विद्यार्थीओनी संख्या घटवानुं कारण ए हतुं के केटलाक विद्यार्थीओ पुना विद्यालयमां आवीने त्यां दाखल थया छतां बीजे मी सगवड मळवाथी गया हता अने गई सालमां कंई पण स्कोलरशीप आपवामां आवी नहोती जेथी करीने गरीब विद्यार्थीओ पुरो लाभ लई शक्या नथी

परिशिष्ठ " ब " मां जोवाथी मालुम पडशे के २० मांथी १२ विद्यार्थीओ पोतानी परीक्षामां पास थया हता अने बाकीना विद्यार्थीओ परिशिष्टमां बताव्या प्रमाणे नापास थया हता

आ वर्षमां गया वर्षनी बचत जे रु ७२५–६–६ हती ते उपरांत रु २००० कोन्फरन्सना रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी तरफथी मळ्या हता अने रु ४१–५–० ड्रीवीडा बेन्कनुं व्याजुं वध कर्युं त्यां सुधीनां व्याजना मळ्या हता.

ता १ ली माहे एप्रील सने १९१० ना दिवसे रु ११०१९९ अंके एक हजार एकसो त्रण मव आना नव पाइ रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी तथा स्थानीक सेक्रेटरी पासे मळीने सीलके हता जेना विगतवार हिसाब परिशिष्ठ " क " मां आपवामां आव्या छे

इजलाल खीमचंद शाह
जनरल सेक्रेटरी

(ता. १ एप्रील १९३० थी ता. १ एप्रील १९३१ सुधीनो रीपोर्ट.)

आ सालमा विद्यालयनी अंदर विद्यार्थीओनी संख्या १२ नी हती. जेमा ९ विद्यार्थीओ पोतपोतानी जुदी जुदी परीक्षाओमा पसार थया हता अने बे विद्यार्थीओ परीक्षामा नापास थया हता. विद्यार्थीओनी संख्या खास घटवानुं कारण ए हतुं के केटलाक विद्यार्थीओए कोलेजमा दाखल थवानी वखतसर अरजी नहि करवाने लीधे पुनामा अभ्यास करी शक्या न हता, तथा बीजे फ्री सगवड मळवाथी गया हता. वळी गई सालमा विद्यार्थीओने विद्यालय तरफथी कोई पण जातनी स्कोलरशीप आपवामा आवी न हती जेथी करीने साधारण स्थितिना विद्यार्थीओ आ विद्यालयनो लाभ लई शक्या न हता. परिशिष्ट उपरथी जोई शकाशे के विद्यार्थीओए पोताना अभ्यास तरफ सारुं ध्यान आप्युं हतु ने परिणाम ८० टका उपर आवेलुं छे. आ वरसमा गया वरसनी बचत जे रु. ११०३–९–९ अके एक हजार एकसो ने त्रण नव आना नव पाई, जनरल सेक्रेटरी तथा स्थानिक सेक्रेटरी पासे हती ते उपरात कोन्फरन्सना रेसीडन्ट सेक्रेटरी तरफथी रु. १०००) मळ्या हता. जेमाथी आ वर्षमा रु.११७१॥। नो खर्च थयो हतो. जे परिशिष्टमा विगतवार दर्शाव्यो छे.

व्रजलाल खीमचंद शाह.
जनरल सेक्रेटरी.

(माहे एप्रील सन १९३१ थी माहे एप्रील सन १९३२ सुधीनो रीपोर्ट.)

चालु सालमा आ विद्यालयमा विद्यार्थीओनी संख्या ३४ नी हती गई सालमा विद्यार्थीनी संख्या वणीज ओछी हती. जेथी साधारण विद्यार्थीओने स्कोलरशीप आपवानुं कमीटीए उचित धार्यु हतुं. जे उपरथी

तथा गई सालमां विद्यार्थीओए घणीज मोटी अरजी करी हती तेओ नापास थएल होवाथी रीपोर्ट दरम्यान सालमां विद्यार्थीओए कोलेजमां दाखल थवानी अरजीओ वखतसर करी हती जेथी आ विद्यालयमां दाखल थएला विद्यार्थीओनी संख्या वधीने २४ नी थई हती जेमां बे विद्यार्थीओ दाखल थया बाद विद्यालय छोडी गया हता अने सात विद्यार्थीओ जुनीअर बी ए तथा बी एजीमां होवाथी तेमने परीक्षा हजी नहि बकीना विद्यार्थीओमांथी १७ विद्यार्थीओ पोतपोतानी परीक्षामां पसार थयां हतां तेमांथी त्रण विद्यार्थी बीजा वर्गमां पसार थया हतां ज्यारे आठ विद्यार्थीओ परीक्षामां नापास थया विद्यार्थीओना नाम, अभ्यास तथा मूळ रहेवाना गामनुं नाम तथा परीक्षाना परिणामनुं लीस्ट परिशिष्ट 'ए' मां आपवामां आव्युं छे

आ सालमां नीचे लखेला विद्यार्थीओने दरेक दीठ रु १००, नी स्कॉलरशीप रीपोर्टना पाछ्ल वर्षे मांटे आपवामां आवी छे ता १ ली मई एप्रील सने १९२१ मा दिवसे रु ९११-१२-३ जनरल सेक्रेटरी तथा स्थानिक सेक्रेटरी पासे मळीने सीलीके हता अने कोन्फरन्सना रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी पासेथी रु २०००) पाछ्ल सालनी ग्रान्टना मळ्या हता तेनो विगतवार हिसाब परिशिष्ट 'ब' मां आपवामां आव्यो छे

स्कोलरशीप अपेला विद्यार्थीओना नाम

(१) देसाई हंसेरीमल गुलाबचंद
(२) देसाई मगनचंद गुलाबचंद
(३) गोडा नवलचंद छोटालाल
(४) गांधी नेमचंद तेजमल
(५) महामुल बापु पांडुरंग

पुनमचंद खीमचंद शाह
जनरल सेक्रेटरी

શ્રી શ્વે. સ્થા. જૈન વિદ્યાલય પુનાનો નવેમ્બર ૧૯૨૭ થી એપ્રીલ ૧૯૨૯ સુધીનો આવક જાવક તથા ખર્ચનો હિસાબ

જ

૫૯૦૦–૦–૦ તા૦ ૩–૧૦–૧૯૨૭ ના રોજ કોન્ફરન્સના રેસીડન્ટ જનરલ સેક્રેટરીના ચેકથી આવ્યા તે જમા

૨૦૦૦–૦–૦ તા૦ ૯–૬–૨૮ ના રોજ કોન્ફરન્સના રેસીડન્ટ જનરલ સેક્રેટરીના ચેકથી આવ્યા તે જમા

૨૫૦૦–૦–૦ તા૦ ૨૩–૬–૨૮ ના રોજ કોન્ફરન્સના રેસીડન્ટ જનરલ સેક્રેટરીના ચેકથી આવ્યા તે જમા

૯૫–૦–૦ બોર્ડિંગ કોશન મની તરીકે આવ્યા તે જમા

૧-૧૧-૦ શ્રી કસર ખાતે જમા

૩૦–૦–૦ શ્રીયુત ડી બી વોરા પાસેથી ડોનેશન તરીકે આવ્યા તે જમા. તા૦ ૨૪–૩–૨૯

૧૦૫૨૬–૧૧–૦

ઉ

૫૫૦૦–૦–૦ તા૦ ૧૧–૧૧–૨૭ ના રોજ કોન્ફરન્સના સાત ટ્રસ્ટીઓના નામે ૭ મહિનાની બાંધી મુદતથી ઇન્ડીઆ બેંકમા મૂકયા જેની રસીદ ટ્રસ્ટી શેઠ સુરજમલ લલ્લુભાઇને સોપવામા આવી

૫૨–૦–૦ મી૦ દેશાઇને ગુજરાતી બંધુ સમાજમા બે છોકરાને નવેમ્બર ૧૯૨૭ થી એપ્રિલ ૧૯૨૯ સુધીની ટર્મમા રાખ્યા તેના ભાડાના આપ્યા તા૦ ૧૨–૪–૧૯૨૮

૧૬–૦–૦ મી૦ ડાહ્યાભાઇને પુના જવા આવવાના ખર્ચ માટે આપ્યા તા૦ ૯ મી જુન ૧૯૨૮

૩૩૧૩ ૧૦ ૬ બોર્ડિંગના ખર્ચના હા શ્રીયુત મોહનલાલ ઉમેદમલજી બલદોટા

૨૦૫૦–૦–૦ બાર માસના ભાડાના

૨૮૫–૦–૦ ત્રાંબા પિત્તળના વાસણના

૨૩૪– – રસોઇઓ તથા નોકરના પગારના
૨૩૨–૦– ટેબલ ન ૨૪ ના
૨૧૭– – બેંચ ન ૨૫ ના
૧૬૯–૦– ખુરશી ન ૭ ના
૩૦– – એક મહિનાના ફાનસના પગારના
૧૭– – ફાનસ ન ૨૪ ના
૭ – – પાટલાઓના
૧૭– –૦ સાબરી ખર્ચ ના
૩૨– – પરચુરણ ખર્ચ ના

૮૨૫ – વિદ્યાર્થીઓને સ્કોલરશીપના દા શ્રીયુત
મોહનલાલજી ઉમેદમલજી ભંડારી
૧ – એમ એન. દેસાીને
૧ – – પી બી. પારેખને
૧ – સી. એ. મહેતાને
૧ – એ જી મુથાને
૧ –૦– એ ક્ષ ગુપ્તાને
૧ – – એમ એસ. વોરાને

૭૫–૦–૦ વી એમ શાહને.
૭૫–૦–૦ એ ડી પોરવાડને
૭૫–૦–૦ પી ટી પારેખને
૮૦–૦–૦ કલમ ખાતે ઉધાર હા શ્રીયુત મોહનલાલજી ઉમેદમલજી બલદોટા
૧૫–૦–૦ પરચુરણ તાર ટપાલ ખર્ચના
૧૬૮–૦–૬ શ્રીયુત મોહનલાલજી ઉમેદમલજી બલદોટા તે સ્થાનિક સેક્રેટરી પાસે રોકડા
૪૦–૦–૦ સુશ્રી એમ સી મહેતા પાસે ઓફિસના કામ માટે ખરચવા આપેલ તે
૫૧૭-૦–૦ જનરલ સેક્રેટરી પાસે રોકડા

૧૦૫૨૬–૧૧–૦

રૂ. ખી. શાહ
જનરલ સેક્રેટરી

શ્રી શ્વે. સ્થા. જૈન વિદ્યાલય, પુનાનો, મે ૧૯૩૦ થી એપ્રીલ ૧૯૩૧ સુધીનો આવક જાવક તથા ખર્ચનો હિસાબ.

જ

૧૧૦૩–૮–૩ શ્રી પુરાત બાકી

૧૦૦૦–૦–૦ તા ૨૦–૯–૩૦ ના રે.જ કોન્ફરન્સ ઓફીસ તરફથી ચેક મળ્યો તેના

૨૧૦૩–૮–૩

ઉ

૯૮૦–૦–૦ બાર માસના બોર્ડિંગ હાઉસના ભાડાના પ્રથમ ટમના રૂ ૪૦૮–૦–૦ બીજી ટર્મના રૂ ૫૭૨–૦–૦ મળી રૂ ૫૯૮–૦–૦ આપ્યા તેના

૧૪૫–૭–૦ રસોયાના, નોકરના પગારના અને પરચુરણ

૨૩–૫–૦ વર્તમાનપત્રો અને પુસ્તકાલય ખર્ચના

૧૫–૦–૦ કીટશનલાઇટ લીધી તેના

૮–૦–૦ 'કેશરી'પત્રમા બોર્ડીંગ ખુલવાની જાહેરાત છપાવી તેના

૯૩૧-૧૩ ૩ શ્રી પુરાત જણુશે સ્થાનિક સેક્રેટરી તથા જનરલ સેક્રેટરી પાસે જણુશે

૨૧૦૩–૮–૩

૩૦૮૧– ૪–૯ શ્રી વ્યવહારિક કેળવણી
૩૮૩૫– ૭–૩ શ્રી જીવદયા ફંડ.
૧૨૪૧૪– ૩–૦ શ્રી શ્રાવિકાશ્રમ ફંડ
૧૪૩૩– ૪–૦ શ્રી નિરાશ્રીત ફંડ.
૨૫૯૫-૧૦–૦ શ્રી સ્વધર્મી સહાયક.
૯૭૪૩-૧૩–૬ શ્રી વીર સંઘ ફંડ.
૭૩-૧૨–૦ શ્રી જૈન બોર્ડિંગ લાયબ્રેરી ફંડ
૩૨૮૭-૧૫–૦ શ્રી પ્રાંતિક સેક્રેટરી ખર્ચ ફંડ.
૧૦૩૬– ૦–૦ શ્રી મિત્ર મંડળ ફંડ.
૮૫૬– ૪–૬ શ્રી ઉપદેશક ખર્ચ ફંડ

૧૨૬૯-૧૧-૦ શ્રી પ્રાંતિક સેક્રેટરીઓના દેવા
૧૪–૧૧-૦ શ્રી સોરઠ પ્રાંત સેક્રેટરી શાહ પુરૂષોત્તમ ઝવેરી
૨૯– ૪–૦ શ્રી કર્નાટક પ્રાંત સેક્રેટરી.
૧૧૪–૧૨–૦ શ્રી ઉત્તર ગુજરાત પ્રાંત સેક્રેટરી
૧૯૫– ૯–૬ શ્રી મુંબઇ પ્રાંત સેક્રેટરી
૨૧–૧૫–૦ શ્રી હાલાર પ્રાંત સેક્રેટરી
૧૩– ૨–૦ શ્રી પૂર્વ દક્ષિણ પ્રાંત સેક્રેટરી.

૭૫૫–૩-૯ શ્રી પ્રાંતિક સેક્રેટરીઓ પાસે લ્હેણા
૭૦-૬-૦ શેઠ મંગલદાસ જેસીંગભાઇ અમદાવાદ
૧૧૭–૮–૦ શેઠ ચંદુલાલ છગનલાલ અમદાવાદ
૨–૮–૦ શેઠ ઉમરમલજી સંકલેચા
૨૧૧-૮-૦ શેઠ જીવણલાલ છગનલાલ વીરમગામ
૧૫૭–૦–૦ શેઠ મગનમલજી કોચેટા
૪૯–૮–૦ શેઠ જાદવજી મગનલાલ વઢવાણ
૨૬ ૧૩-૯ શેઠ બંધભાણજી પિતલીઆ રતલામ
૭૦–૦–૦ કેસરીમલજી મલુકચંદજી
૫૦–૦-૦ શેઠ જીવણલાલ ધનજી ભાવનગર

૯૧૬૯ ૨-૧૦ શેઠ હમીરમલજી મગનમલજી
૨૭૪–૬–૯ શ્રી મુંબઇ સાતમું અધિવેશન
૨૩૫૦–૦–૦ શ્રી જસવંતસિંહજી પ્રિન્ટીંગ પ્રેસ
૧૦૦–૦–૦ શ્રી અધિવેશન પ્રચાર સંઘ સમિતિ
૩૦–૦–૦ ગાંધી મણીલાલ ભાયચંદ
૧૫૦૦૦–૦–૦ શ્રી રીક્ષ ડીપોઝીટ ખાતે
૧૫૦૦૦–૦–૦ ધી બેંક ઓફ ઇન્ડીયા લીમીટેડ મુંબઇ

૭૯-૨-૦ શ્રી જ્ઞાન પ્રચારક મંડળ
૭૧૬૯ ૨ ૧૦ શ્રી અનામત ઉઘરાણી
૪૯૫૦-૩-૯ શ્રી સુખદેવ સહાય પ્રિન્ટીંગ પ્રેસ
૭૯-૯-૦ શ્રી અજમેર સુ સ પ્રિ પ્રેસ
૩૪૭૯-૫-૦ શ્રી અજમેર સુ સ પ્રિ
પ્રેસ નફા ખાતુ
૧૪૯૧-૫-૯ શ્રી ઇંદોર સુ. સ પ્રિ પ્રેસ

૧,૪૧,૬૩૯-૧૪-૭

અમોએ શ્રી અખિલ ભારત વર્ષીય શ્વેતામ્બર સ્થાનકવાસી જૈન કોન્ફરન્સનો હિસાબ સવત ૧૯૮૭ ના કારતક સુદી ૧ થી સવત ૧૯૮૭ ના આસો વદી ૦)) સુધી ચોપડા તથા વાઉચરો સાથે તપાસ્યો છે, અને ઉપરનુ સરવૈયુ અમારા જાણવા તથા સમજવા મુજબ અને અમોને પુરા પાડવામા આવેલ ખુલાસા મુજબ સવત ૧૯૮૭ ના આસો વદી ૦)) ના રોજ કોન્ફરન્સની ખરી સ્થીતિ બતાવે છે અમોએ બેંકની રસીદ તથા મ્યુનીસીપલ અને ગવર્નમેન્ટ બોન્ડઝ તપાસ્યા છે.

છોટાલાલ એચ શાહ એન્ડ કુ
રજીસ્ટર્ડ એકાઉન્ટન્ટસ
ગવર્નમેન્ટ સર્ટીફાઇડ ઓડીટર્સ.

૧૪—૦—૦ મી ડાહ્યાલાલના પ્રવાસ ખર્ચના

૭૫૭—૭—૦ શ્રી પુરાત જણસે

૫૦૦—૦—૦ ૫ વિદ્યાર્થીને સ્કોલરશીપ

૨૫૭—૭—૦ સ્થાનિક તથા જનરલ સેક્રેટરી પાસે જણસે

૭૫૭—૭—૦

૩૯૩૧—૧૨—૩

૧૧૯૫૩ ૧૫૯ ,, શ્રાવિકાશ્રમ ,,
૧૪૩૩–૪–૦ ,, નિરાશ્રીત ,,
૨૮૯૦ ૧૦-૦ ,, સ્વધર્મી સહાયક ,,
૯૩૯૧-૧૦ ૬ ,, વીરસંઘ ,,
૭૩ ૧૨ ૦ ,, જૈન બોર્ડિંગ લાયબ્રેરી
૩૪૮૭ ૧૪ ૬ ,, પ્રાંતિક સેક્રેટરી ખર્ચ
૧૦૩૬–૦–૦ ,, મિત્ર મંડળ ફંડ.
૮૮૩ ૧૫-૦ ,, ઉપદેશક ખર્ચ ફંડ.

૧,૨૮,૧૪૫–૩–૬

૧૨૪૪–૮–૦ શ્રી પ્રાતવાર દેવા
૯૧,૯૨-૧૦ ,, અનામત ઉઘરાણી ફંડ
૨-૧૪ ૩ ,, સુખદેવ સહાય પ્રેસ "ઇન્દોર"
૫૧૩-૩ ,, સરવૈયા ફરકના.

૧,૩૮,૫૬૭-૯-૧૦

૭૦૬૦–૦-૦ ધી મુંબઇ મ્યુનીસીપલ બોન્ડઝ
૧૮૧૯૪-૧૪-૨ ,, ,, ટકા ૬ ના
૭૧૪૫–૦–૦ ,, ,, ,, શને ૧૯૫૯ ના

૫૩૦૧૮–૩–૯

૧૦૮૪૭-૧૩-૩ શ્રી ગવર્નમેન્ટ બોન્ડ ખાતે
૨૦૮૪૭-૧૩-૩ ટકા ૫ ના સને ૧૯૩૫ ના
૧૪૨૩–૨–૭ ધી સેન્ટ્રલ બેંક ઓફ ઇંડીયા લી (માંડવી બ્રાંચ) ચાલુ ખાતે
૧૮૬૦૬–૭–૫ ધી લાભ શુભ વટાવ ખાતે
૧૦૧–૮–૬ શ્રી પુરાત જણસે

૧,૩૮,૫૬૭–૯–૧૦

અમોએ શ્રી અખિલ ભારત વર્ષીય શ્વે. સ્થા જૈન કોન્ફરન્સના હિસાબ સંવત ૧૯૮૩ ના કારતક શુદી ૧ થી સંવત ૧૯૮૬ ના આસો વદી ૦)) સુધીના ચોપડા-તથા વાઉચરો સાથે તપાસ્યા છે અને ઉપરનું સરવૈયુ સં. ૧૯૮૬ ના આસો વદી ૦)) ના રોજ અમારા જાણવા તથા માનવા મુજબ, અને અમોને આપેલા ખુલાસા મુજબ કોન્ફરન્સની ખરી સ્થિતિ બતાવે છે

અમોએ બેંક ઓફ ઇન્ડીઆ લી ની ફીક્ષ ડીપોઝીટ રસીદ તથા મ્યુનીસીપલ અને ગવર્નમેન્ટ બોન્ડઝ તપાસ્યા છે

છોટાલાલ એચ શાહ એન્ડ કુંપની
ગવર્નમેન્ટ ડીપ્લોમેટેડ એકાઉન્ટન્ટસ,
મુંબઈ, તા૦ ૫–૧૦–૩૧. ઓડીટર્સ

શ્રી લાભ શુભ વટાવ ખાતે

જનરલ કમિટિના ઠરાવ મુજબ

નિચેની વિગતના હવાલા નાખ્યા તે

શ્રી જૈન બોર્ડિંગ હાઉસ	
ફંડના	૫૬૧૧-૧૧-૬
શ્રી સ્કોલરશીપ ફંડના	૬૫૬—૮—૬
શ્રી ધાર્મિક કેળવણી ફંડના	૩૩૫૪—૯—૦
શ્રી સ્ત્રીકેળવણી ફંડના	૧૦૩૯-૧૪-૩
શ્રી વ્યવહારિક કેળવણી ફંડના	૩૧૧૧—૪—૯
શ્રી નિરાશ્રીત ફંડના	૧૪૩૩—૪—૦
શ્રી પ્રાંતિક સેક્રેટરી ખર્ચ ફંડના	૩૨૮૭-૧૫-૦
શ્રી મિત્રમંડળ ફંડના	૧૦૩૬—૦—૦
શ્રી ઉપદેશક ખર્ચ ફંડના	૮૫૬—૪—૬
શ્રી અજમેર સું સ પ્રિ પ્રેસના	૭૯—૯—૦
શ્રી અજમેર સુ. સ પ્રિ	
પ્રેસના નફાના	૩૪૭૯—૫—૦

શ્રી વ્યાજ ખાતે

શ્રી કોલેજના અનામત ફંડના		
વ્યાજના	૫૬૦—૪—૦	
,, બ્રહ્મચર્યાશ્રમ ફંડના		
વ્યાજના	૯૪—૦—૩	
,, પુના બોર્ડિંગ ફંડના		
વ્યાજના	૧૮૩૫—૬—૯	
,, શ્રાવિકાશ્રમ ફંડના		
વ્યાજના	૪૬૫—૦—૦	
,, વીરસંઘ ફંડના વ્યાજના	૩૬૫—૬—૩	
		૩૩૨૦—૧—૩

શ્રી લાભ શુભ વટાવ ખાતે

શ્રી ગયા વર્ષના સરવૈયા	
મુજબ	૨૩૬૬૮—૪—૨
,, અર્ધમાગધિ કોષ	૧૧૩૭૪—૨—૬
સને ૧૯૩૧ ના મ્યુનિ-	
સિપલ બોન્ડઝની બુક-	

શ્રી સી પી પ્રાંત	,,	૪૪-૧-૦
શ્રી મારવાડ પ્રાંત	,,	૧૬૮-૧૫-૦
શ્રી મેવાડ પ્રાંત	,,	૫૦-૧૦-૦
શ્રી દેશી રજપુતાના	,,	૪-૮-૦
શ્રી નિઝામ પ્રાંત	,,	૧૬-૬-૬
શ્રી ઝાલાવાડ પ્રાંત	,,	૫-૪-૦
શ્રી બંગાલ પ્રાંત	,,	૦-૧૨-૦
શ્રી સોરઠ પ્રાંત	,,	૨૪૪-૪-૦
શ્રી બર્મા પ્રાંત	,,	૧૨-૦-૦
		૪૨૭૧૮-૦-૯
		૪૮૮૯૧-૭-૫

તપાસ્યું છે અને બરાબર છે — છોટાલાલ એચ શાહ એન્ડ કું.

જુલાઇ. — રજીસ્ટર્ડ એકાઉન્ટન્સસ.

તા૦ ૧૭ એપ્રીલ ૧૯૩૩ — ગવર્નમેન્ટ સર્ટીફાઇડ ઓડીટર્સ.

શ્રી પરચુરણ દેવા

શ્રી સુખદેવ સહાય પ્રેસના	૧૩૯૧–૫–૯	
શ્રી અનરાજજીના	૨–૮–૦	
ભાયાણી હરિલાલ જીનરાજના	૯–૯–૦	
શ્રી ગીરધરલાલ બેચરદાસ	૧૨–૧૧–૯	૧૪૧૬–૨–૬
		રા. ૮૫૦૬૫–૮–૮

શ્રી પ્રાંતિક સેક્રેટરીઓ પાસે લેણા

ગયા વર્ષના સરવૈયા મુજબ		૭૫૫–૩ ૯
શ્રી અગાઉથી આપવામા આવેલા		
શ્રી મુબઇ સાલમા અધિવેશન	૨૭૪–૬–૯	
શ્રી અધિવેશન પ્રચાર સ ચ સમિતિ	૧૪૨૧–૨–૯	
શ્રી સાધુ સ મેલન સમિતિ પાસે	૮૭૫-૧૨-૬	
ભાઇ શાન્તિલાલ પોપટલાલ પાસે	૧૦૦–૦–૦	
		૨૬૭૧–૬–૦

શ્રી મ્યુનીસીપલ બોન્ડઝ (પડ તર કિમતે)
રા. ૮૦૦૦ ના ટકા ૫ લેખે સને ૧૯૫૯ ના તથા રા ૧૦૦૦૦ ના ટકા ૬ લેખે સને ૧૯૫૦–૬૦ ના ૧૭૨૫૦-૧૦-૦